HRCI an USIUSI The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित РОВСІЗНЕФ ВУ АОТНОВІТУ

सं० 22]

नई विल्ली, शनिवार, मई 30, 1981 (ज्येष्ठ 9, 1903)

No. 22]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 30, 1981 (JYAISTHA 9, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग Ш—खण्डा

[PART III—SECTION 1]

उड्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विमाग और मारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 प्रप्रैंल 1981 सं०ए० 32015/1/80-प्रणा० II—सचिव, संघ लोक सेवा प्रायोग फे कार्यालय में स्थायी प्रनुसंघान सहायक (प्र० एवं सं०) तथा स्थानापन्न प्रनुसंघान प्रनुसंघान सहायक (प्र० एवं सं०) तथा स्थानापन्न प्रनुसंघान प्रन्वेषक श्री प्रार० डी० क्षत्रिय को 4-4-81 से 3-7-81 तक की श्रवधि के लिए अथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हों, श्रीमती राजकुमारी श्रानन्द, कनिष्ठ स्नुसंघान श्रधिकारी (श्र०एयं सां०) जिन्हें श्रवकाश स्वीकृत किया गया है, के स्थान पर श्रायोग के कार्यालय में कनिष्ठ अनुसंधान श्रधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 ग्रप्रैलं 1981

सं० ए० 35014/1/80-प्रशार्धी—संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में कें प० सं० के स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारी श्री एस० कें िमश्र को, श्रध्यक्ष, संघ लोंक सेवा श्रायोग द्वारा 15-4-81 में 14-7-81 तक की श्रविध के लिए श्रयत्रा नियमित प्रवन्ध किये जाने तक श्रयवा श्रागामी श्रादेशों 1—86 QI/81

तक, जो भी पहले हो, वरिष्ठ विश्लेषक के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है ।

2. श्री एस० के० मिश्र संघ लोक सेवा ग्रायोग में विरुट विश्लेषक के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे श्रीर उनका वेतन समय समय पर यथासंशी-धित वित्त मंत्रालय के का० ज्ञा० सं० एफ० 10(24)-ई० III/60 दिनांक 4-5-61 में सन्निहित उपबंधों के भनुसार विनियमित होगा।

पी० एस० राणा अनुभाग प्रधिकारी, इस्ते प्रघ्यक्ष, संघ लोक सेवा ग्रायोग

गृह मंत्रालय का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1981,

सं० ए०-19021/7/78-प्रशा०-5—प्रस्यावर्तन हो जाने पर,श्री धार० डी० त्यागी, भारतीय पुलिस सेवा (महा-1964), पुलिस, श्रधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, सामान्य ग्रपराध स्कन्ध, बम्बई की सेवाएं दिनांक 28-4-1981 (पूर्वाह्न) से महाराष्ट्र सरकार को सौंपी जाती हैं।

सं० ए०-19030/1/76-प्रशा०5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री एस०एस० लाल, कनिष्ठ तकनीकी श्रधिकारी (लेखा) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरों, विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएं दिनांक 1-5-1981 (पूर्वाह्र) से पश्चिम रेलवे को वापस सौंपी जाती हैं।

सं० ए०-19036/2/81-प्रशासन-5----निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष स्थापना अपने प्रसाद से श्री एस० ग्रार० मुखर्जी, निरीक्षक, को दिनांक 21-4-1981 (पूर्वाह्न) से श्रगले ग्रादेश तक के लिए केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरों में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न पुलिस उपन्नाधिक्षक के रूप में प्रोन्नत करते हैं।

सं० बी०-48/65-प्रशा०5 (खण्ड-4)—निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर, श्री बी०बी० उपाध्याय, उप-निदेशक (समन्वय), केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली ने दिनांक 30-4-1981 के श्रपराह्म से उप-निदेशक, केन्द्रीय श्रन्वेषण विशेष पुलिस स्थापना, नई दिल्ली के पद का कार्यभार स्याग दिया।

की० ला० ग्रोवर प्रशासनिक ग्रिधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरों

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 मई 1981

सं० 11/96/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति मैसूर में भारतीय भाषाश्रों का केन्द्रीय संस्थान में प्राध्यापक-सह-कनिष्ठ श्रनु-संधान ग्रिधिकारी के पद पर कार्यरत श्री एस० भट्टाचार्य को कलकत्ता में भारत के महापंजीकार के कार्यालय (भाषा प्रभाग) में दिनांक 6 श्रप्रैल, 1981 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेशों तक नियमित श्राधार पर, श्रस्थाई तौर पर श्रनु-संधान श्रिधिकारी (भाषा) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री भट्टाचार्य का मुख्यालय कलकत्ता में होगा । पी० पदमनाभ भारत के महापंजीकार

> वित्त मंत्रालय म्रार्थिक विभाग सेक्यूरिटी पेपर मिल होरंगाबाद,

होरंगाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1981,

इस कार्यालय की ग्रिधसूचना क्रमांक 7(52) 482 दिनांक 7-4-1981 के तारतम्य में श्री बी० के० शर्मा को दिनांक 24-2-81 से श्रिशम आदेशों तक नियमित आधार पर लेखा श्रिधकारी के पद पर पदोन्नत किया जाता है।

वे दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षाधीन रहेंगे, जिसमें व अवधि सम्मिलित रहेगी । जिस अवधि में तदर्थ आधार पर कार्य किया अर्थात 30-11-79 से ।

> श० रा० पाठक महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार कार्यालय कर्नाटका बंगलौर-1 दिनांक 3 श्रप्रैल 1981

सं० स्था० 1/ए० 4 /81-82/9—महालेखाकार इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी श्रनुधाग श्रधिकारियों को उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, श्रगले श्रादेश जारी होने तक लेखा श्रधिकारी पद में, उस पद का कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से केवल श्रस्थायी रूप में पदोन्नत करते हैं।

सर्व/श्री

- 1. एन० श्रप्पुस्वामी
- 2. ए० एष० नटराजन

वि० भ्र० महाजन वरिष्ठ उप महा-लेखाकार (प्रणासन)

कार्यालय, महालेखाकार- , प० बंगाल, स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1981

महालेखाकार-II, प० बंगाल तदर्थ तथा अन्तकालीन स्तर पर निम्नलिखित स्थायी श्रनुभाग अधिकारियों को पूर्णतया श्रस्थायी रूप से सहायक परीक्षक, स्थानीय लेखा, प० ब०, के स्थानापक्ष पद पर 30-3-1981 के श्रपराह्म या जिस दिन से वे सचमुच सहायक परीक्षक, स्थानीय लेखा के रूप से श्रपना कार्यभार सम्भालते हैं, जो भी बाद में हो, श्रगले श्रादेश तक नियुक्त करते हैं:—

- 1. श्री प्रदीप कुमार मजूमदार
- 2. श्री शक्ति महालानवीश

यह साफ तौर पर समझ लेनी चाहिए कि यह प्रोम्नित कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक मुकदमे का जब तक विनि-ण्य न हो, तब तक पूर्ण अस्थायी रूप से हैं और यह भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के खिलाफ दायर किये गये 1979 के० सी० आर० केस० नं० 14818 (एन०) के श्रंतिम फैस ले के अधीन होगी ।

उल्लिखित सारी तदर्थ प्रोन्नतियां भारत के उच्चतम न्यायालय में 1973 के सिविल अपील नं० 1584 से 1588 (एन) और 1979 के सिविल अपील नं० 2104-05 (एन) के अंतिम आदेशों के भी अधीन है ।

बी०एम**० दत्तचौधरी** परीक्षक, स्थानीय लेखा, प० बंगाल कार्यालय: निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व,

नई दिल्ली, दिनांक 18 भ्रप्रैल 1981

सं० प्रशा० / का० प्रा०सं० 27—भारत सरकार, गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० 25013 / 7 / 77-स्थापना (का०) दिनांक 26-8-1977 की शर्तों के प्रधीन 20 वर्ष से प्रधिक की ग्रहींक सेवा पूरी कर लेने के पण्चात इस कार्यालय के श्री एस०पी०चौपड़ा-I, स्थायी अनुभाग ग्रिधिकारी (स्थानापन्न लेखापरीक्षा ग्रिधकारी) भारत सरकार की सेवा मे स्वैच्छापूर्वक दिनांक 15-4-81 के श्रपराह्म से सेवा निवृक्त हो गये हैं।

 श्री एम०पी०चोपड़ा ने सरकारी सेवा में 31-7-1945 प्रवेण किया था ग्रौर उनकी जन्म तिथि 14-1-1926 है।

> विष्णु सहाय वर्मा मंयुक्त निर्देशक लेखा परीक्षा (प्र०)

कार्यालय: निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-2, दिनांक 2 मई 1981

सं० प्रशासन-I/कार्यालय श्रादेश सं०:60—भारत सरकार गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या 25013/7/77-स्था० (का०) दिनांक 26-8-1977/एफ० श्रार०-56 (के०) की शतों के श्रधीन 20 वर्ष से श्रधिक की श्रहंक सेवा पूरी कर लेने के पश्चात इस कार्यालय के स्थायी लेखापरीक्षा श्रधिकारी श्री एस०एस० चड्ढा भारत सरकार की सेवा से स्वैच्छिक रूप से दिनांक 1-5-1981 के पूर्वाह्न से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

2. श्री चड्ढा ने सरकारी सेवा में दिनांक 11-5-49 को प्रवेग किया था श्रौर उनकी जन्म तिथि 1-1-1928 है।

> ह० अपठमीय संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्रशासन)

> > रक्षा मंत्रालय

भारतीय म्रार्डनैंस फैक्टरियां सेवा ग्राडनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700016, दिनांक 2 मई 1981

मं० 20/81/जी०- वार्धक्य सेवा निवृत्ति श्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर श्री डी०एन० निझावन, स्थानापन्न, ए०डी०जी०- ओ० एफ०स्तर-1 (मौलिक श्रौर स्थायी ए०डी०जी०- श्रो०एफ०- स्तर-II) दिनांक 31 मार्च, 1981 (श्रपराह्न) से सेवा से मुक्त हुए ।

वी०कें० मेहता सहायक महानिदेशक, श्रार्डनैंस फैक्टरियां डी॰ जी॰ ओ॰ एफ॰ मुख्यालय सिविल सेवा कलकत्ता-700069, दिनांक 5 मई 1981

सं० 13/81/ए०/ई०/-1—वार्धक्य सेवा निवृत्ति श्रायु प्राप्तकर, श्री निताई पद मुखर्जी, मौलिक, एवं स्थायी स्टेनो-ग्राफर ग्रेड-2 स्थानापन्न सहायक स्टाफ श्रधिकारी दिनांक 30-4-81 (श्रपराह्न) से सेवा मुक्त हुए ।

डी० पी० चक्रवर्ती ए०डी०जी०ग्रो०एफ/प्रशासन इ.स. महानिदेशक, श्रार्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय
मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनाक 2 मई 1981
श्रायात तथा निर्यात ब्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं०-6/1121/76-प्रशा (राज०)/—राष्ट्रपति, श्री ए० के० चक्रवर्ती, भारतीय लेखा और लेखा परीक्षा सेवा के प्रधिकारी और मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में विशेष कार्य श्रीधकारी को 22 श्रप्रैल, 1981 के दोपहर बाद से श्रगला श्रादेश होने तक इसी कार्यालय में निदेशक (सी०मी०ए०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 मई 1981

सं० 6/670/62-प्रशा० "राज"/— सेवा निवृत्तिकी श्रायु होने पर, श्री ए०टी० मुखर्जी, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात, केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र, नई दिल्ली को 31 मार्च, 1981 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की श्रनुमित प्रदान की गई है।

मणि नारायणस्वामी मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय (प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1981

सं० प्र०-1/1(943)— निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में स्थायी सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-11) श्री ए० के० मित्रा निवर्तमान श्रायु होने पर दिनांक 28-2-1981 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 7 मई 1981,

सं० प्र० 1/1(1142)— निरीक्षण निवेशक कलकत्ता के कार्यालय में ग्रधीक्षक ग्रौर पूर्ति तथा निपटान निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड $^{\rm I}$ I) श्री डी०सी० रायचोधरी

निवर्तमान भ्रायु होने पर दिनांक 31-1-1981 के भ्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये ।

दिनांक 11 मई 1981

सं० प्र०-1/1(1156)/80—राष्ट्रपति, निदेशक, पूर्ति (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड II) श्री टी०वी० पोते को दिनांक 16-4-1981 (पूर्वाह्र) से 6 माह की श्रवधि श्रयवा नियमित श्रिधकारी के उपलब्ध होने तक जो भी पहले हो उसी कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सहायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेडI) के रूप में नियुक्त करते हैं ।

सं० प्र०-1/1(1174)/81—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में प्रवर क्षेत्र श्रिष्ठकारी श्री बी०सी० मंडल को दिनांक 20 श्रप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से और श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के ही कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में तदर्थ श्राघार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री बी०सी० मंडल को सहायक निदेशक (ग्रेड1I) के रूप में तदर्थ नियुक्ति होने पर नियमित नियुक्ति का दावा नहीं होगा ग्रौर की गई तदर्थ सेवा ग्रेड में बरी-यता ग्रौर पदोन्नित ग्रौर स्थायीकरण की पान्नता के लिए नहीं गिनी जायेगी ।

श्री बी०सी० मंडल ने अवर क्षेत्र ग्रिधकारी का पदभार छोड़ दिया भौर दिनांक 20 श्रप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न को सहायक निदेशक (ग्रेड II) का पदभार सम्भाल लिया।

> पी० डी० सेठ उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 28 श्रप्रैल 1981

सं० प्र०-1/1(789)—-राष्ट्रपति, भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड III के स्थायी ग्रिधिकारी श्री एन०के० जयसवाल को दिनांक 2 श्रप्रैल, 1981 के पूर्वाह्म से ग्रीर ग्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड II में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री एम० के० जयसवाल ने श्रार्डनैस फैक्टरी बोर्ड, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदेशक का पदभार छोड़ दिया भौर 2 श्रप्रैल, 1981 के पूर्वाह्म से पूर्ति तथा निपटान निदेशालय कानपुर में उप निदेशक पूर्ति का कार्यभार सम्भाल लिया।

> एम० जी० मैनन उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात ग्रौर खान मंत्रालय खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 25 मई 1981

सं० ए०-19011(227)/78/स्था०-ए०-संघ लोक सेवा भ्रायोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति,श्री जगदीश लाल, सहायक श्रयस्क प्रसाधन श्रधिकारी को दिनांक 7 श्रप्रैल, 1981 के श्रपराह्म से भारतीय खान ब्यूरो में उप भ्रयस्क प्रसाधन श्रधिकारी के पद पर नियुक्ति प्रदान करते हैं।

> श्रा० रा० कश्यप कार्यालय ग्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 7 मई 1981

सं० स्था०-1-57/9-पी० एफ० (चानन सिंह)—श्री चानन सिंह, सहायक प्रबन्धक, सामान्य केन्द्रीय सेवा प्रुप ''बी'' (राजपतित) संख्या 101 (हा० लि० का०) (मुद्रण वर्ग) (मानचित्र प्रकाशन निदेशालय) भारतीय सर्वेक्षण विभाग देहरादून के सरकारी सेवा से स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति के प्रार्थना पत्न के स्वीकृत होने पर, भारत के महासर्वेक्षक, श्री चानन सिंह, सहायक प्रबन्धक भारतीय सर्वेक्षण विभाग को दिनांक 31-3-81 (श्रपराह्म) से सेवानिवृत्त करते हैं।

इकबाल सिद्दीकी मेजर इंजीनियर्स सहायक महासर्वेक्षक

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण नई दिल्ली-11, दिनांक 6 मई 1981

सं० 14-3/81-एन० (टी०)- ह मारक (पर्यटन)-- प्राचीन संस्मारक, पुरातात्विक स्थल अवशेष नियमावली, 1959 के नियम-6 के श्रधीन प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, मैं (के० वी० सौन्दरराजन) संयुक्त महानिदेशक यह निदेश जारी करता हूं कि राजगिरि पर्वत दुर्ग जिजी, दक्षिण-आरकोट, जिला तिमलनाडु के स्मारकों में दिनांक 11 मई से 20 मई, 1981 तक 10 दिनों के लिये (इनमें दोनों तारीखें सिम्मिलित हैं) देवी कमलाकाित्रयाम्मन के वािषक उत्सव के उपलक्ष्य में प्रवेश नि:शुल्क होगा।

यह ग्रादेश पिछले ग्रादेश सं० 14-3-81 स्मा० (टी०) दिनांक 29-4-81 के स्थान पर प्रवर्त होगा।

> के० बी० सौन्दरराजन संयुक्त महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1981

सं० ए० 12025/8/79(स० प्र०) प्रशा०-1— राष्ट्रपति ने डा० बी० दासगुप्ता को 9 भ्रप्रैल, 1981 के पूर्वाह्म से ग्रागामी भ्रादेशों तक सफ़दरजंग भ्रस्पताल, नई दिल्ली में कनिष्ठ जीव रसायनी के पद पर श्रस्थाई ग्राधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 7 मई 1981

मं० 1-16/71-प्रशा०-1-सांख्यिकीय एवं श्रासूचना निदेशालय, केन्द्रीय एवं सीमा णुल्क (राजस्व विभाग) नई दिल्ली में मुख्य सांख्यिकीय श्रिष्ठिकारी के एक्स-काडर पद पर चयन हो जाने के फलस्वरूप भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड-III अधिकारी श्री ए० के० सेन ने श्रिष्ठिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता ने सांख्यिकीय के सहायक प्रोफेसर के पद का कार्यभार 28 फरवरी, 1981 श्रपराह्म से छोड़ दिया है।

सं० ए० 31013/1/80-प्रणा०-1--राष्ट्रपति ने श्री के० के० खन्ना को 9 मई, 1978 से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में उप सहायक निदेशक (सूक्ष्मजीव विज्ञानी) के पद पर स्थाई स्राधार पर नियुक्त किया है।

> 'टी० सी० जैन उप निदेशक प्रशासन

भाभा परमाणु भ्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 2 मई 1981

सं० संदर्भ पी० ए० /76(3)/80-आर०-III(1)— नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री सुधाकर रामचंद्र टाकले, स्थानापन्न सहायक लेखाकार को स्थानापन्न सहायक लेखा श्रिधकारी पद पर भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में 7 मार्च, 1981 (पूर्वाह्न) से श्रिग्रिम आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

ए० शान्ताकुमार मेनोन उप स्थापना प्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

ऋय एवं भंडार निदेशालय

मद्रास-6, दिनांक 24 भ्रप्रैंल 1981

सं० एम० म्रार० पी० यू०/200(14)/81-प्रशा०— क्य भौर भंडार निदेशालय के निदेशक, निदेशालय के स्थायी भंडारी श्री एच० गणपित को 14 श्रप्रैल, 1981 से 12 जून, 1981 (भ्रपराह्म) तक के लिये ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-

40-1200 के वैतनमान में उसी निदेशालय के कलपाक्कम स्थित रिएक्टर ग्रनुसंघान केन्द्र के भंडार में तदर्थ ग्राधार पर सहायक भंडार श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० एम० श्रार० पी० यू०/200(27)/81-प्रणा०-- क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक, निदेशालय के श्रस्थायी क्रय सहायक, श्री सी० एन० गोपालन को 16 मार्च, 1981 के पूर्वाह्म से 16 श्रप्रैल, 1981 के श्रपराह्म तक के लिये रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उसी निदेशालय के मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट में तदर्थ श्राधार पर सहायक क्रय श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

विनांक 25 अप्रैल 1981

सं० एम० ध्रार० पी० यू०/200(9)/81-प्रशा०— क्रय और भंडार निदेणालय के निदेशक, निदेशालय के म्थाई क्रय सहायक श्री एन० राजगोपालन की 26 मार्च, 1980 के पूर्वाह्म से 29 मई, 1981 के प्रपराह्म तक के लिये रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उसी निदेशालय के मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट में तदर्थ श्राधार पर सहायक क्रय श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

बी० डी० कविश्वर भुगतान श्रौर लेखा श्रधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-16, दिनांक 5 मई 1981

सं० प० ख० प्र०-2/3109/80-प्रशा०—श्री बी० कि के जैन द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में वैश्वानिक प्रधिकारी 'एस० बी०' के प्रस्थायी पद से दिया गया त्याग-पत्न परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक द्वारा 10 फरवरी, 1981 के प्रपराह्म से स्वीकार कर लिया गया है।

एम० एस० राव, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा **भ**धिकारी

अंतरिक्ष विभाग

सहायक नोदन प्रणाली यूनिट भारतीय अंतरिक्ष भ्रनुसंधान संगठन इसरो

बंगलौर-560009, दिनांक 2 धप्रैल 1981

सं० 8/53/76—प्रशा०—ए० पी० एस० यू० (सहायक नोदन प्रणाली यूनिट) के कार्यक्रम निदेशक, अंतरिक्ष विभाग, की सहायक नोदन प्रणाली यूनिट, बंगलौर में श्री पी० जयपाल को रु० 650-30-740-35-810—द० रो०—35-880-40-1000—द० रो०—40-1200 के वेतनमान में वैज्ञानिक/इंजीनियर "एस० बी०" के पद पर दिनांक

क्रम सं० नाम

1 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

> एल० राजगोपाल प्रणासन अधिकारी

वर्तमान नैनाती स्टेशन

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 5 मई 1981

सं० ए०-32013 (नै०वि० उ० म० नि०)/1/80 स्था०-1—
राष्ट्रपति, श्री एच० एम० चौधरी को जो भारत मौसम विज्ञान
विभाग में मौसम विज्ञान के स्थानापन्न उपमहानिदेशक के
पद पर तदर्थ आधार तर कार्यरत थे, इसी विभाग में 18
अत्रैल, 1981 से और आगामी आदेशों तक मौसम विज्ञान
के स्थानारत उगमहानिदेशक के रूप में नियमित आधार पर
नियुक्त करते हैं।

मं० ए०-32013(मौ०वि०उ०म०नि०) (तदर्थ)/1/80-स्था०-1-31 जनवरी, 1981 की समसंख्यक श्रधिसूचना के कम में, राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग में निम्नलिखित श्रधि हारियों की मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक के रूप में

तदर्थ नियुक्ति की भ्रविधि को 31 मई, 1981 तक या इन पदों में नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं:-

- 1. श्री एच० एम० चौधरी
- 2. डा० ए० के० मुखर्जी
- 3. डा० ए० ए० रामशास्त्री
- 4. डा० ए० एस० रामताथन
- 5. डा० एस० एस० कुलश्रोष्ठ
- श्री एस० एन० व्रिपाठी

नया तैनाती स्टेशन

पी० के० दास मौसम विज्ञान के महानिदेशक

> कार्यग्रहण की तारीखा

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 4 मई 1981

सं० ए०-32013/11/79-ईसी—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो तकनीकी श्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामाने दी गई तारीख से छः मास की श्रविध के लिए श्रौर दिये गये स्टेशन पर तदर्थ श्राधार पर वरिष्ठ तकनीकी श्रिधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है :—

सर्वश्री		
1. रवि प्रकाण	वैमानिक संचार वाराणसी	स्टेशन
2. एम० के० पाल	वैमानिक संचार कलकत्ता	स्टेशन

दिनां 7 मई 1981

मं० ए.०-12025/1/81-ईमी-—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निष्नलिखित तीन अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख के श्रन्य श्रादेण होने नक तकनीकी श्रिधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और इन्हें निदेशक, रेडियो निर्माण श्रौर विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है :—

%मः नाम सं०			कार्य ग्रहण करने की तारीख
1. श्री प्रभाकर गुप्ता			13-4-81
			(पूर्वाह्न)
2. श्री वी० गोवर्तनन.	•	•	15-4-81
			(पूर्वाह्न)
3. श्रीके० वेणु .	•		14-4-81
			(पूर्वाह)

मं० ए०-35021/1/79-ई० सी—गुजरात कम्युनिकेशन एंड इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड, वडोदरा पर विभागेतर सेवा

क्षेत्रीय निवेशक का कायलिय, सफदरजंग	30-3-81
एयर पोर्ट, नई दिल्ली	(पूर्वाह्न)
वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	23-3-81
	(पूर्वाह्म)

से परावर्तित हो जाने पर, श्री एस० के० सरस्वती, वरिष्ठ तक्ष्मीकी श्रीधकारी ने दिनांकः 15-4-81 (पूर्वाह्न) से निदेगक, रेडियो निर्माण श्रीर विकास एकक, नई दिल्ली के कार्याजय में श्रपने पद का कार्यभार ग्रहण किया है।

सं० ए०-38013/1/81-ईसी — प्रभारी प्रधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, उदयपुर के कार्यालय के श्री ए० के० नारायणन, सहायक संचार श्रिधिकारी ने निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 31-3-81 (ग्रपराह्न) से श्रपने पद पर कार्यभार त्याग दिया है।

जे० सी० गर्ग सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1981

मं० ए०-32013/8/78-ई०सी० ---राप्ट्रपति ने वैमा-निक मंचार स्टेशन, मद्रास के श्री एस० मार्क, सहायक ग्रिधकारी को दिनांक 24-3-81 से नियमित ग्राधार पर

संचार श्रधिकारी	के	ग्रेड में नियुक्त किया है। उन्हें	क्षेत्रीय
निदेशक, मद्रास	के	कायिलय में तैनात किया गया है	है।

मं० ए०-32014/5/80-ईसी—-महानिदेशक नागर विमान ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को जो इस समय तदर्थ प्राधार पर सहायक तकनीकी श्रधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं, दिनांक 16-12-80 से नियमित ग्राधार पर सहायक तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में नियमित ग्राधार पर सहायक तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है श्रीर उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिये गय स्टेशन पर तैनात किया है :---

————— ऋम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1	2	3

1	2	3
	सर्वश्री	
1.	डी० ग्रार० कृष्णस्वामी	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता
2.	जी० एस० वर्मा	त्रैमानिक संचार स्टेशन, वाराणसी
3.	के० रामानाथ्न	वैमानिक संघार स्टेशन, पालम
	एस० के० सेठ	वैमानिक संचार स्टेशन, मन्द- सौर
5.	जसवन्त सिंह	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई
6.	श्रो० पी० जुनेजा	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम
7.	के० सी० मर्मा	नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली
8	. जे० आर० शर्मा	वैमानिक संचार स्टेशन, पोर- बन्दर
9	. डी० ग्रार० खादिलकर	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई
10	. बी० के० पुरी	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली
11	. एन० के० सेन	रेडियो निर्माण एवं ृिवकास एकक, नई दिल्ली
12	. श्रार्० जयरामन	वैमानिक संचार स्टेजन, तिरुचिरापल्ली
13	. डी० डब्ल्यू० जेकब	नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भण्डार डिपो, नई दिल्ली
14	. के० एस० मुखर्जी	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता
	, एम० शिवसुबह्म०मण्यम	ं <mark>बैमानिक संचार स्</mark> टेशन, मद्राक्ष
16	s. के० टी०जोहन	वैमानिक संचार स्टेशन, हैद- राबाद
17	⁷ . वी० जी० जोशी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई
18	3. एस० ग्रार० डी० बर्मन	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता

19. ए**० रामदास**

वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास

1 2	3
20. ग्राई० एस० दी	रेडियो निर्माण एवं विकास
	एकक, नई दिल्ली
21. ए० एन० भिर्को	वैमानिक संचार स्टेशन,
	शा य नुर
22. पी० एउ० बजाज	रेडियो निर्माण एवं विवास
	एकक, नई दिल्ली
23. डी० एस० कृष्णामूर्ति	वैमानिक संचार स्टेशन, कल-
	कत्ता
24. एच० एम० प्रभाकर	वैमानिक संचार स्टेशन, सफदर-
	जंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली
25. पी० के० ढींगरा	रेडियो निर्माण एवं विकास
	एकक, नई दिल्ली
26. डी० पिचुमणि	वैनानिक संचार स्टेशन, मद्रास
27. एच० एल० चावला	वैमानिक संचार स्टेशन, नागपुर
28. एस० पी० श्रीवास्तव	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र,
0 - 3 0	इलाहाबाद
29. मूस०पी० चौधरी	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकक्षा
30. ईश्वर दयाल	वैमानिक संचार स्टेशन, सफ-
a. 5	दरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली
31. ए० महालिंगेभ्वर	वैमानिक संचार रटेशन, बम्बई
32. ग्रार० एच० मुकुन्ठ	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास
faria:	т г 1001

दिनांक 7 मई, 1981

सं० ए०-32014/3/79-ई० सी० (श्रंश-IV)—महा-निदेणक, नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, ग्वालियर के श्री टी० एस० जौली, तकनीकी सहायक को दिनांक 26-3-1981 (पूर्वाह्म) से तदर्थ ग्राधार पर सहायक तक-नीकी श्रधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है। उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, श्रष्टमदाबाद में तैनात किया गया है।

> त्री० जयचन्द्रन सहायक निदेशक प्रशासन

दिनांक 30 अप्रैल 1981

सं० ए०-35018/18/79-ई०-1—राष्ट्रपति ने तकनीकी सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत श्री पी० कें० रामाचन्द्रन, उप-महानिदेशक नागर विमानन की संजाएं दिनांक 23-4-81 (अपराह्म) से प्रतिनियुक्ति के आधार पर विदेश सेवा शर्तों के अधीन अफीका में लुसाका (जाम्बिया) केन्द्र में नियुक्ति के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मागर विमानन संगठन को सौंप दी हैं। सुधाकर गुप्ता उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली दिनांक 7 मई 1981

मं० ए०=38015/3-80-ई० एस०—क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई क्षेत्र, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई के कार्यालय के श्री के० श्रीनिवासन, प्रशासनिक अधिकारी (ममूह "ख") के निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 31 मार्च, 1981 (श्रपराह्न) से श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

> सी० के० वत्स विशेष कार्य प्रधिकारी

विदेश संचार मेवा बम्बई, दिनांक 7 मई 1981

सं० 1/29/81 स्था०—विदेश संचार के महानिदेशक एतद्द्वारा वि० सं० से०, स्थिचन समूह, बम्बई के श्री अनिरुद्ध राय, तकनीकी सहायक को बिस्कुल तदर्थ श्राधार पर श्रल्पकालीन खाली जगह पर 10-12-80 से 17-1-1981 तक की श्रवधि के लिए उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रीभयंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/84-81-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एनद्दारा कलकत्ता के पर्यवेक्षक, श्री एस० तिर्के को बिल्कुल तदर्थ प्राधार पर कल्पकालीन खाली जगह पर 10-11-80 से 3-1-81 तक की प्रवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उपरियात प्रबंधक नियक्त करते हैं।

सं० 1/112/81-स्था०--विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्दारा आर्वी शाखा के तकनीकी सहायक, श्री आर० तत्ताती को नियमित श्राधार पर 20 मार्च, 1981 से आगामी श्रादेशों नक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता निय्क्त करते हैं।

सं० 1/482/81-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एनद्द्वारा मद्रास के पर्यवेक्षक, श्री टी० रामामूर्ति को बिल्कुल तदर्थ श्राधार पर 18-12-80 से 17-1-81 तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप मे उप परियाता प्रबंधक नियुवत करते हैं।

सं० 1/491/81-स्था०—विदेण संचार सेवा के महा-निदेणक एतद्द्वारा पुणे के स्थाना० तकनीकी सहायक श्री के० पुल्लय्या को नियमित श्राधार पर 1 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी श्रादेशों तक स्विचन समूह, बम्बई में स्थानापन्न रूप में सहायक अभियंता नियक्त करते है।

> एच० एल० मलहोत्ना उप निदेशक (प्रणासन) इते महानिदेशक

वन प्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 2 मई 1981

सं० 16/359/80-स्थापना-1—-ग्रध्यक्ष, बन प्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री सुधीर क्मार भर्मा को 1 नवम्बर, 1980 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेशों तक वन राजिक महाविद्यालय, बालाघाट में सहर्ष सहायक शिक्षक (श्रिभियांतिकी श्रीर सर्वेक्षण), अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

> रजत कुमार कुल सचित्र

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1981

मं० मी-1051/55/73 (मु०)—सर्वश्री फांकिस खेस एवं बुध बिह, कार्यालय श्रधीक्षकों को, सर्वश्री ए० श्रार० गर्मा ग्रीर भगवान गिड् की, निरीक्षण ग्रधिकारी, ग्रप "वी" के पद पर नियुक्ति हो जाने के परिणामस्वरूप, रिक्त हुए पदों पर, दिनांक 24-3-81 (पूत्राह्म) से, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुक्क, नई दिल्ली में, स्थानापन्न सहायक मुख्य लेखा ग्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

स० सरकार निरीक्षण निदेशक

मंगठन एवं प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1981

सं० 1/122/13/78/सं० प्र० से० नि० —श्री धार० के० बिंग, कार्यानय अधीक ह, निरीक्षक एवं लेखा परीक्षा निदेशान्य, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली जो कि अभी उस निदेशालय में अधीक्षक के पद पर कायरत थें ने संगठन एवं प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली में श्रतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कायमार दिनांक 4 मई, 1981 (श्रपराह्म पूर्व) संभान लिया है।

के० जे० रामन निदेशक

केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 6 मई 1981

सं० ए०-19012/851/80-स्था०-पांच—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री अवधेण सर्मा, पयनेक्षक को श्रांतिरिक्त सहा-यक निदेगक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-1200 के वेजनमान में पूर्णतः श्रस्थायी एवं तदथ श्राधार पर 30-9-80 (पूर्वाह्न) से छः महीने की प्रविध तक श्रयवा इस पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करने हैं।

> ए० भट्टाचार्य ग्रवर सचिव

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लां बोर्ड कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैं० बी० डी० आहलू-दालिया फाईनाशियर्स लिमिटेड के विषय में। दिनांक

मं० — कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धाला 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स बी० डी० श्राहलूबालिया फाईनांन्यियस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

(ह०) ग्नपठनीय सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं धरना सिक्यूरिटी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलूर, दिनांक 4 मई 1981

सं० 1396/560/81-82— कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि धरना सिक्यूरिटी प्राईवेट लिमिटेट का नाम म्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं गौरी बिदनूर चिट फण्ड्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बगलूर, दिनांक 4 मई 1981

सं० 1667/560/81-82—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि गौरी बिदनूर चिट फन्ड्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी कृक्षिनियम, 1956 एवं प्रकाश पाली एक्सट्रूशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलूर, दिनांक 4 मई 1981

सं० 2147/560/81-82—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतब्द्वारा सूचना दी जाती है कि प्रकाश पाली चकसठूसन प्राईवेट लिमिटेड का नाम भाज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 एवं पोदार शक्ति पाली स्टील लिमिटेंड के विषय में ।

बंगलूर, दिनांक 4 मई 1981

सं० 2596/560/81-82—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पोदार शक्ति पाली स्टील लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।
2--86GI/81

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 एवं रूबीरायल रबर्स लिमिटेड के विषय में।

बंगलूर, दिनांक 4 मई 1981

सं० 2791/560/81-82—कम्पनी श्रिघिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतब्द्वारा सूचना थी जाती है कि रूबी रायल रबर्स लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 एवं जय नीडल बेयरिंग कार्पोरेशन प्राईवेट लिभिटेड के विषय में ।

बंगलूर, दिनांक 4 मई 1981

सं० 3365/560/81-82—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनसरण में एतद्धारा मूचना दी जाती है कि जाय नीडल बेयरिंग कारपेरिशन प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> पी० टी० गजवानी कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं ई० ली० लिली एन्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 5 मई 1981

सं० 610/7831/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनसरण में एतव्द्वारा यह सूजना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर ई० ली० लिली एन्ड कंपनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशत न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 एवं जमग्रेद वाच्छा प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 5 मई 1981

सं० 618/4627/560(3)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ध्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जममेद वाच्छा प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिविनियम, 1956 एवं एस० एन० के० ट्रेडसँ प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 5 मई 1981

सं० 619/19349/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एस० एन० के० ट्रेडर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं भ्रलिट् रिसर्च लैंबोरेटरी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 5 मई 1981

सं० 620/19454/560 (3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर श्रलिद् रिसर्च लेंबोरेट्री प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

श्रोम प्रकाश जैन कम्पनियों का श्रतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र, अम्बई

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 श्रौर घई रोडवेज एण्ड फाईनान्शियर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 5 मई 1981

सं० जी०/स्टेट०/560/2646—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के सनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर धई रोडवेज एण्ड फाईनान्शियर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण विशित्त स किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएंगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएंगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर विशाल फर्टिलाईजर्स एण्ड कैमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में। जालंधर, दिनांक 5 मई 1981

सं० जी०/स्टेट/560/2725— कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि विशाल फर्टिलाईजर्स एण्ड कैमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर पैराडाईज इलेक्ट्रोनिक्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 5 मई 1981

सं० जी०/स्टेट०/560/2759—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ध्रनुसरण में एतदृद्वारा सूचना दी जाती है कि पैराडाईज इलैक्ट्रानिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर मोना फाईनेन्स एण्ड चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 5 मई 1981

सं० जी०/11/स्टेट०/560/2801—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मोना फाईनेन्स एण्ड चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृल कारण दिश्वत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विश्वटित कर दी जाएगी।

एन० एन० मौलिक कम्पनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ

भाय-कर भपील भ्रधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 5 मई 1981

सं० एफ० 48-ए० डी०(ए० टी०)/81---1. श्री एम० के० दलवी, भ्रायकर भ्रपील श्रधिकरण के श्रध्यक्ष के वैयक्तिक सहायक, जिन्हें तदर्थ श्राधार पर, ग्रस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर म्रायकर भ्रपील अधिकरण, पुणे न्यायपीठ, पुणे में दिनांक 2 फरवरी, 1981 (पूर्वाह्न) से तीन महीने की अवधि तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया या था, देखिए इस कार्यालय के दिनांक 25 फरवरी, 1981 की ग्रधिसूचना क्रमांक एफ० 48-ए० डी०(ए० टी०)/81, को श्रब श्रायकर अपील श्रधि-करण, पुणे न्यायपीठ, पुणे में तदर्थ श्राधार पर श्रस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 2-5-1981 से तीन महीने की अवधि तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति संघ लोक सेवा ग्रायोग द्वारा नहीं की जाती, जो भी शीझतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ भ्राधार पर है और यह श्री एम० के० दलवी को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी श्रौर उनके द्वारा तदर्थ श्राधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के श्रभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जाएंगी श्रौर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किए जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

2. श्री श्रार० के० घोप, सहायक ग्रधीक्षक, श्रायकर अपील श्रधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई जिन्हें तदर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर श्रायकर अपील श्रधिकरण, अहमदाबाद न्यायपीठ, अहमदाबाद में दिनांक 6 फरवरी, 1981 (पूर्वाह्न) से तीन महीने की अबधि तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, देखिए इस कार्यालय के दिनांक 25 फरवरी, 1981 की श्रिक्षसूचना क्रमांक एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/81 को श्रव आयकर अपील श्रधिकरण, श्रहमदाबाद न्यायपीठ,

श्रहमदाबाद में तदर्थ श्राधार पर श्रस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर 6 मई, 1981 से तीन महीने की श्रवधि तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा नहीं की जाती, जो भी शीध्रतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की श्रन्मति दी जाती है।

उपर्यक्त नियुक्ति तदर्थ ग्राधार पर है श्रीर यह श्री ग्रार० के० घोष को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी ग्रीर उनके द्वारा तदर्थ ग्राधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के श्रिभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जाएगी श्रीर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पान्नता ही प्रदान करेगी।

> टी० ही० शुग्ला श्रध्यक्ष

प्ररूप माई• टी• एन• एस •---

कायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 ऋप्रैल, 1982

सं० ग्रार० ये० सी० नं० 1/81-82:—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन

शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका गित बाजार मृत्य 25,000/- क्यये से प्रधिक है, श्रौर जिसकी सं० डोर नं० 6/151 है, जो सिमसरा गूडेम निडादावोलु में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, निडादावोलु में भारतीय रजिस्ट्रीकर्रा श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत प्रकत प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिय; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आह्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री धूलिपाला वेंकाटा सूरया नारायणा मूरती, पिता वेंकटा रामा जोगेसवारा राव, मद्दूर, कोव्वूरु तालूख, वेस्ट गोदावरी जिला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मादावा इंडस्ट्रीस, निडादावोलु-534301 । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों ५२ सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रपब्बीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 6/137 सामिसरागूडेम, निडादाबोलु जैसे कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 2006/80 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी निडादाबोलु में है।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीखा: 6-4-1981

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाव

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1981

सं० श्रार० ये० सी० ए० 2/81-2:—-यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० डोर नं० 355 हैं, जो राजा का कोटा नरासाराय पेटा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नरासाराय पेटा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिनत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भग्तरितियों) के बीच ऐसे भग्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल का निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अग्तरण लिखित में वास्तिक रूप ये किया नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत पक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना भाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उनतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-च की एपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वातः— (1) श्री राजा मालराजु विजाया कृष्णा गं श्री वेंकटा रामाकृष्णता कोंडाला राव, श्री प्रसांत, मैनर रिप्रेजेंटेड व पिता श्री ग्रार० एम० वि० के० गुंडु राव बहादूर (नं० 1) नरासाराव पेटा, गुंटूर जिला।

(भ्रन्तरक)

(2) डाक्टर के० सिवा प्रसादा राव, पिता संजीवाय्या वार्ड नं० 2, नरासाराव पैटा, गुंटूर जिला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामोज ने 30 दिन को अवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उकत प्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्र**नुसुनी**

घर नं० 355, राजा कोटा नरासाराव पूटा जैसे कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 3750/80 श्रौर इसकी रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नरासाराव पेटा में है ।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

नारीख: 6-4-1981

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन• एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 श्रप्रेल, 1981

निदेश सं० म्रार० ये० सी० नं० 3/82-82:—यतः मुझे, एस० गोनिन्द राजन,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० डोर नं० 355/ऐ० डि०/1 ऐ०है, जो राजा का कोटा नारासाराव पेटा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नरासाराव पेटा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1980

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण [लिसत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उसत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बीट्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् १--

(1) श्री राजा मालराज्ञु विजय कृष्णा गुंडु राव, बहादुर 2. श्री बेंकटा रामा कृष्णा कोंडल राव श्रीर 3. प्रशांत मैनर पिता श्री विजय कृष्णा गुंडुराव (मीरियल नं० 1) नरासाराव पेटा, गुंटूर जिला।

(ग्रन्तरक)

(2) डाक्टर एम वेंकटेस्वारा राव, पिता, सांबय्या श्रौर (2) श्रीमती एम०उमा देवी, पती श्री एम०वेंकटेस्वारा राव, नरासाराव पेटा, गुंटूर जिला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोपु:--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है [1]

प्रमुषी

घर नं० 355-ऐ० डि०/1 ऐ०, राजा का कोटा, नरासाराव पेटा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 942/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी नरासाराव पेटा में है।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त, (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 8-4-1981.

प्ररूप आई• टी• एन• इस•----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के घषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 6 श्रप्रैल, 1981

निवेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 4/81-82:—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के घिषीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सेंट टि० एस० नं० 677 है, जो 6 वार्ड, 18 लाक धोंगोल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रक्तूबर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रिकल के लिए धन्तरित को गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से धिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिशी (अम्तरितियों) के बोच ऐन श्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत धन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ध्रीधिनियम के घ्रधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व ग्रन्थरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (11) के बुधीन निम्नुजिल्ला व्यक्तियों, अर्थात् ६—

- (1) श्री तुम्माला वेंकय्या, पिता, वीराव्या, संतापेटा, वोंगोल, 2. श्री सिगिरि पराय्या, पिता, पेददा वेंकाय्या। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कोटा प्रभाकरा राव, येडापटेड सन ग्राफ श्री जालय्या, लायेर पेटा, वोंगोल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोश्व सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

एक्त सम्पत्ति के पर्वंत के संबंध में कोई भी पार्खेंप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की वारी करें 45 विन की भवांच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवांच, जो भी भवांच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा घष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पवडी वरणा --- इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उक्त पछि-नियम के प्रदयाय 20-क में परिमाखित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्सूची

जमीन जैसे की विस्तीर्ण 1035 चतुर गज, 6 वार्ड, 16 ब्लाक, टि॰ एस॰ नं॰ 677, वोंगोल टैन जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 3505 ग्रीर 3506/1980, ग्रीर दिसकी रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी वोंगोल में है।

एस० गोविन्द राजन, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 6-4-1981

प्ररुप भाई • ही • एन • एस •---

आयकर घांत्रनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-म (1) के घांत्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयंकर आयुक्त (नि<u>र</u>क्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अप्रैल 1981

निदेश सं० ये० सी० नं० 5/81/82-काकिनाडा स्वयाड— यत: मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्द्र प्रधिनियम' कहा गया है), को बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जमीन 1989/1 ए० है, जो सूरयाराव पेटा काकिनाडा में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख प्रगस्त, 1980

को पूथोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रिक्षिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से किश्यत नहीं किया गया है है--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

धतः यव, एक्त पश्चित्रियम की बारा 269-न के प्रमुखरूष में, में, उक्त पश्चितियम की घारा 269-म की स्वकाश (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— श्री येल्ला वेंकाटाचेलाम, पिता, लेट श्रच्चेय्या
 श्री येल्ला श्रच्चुता रामाय्या, पिता वेंकाटाचेलाम,
 श्री येल्ला रामा मूरती, पिता वेंकाटाचेलाम,
 श्री युल्ला कृष्णा राव, पिता वेंकाटाचेलाम,
 श्री येल्ला श्रीनिवासा राव, रिप्रेजेंटेड वै पिता श्री वै० वेंकाटाचेलाम, (एस० नं० 1) येल्लावारी स्ट्रीट काकिनाडा दि० जि० जिज्ला।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मूता गोपाला कृष्णा, ए पिता लेट वेंकाटेसवार्लु मेनेर्जिंग डैरकटर मानासा होटल्स, प्राईवेट लिमिटेड, काकिनाडा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के बर्जन के सिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीक से
 45 दिन की मनिष या तत्सम्बन्धी ग्यन्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 धनिष बान में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोकत
 स्थिनस्यों में से किसी स्थनित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य अमित द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण !--- इसमें प्रमुक्त कन्दों घौर पदों का, जो उक्त प्रसि-नियम के अहयाय 20-क में परिजाबित है, बही अर्थ होगा, जो उस प्रक्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन 10-01 येकर्स सूरयाराव पेटा, काकिनाडा सरवे नं० 1989/1 ऐ० भ्रौर 1989 जैसेकी रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6494/80 भ्रौर 9547/80, जैसेकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी काकिनाडा में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-4-1981

प्ररूप बाइ. टी. एत. एस.----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 ग्रप्रैल 1981

है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है

ग्रौर जिसकी संब्डोर नंव 6/5-17 है, जो 5 वार्ड सर्वाकामादंभा ग्रम्मावारि स्ट्रीट में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भ्रनाकापल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अगस्त, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-तियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य पास्तियों को जिन्हें भारतीय माय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसिखिए व्यक्तियों, वर्धाए डेंट- 3-86GI/81

(1) श्री नीजागिरिमादापा राव, पिता म्रप्पाला स्वामी, ग्रनाकापल्लि।

(मन्तरक)

(2) श्री नीलगिरी नूका राजु, पिता श्रप्पाला स्वामि श्रनाकापल्लि

(मन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हं

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्प्रत्ति में हितब∉ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगें∤।

स्वव्हीकरण ; --- इसमें प्रयुक्त शक्तों मोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याश 20-क में परिभाषित है, वही अयें होगा, जी छस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 6-5-17, 5 बाडं, सर्वाकामादीमा धम्मावारी स्ट्रीट, धनाकापिंत्ली, जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4707/80 धौर रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी धनाकापस्ली में है।

> ्एस० गोविन्द राजन, ्रसक्षम भिकारी, ्सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ्रीमर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-4-1981]

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 भ्रप्रैल 1981

निदेश सं० मार० ये० सी० नं० 8/81-82:—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन, भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख

इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से ग्रधिक है

ष्रौर जिसकी सं० ंहै, जो नरासाराय पेटा में स्थित है (धौर इससे उपायद धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता घ्राधिकारी के कार्यालय, नरासाराय पेटा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण घ्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्राधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिन्न नियम के भधीन कर वेने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) राजा मलराजु विजयकृष्णा गुंबाराव बहादुर, (2)
 - (2) राजा मलराजु वेंकटा रामाकृष्णा 🖁कोंडलाराध
 - (3) राजा मुलराजु प्रणान्तु, नरामाराव पेटा। (श्रन्तरक)
- (2) श्री मररी पेददाय्या, पिता गोपाला कृष्णय्या नरासाराव पेटा ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जेन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनन सैपति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उ₹त स्यावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिष्ट नियम, के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा जो उप घड़याय में दिया गया है।

अनुसूची

नरासाराव पेटा रजिस्ट्री घ्रष्टिकारी से पाक्षिक अंत 30-9-1980 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3805/80 में निगमित ग्रमुची संपत्ती।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-4-1981

प्रका आई० टो० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

्रोहतक, दिनांक 14 अप्रैल 1981

निदेश सं० करनाल/66/80-81:—-ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह शिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-स्पए से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० रिहायसी मकान नं० xii-157, घाटी घूस है तथा जो करनाल में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख भ्रगस्त, 1980

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है प्रीर मूझे यह विषवाय करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके पृथ्यमान प्रतिकान से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकान का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) प्रीर मन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उश्य से उक्त भन्तरण निखित में वाश्विक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से टुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बाबीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐमी निजा आप या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के क्षिए;

अत: बब, एक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सदण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की छपधारा (1) के अधीन, विम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री पदम प्रसाद जैन पुत्न, श्री दलीप सिंह निवासी करमाल बूट हाखस, जीं० टी० रोड़, करनाल। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती परकाशो देवी पत्नी श्री सुन्दर लाल, xii 157, घाटी पूस, करनाल। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

- 🥞 🎖 छक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषोप :—
 - (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस पूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 निखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति रिहायशी मकान नं० xii-157 घाटी घूस करनाल में स्थित है जिसका ग्रधिक निवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या 2826 दिनांक 20-8-80 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 14-4-1981.

प्रारूप कार्ष. टी. एन. एस्. ---

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आवकार वायुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 भ्रप्रैल 1981

निदेश सं० ग्रम्बाला/75/80--81:---- ग्रसः मुक्षे, गो० सि० गोपाल.

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्यात् 'उक्स अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० कोठी नं० 34, क्षे० 432 व० ग० है तथा जो माडल टाउन, अम्बाला शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

कतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मी, सक्त जिभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीम निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) ले॰ कर्नेल भूपेन्द्र सिंह सोबती पुत्र श्री जसवन्त सिंह कमरा नं॰ 27, रायल होटल, मेरठ शहर ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्रीमती सुशीला देवी टण्डन पत्नी श्री एम० एल ० टन्डन 2. श्री श्ररुण कमार टन्डन, (3) श्री रमेश कमार टन्डन, 4. श्री रिवन्द्र कमार टन्डन, 5. श्री राकेश कमार टन्डन, 6. श्री श्रविनाश कमार टन्डन सर्व पुतान श्री एम० एल० टन्डन निवासी—345, माडल टाजन, श्रम्बाला शहर

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कः में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

सम्पत्ति कोठी नं० 345, क्षेत्रफ़ल 432 व० ग० माडल टाउन, ग्रम्बाला महर में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय ग्रस्बाला में रजिस्ट्री संख्या 3042 दिनांक 25-9-80 पर विया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

मारीख 1444-81 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 अप्रैल, 1981

निदेश सं० नीलोखेड़ी/10/80-81:--यतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान नं० 54-बी, है तथा जो नीलोखेड़ी में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नीलोखेड़ी में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,

अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) डा॰ श्रीमती राज साभरवाल पत्नी श्री पी॰ सी॰ साभरवाल निवासी 54-एन, गोल तालाब क्षेत्र, नीलोखेड़ी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राज रतन जयसवाल पत्नी श्री एस० पी० जयसवाल मकना नं० 58, सेक्टर 11--ए, चन्डीगढ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिए हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुभूची

सम्पत्ति मकान नं० 54-बी, नीलोखेड़ी में स्थित है सथा जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नीलोखेड़ी में रजिस्ट्री संख्या 788 दिनांक 22-8-80 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रॅज, रीद्दतक ।

सारीख: 14-4-1981.

प्रकृष आई० टी • एन • एस •----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- च (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 धप्रैल, 1981

निदेश सं० जगाधरी/35/80-81:--यतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

भागकर भिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन मक्षम भाभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से भिष्ठक है

स्रौर जिसकी सं० मकान नं० सी-5/506 एम० सी०, नातकपुरा है तथा जो जगाधरी में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के स्रधीन, श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथा दूर्वौक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्च ध्रित्तात से अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तर्कों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धार्धिनयम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के सिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या घन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: प्रव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्री कुनवीर सिंह पुत्र श्री जोगिन्दर सिंह निवासी होन्गोली, जिला—जगाधरी ।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री सर्वजीत सिंह एवं मंजीत सिंह पुत्र श्री हर भजन सिंह निवासी—सूरा, जि०—कुरुक्षेत्र । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख, से 45 विन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, की भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य श्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों ग्रीर पदों का, को उक्त भिधिनयम, के भ्रष्टवाय 20-क में परिकाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस भ्रष्टवाय में दिया गया है।

थ्रन<u>ु</u>सूची े

सम्पत्ति मकान नं० सी०-5/506 एम० सी०, नानकपुरा जगाधरी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्री संख्या 3039 दिनांक ग्रगस्त, 1980 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सञ्जन प्राधिकारी, स**हायक घायकर घायुक्त** (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, रो**ह**तक ।

तारीख: 10-4-1981

३(**प्र**न्तरक)

प्ररूप माई० टी० एन०एस०--

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रिप्तीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण),

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० करनाल/53/80--81:---यतः मुझे, गो० सि० गोपाल.

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक श्रावासीय मकान है तथा जो करनाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 17) के श्रधीन, श्रगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर प्रन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य से उन्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बावत, उक्त ग्रिष्ध-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (बा) ऐसी किसी ब्याय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रज, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्चित व्यक्तियों, जर्थात्:--

- (1) 1. श्री मन मोहन कालरा पुत्र लख्यमन दास, करोल वान, नई दिल्ली, (2) श्री मदन मोहन कालरा पुत्र लख्यन दास, वारडन रोड, बम्बई । (3) श्रीमती मुग्ना चावला पत्नी हरीश चावला, एन० ग्राई० टी०, फरीदाबाद, (4) श्रीमती नीलम ग्ररीड़ा पत्नी श्रो एम० के० ग्ररीड़ा, बैंक कालोनी, रतलाम (उ० प्र०)।
- (2) श्री रमेश चन्द पुत्र श्री तारा चन्द दुकान नं० 3, जनता मण्डी, नावल्टी रोड, करनाल। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसर्में प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पर्दों का, जो उक्त ग्राधि-नियम, के ग्रध्याय 20क मं परिभाषित है, बही ग्रथं होना जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रन्मुची

सम्पत्ति मनान भावासीय करनाल में स्थित है जिसका श्रधिन विवरण रजिस्ट्रीकर्ती के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या 2667 दिनांक 4-8-80 पर दिया है।

> गो० मि० गोताल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रो**ह**तक ।

तारीख: 14-4-1981.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 श्रप्रैल, 1981

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 17 कनाल 8 मरले (8700 वं० ग०) है तथा जो कैथल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कैथल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त, 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्चित्रयम के ग्रिश्चीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर घिष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिषाने में स्विधा के लिए;

भ्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अर्थ अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) (1) सर्वेश्री पृथी, भर्या, चरतु, भल्ला सर्व पुल श्रो पुत्री पुत्र हरी राम, निवासी गांव-ककेहड़ी, त०—गुल्हा ।
 (2) श्रीमती मंगलो विश्ववा श्री मुल्णी पुल श्रो हरी राम मार्फन ऊपरलिखित, (3) सर्वे श्री मलखान, ग्ररजन सर्व पुत्र श्री फता पुत्र

श्रमरगढ्गामरी, कैथल।

श्राहरो राम स० श्रीमती रानी कौशल्या, चलती

पुत्री श्री फता पुत्र श्री हरी राम निवासी

(श्रन्तरक)

(2) 1. सर्वश्री चन्दू राम पुत्र राम चन्दर नि० गां—पेगा,
2. रावे कृष्ण पुत्र मूल चन्द नि० कैथल, 3. निहाल चन्द पुत्र भोला राम गां० श्रमरगढ़ गामरी, कैथल,
4. जोगिन्द्र सिंह पुत्र कृपाल सिंह डोंगरा गेट, कैथल,
5. मनन सिंह फौजी पुत्र लख्यमन सिंह,गांव सारधा,
6. दरवा सिंह भाई ऊपर लिखित, (7) रितया पुत्र मुन्णी राम गांव सारधा त० कैथल, (8. भगवत प्रसाद सिलेदार पुत्र देशराज, चांद कालोनी कैथल
9. लाला सिंह पुत्र बग्गाह सिंह नि० मौना त० सफीदों (जींद), 10. बाल मुकंद पुत्र साधु राम मकान नं० 108/ एम०, करनाल रोड, कैथल,
11. विपन प्रकाण पुत्र राजिन्द्र प्रसाद नि० करनाल,
12. लक्ष्में कुमार पुत्र राजेन्द्र प्रसाद नि० करनाल।
(श्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के ग्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्न में प्रकाशन जो तारीखा से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इनमें प्रयुक्त प्रव्दों ग्रोर पदों का, जी उक्त ग्रिविनयम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होना, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

सम्पत्ति भूमि 17 कनाल 8 मरले कैयल में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय कैयब में रजिस्ट्री संख्या 2277 दिनांक 27-8-80 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी,

सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक ।

तारीख : 14-4-1981.

माहर:

प्रकप माई० टी॰ एन० एस॰---

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 ग्राप्रैल, 1981

निदेश सं० सोनीपत/18/80-81:—ग्रतः, मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- इपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 12, मुन्सीपल कालोनी है तथा जो सोनीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रक्रिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिरव में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के निए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त धर्षिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों. अर्थात् :-- (1) श्री श्रोम प्रकाश पुत्र श्री हुकम चन्द मकान नं०-416, सुदामा नगर, सोनीपत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कान्ता देवी पत्नी श्री कश्मीरी लाल, मकान नं 12, मुन्सीपल कालोनी, सोनीपत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी पाछीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

सम्पति , मकान नं० 12, मुन्सीपल कालोनी , सोनीपत में स्थित है जिसका भ्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्री संख्या 2158 दिनांक 4-9-80 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, रोह्नुतक।

तारीख : 14-4-1981

मोहर :

4-86GI/81

प्ररूप आहू⁵. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 ग्रप्रैल, 1981

निदेश सं० जगाघरी/49/80-81:—म्प्रतः, मुझे, गो० सि० गोपाल.

कायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 125—बी० एल०, माडल टाउन, है तथा जो यमुना नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबश्च श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीखा सितम्बर, 1980

का प्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे स्वयमान प्रतिकाल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती जगजीत कौर विधवा श्री हरबंस राज सिंह कोठी नं० 510, सैंक्टर 15ए, चन्डीगढ़।
- (2) श्रीमती कृष्णा कुमारी चन्ना पत्नी श्री बलराम च^{त्ना}, निवासी 125 बी॰ एल॰, माष्ठल टाउन, यमुना नगर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारी इसे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसची

सम्पत्ति मकान नं 125 बी एल , माडल टाउन, यमुनानगर में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्री संख्या 3420 दिनांक 12-9-80 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, वण्डीगढ़

तारीख: 14-4-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जम रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 मप्रैल, 1981

निदेश सं० रोहतक/36/80-81:—श्रतः मुझ, गो० सि० गोपाल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 512-ए, बी०-4, रेलवे रोड़, है तथा जो रोहतक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16), के ग्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, एसे एरयमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उबुदिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थातः—

- (1) श्री ऋषि प्रकाश पुत्न श्री खेम लाल मार्फत शिखर चन्द दुली चन्द, झज्जर रोड़, रोहतक। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शकुन्तला देवी बन्सल पत्नी श्री मदन लाल बन्सल मार्फत शाम लाल बन्सल मेहता बिल्डिंग, रेलवे रोड़, रोहतक ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा मकंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

प्रनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 512 ए, बी०-IV (नया नं० 540/ डब्थ्यू०-17) रेलवे रोड़, रोहतक में है जिसका श्रीधक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 3184 दिनांक 17-10-80 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ।

तारीख: 6-4-81

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योलय, सहायक ब्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, रोहतक फ क्रिकंट ८ स्मील 10

रोहतक, दिनांक 6 भ्राप्रैल, 1981

निवेश सं० गुड़गांव/39/80-81:----ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- उ० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 2619, रतन गार्डन है तथा जो गुड़गांव छावनी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16), के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छद्व प्रतिमत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (मा) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिवनियम, या वन-कर धिवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रता अवः उनत अधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुक्तरण में, मैं उनत अधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री मोहन लाल, राम चन्दर पुत्र श्री चिमन लाल, मंग्री हिसार।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भगवान दास पुछ श्री तोता राम, रतन गार्डन, नुड़गांव छावनी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचत सम्पति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हैं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशनकी तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 26/9 रतन गार्डन, गुड़गांव छावनी में है जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 3738, दिनांक 20-10-80 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ।

तारीख: 6-4-1981.

प्रकृप आई० टी० एन० एस०---

भायकर भिव्यतियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भिर्धान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर घायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 श्रप्रैल 1981 निवेश सं० रोहतक/39/80–81:---श्रतः मुझ, गो० सि० ोपाल,

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 512-ए, बी-IV, भ्राठ मेर रेलवे रोहतक रोड़, है तथा जो रोहतक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भ्रक्तूबर, 1980

भी पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाः अतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री विलोक चन्द पुत्र खेम साल मार्फत रोहतक क्लाय मर्चेन्टस, विजय मार्कीट, रोहतक।
 - (म्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शकुन्तला बन्सल पत्नी मदन लाल बन्सल मार्फत शाम लाल बन्सल, महता बिल्डिंग, रेलवे रोड़, रोहतक।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की धविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हित- बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 512-ए, बी०-IV (नया नं० 540/ डब्स्यू०-17 रेलवे रोड़, रोहतक पर स्थित है जिसका मधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 3333 दिनांक 30-10-80 पर दिया है।

> गो० सि० गोपास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ।

तारीख: 6-4-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याखय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 14 श्रप्रल 1981

नेण सं व्यासम्मा १०१०० ०१: पानः गर्ने

निदेश सं० श्रम्बाला/42/80-81:—श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० मकान नं० 5, क्षेत्र 400 व० ग० है तथा जो कैलाश नगर, माडल टाउन, श्रम्बाला गहर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रम्बाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 की 11) या उक्त अधिनियम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ध्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्टीक्था के शिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों सुधीतः--

(1) श्री सुशील रतन चोपड़ा पुत्र श्री मुकन्दी लाल चोपड़ा, सेक्टर 22-ए, चन्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रेम चन्द शर्मा, कोठी नं० 5, कैलाश नगर, माडल टाऊन, ग्रम्बाला नगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृश्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्मन्ति में हित्बक्थ किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति कोठी नं० 5, क्षेत्र 400 व० ग० कैलाश नगर माडल टाउन भ्रम्बाला शहर में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय भ्रम्बाला में रिजस्ट्री संख्या 2439 विनांक 13-9-80 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख: 14-4-1981.

भोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, अयपुर

जयपुर, दिनांक 18 म्रप्रैल 1981

सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/921:---यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 71 है तथा श्री गंगानगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावश्च भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 30-8-1980

का पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के दरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिकल से, एसे दरयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिकक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमित मोतिया देशी बेवा श्री काल् राम व तिलक-राज, मनमोहन लाल प्रेम प्रकाश पुतान श्री कालाराम निवासी 4 एम० ब्लाक, श्री गंगानगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार पुत्र श्री विशम्भरदयाल ग्रग्नवाल, निवासी श्री गंगानगर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविद है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अन्स्ची

सुकान नं० 71 वाके गौलक्षाजार, कोतवाली रोड़, श्री गंगानगर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 30-8-80 पर पंजिबद्ध विकय पक्ष में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपूर

ता**रीख**: 18-4-81.

प्रूरप आई. टी. एन. एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 घर्पेल 1981

संख्या राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/922:--यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्पीर जिसकी सं० दुकान नं० 71 है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है, (धीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्री गंगानगर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण चिक्ति में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती मोतिया देवी बेवा श्री कालाराम व तिलक राज, मनमोहन लाल प्रेम प्रकाश पिता कालाराम साकिन 4 एम० ब्लाक श्री गंगानगर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नरेश चन्द ग्रग्नवाल पुक्ष विशम्भरदयाल जाति ग्रग्नवाल निवासी श्री गंगानगर ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

दुकान नं० 671 वाके गोल बाजार कोतवाली रोड़, श्री गंगानगर का एक बटा चार हिस्सा जो उप पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा ऋम संख्या 1901 विनांक 17-9-80 पर पंजिबद्ध विकय पद्म में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों अर्थात् :--

तारीख: 18-4-81

भारत सरकार

कार्यावय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 स्रप्रैल, 1981

प्रायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधितियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

भौर जिसकी मं० प्लाट 34 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भौर इसमे उपाबद्ध अनुभूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण भ्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-12-1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और प्रन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के शिय; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन निम्निलिखिस व्यक्तियों अधितः-5---86GI/81

(1) श्री चर्तृभुज मारवाल पुत्र श्री भूरामल जी मारवाल मुख्तार ग्राम श्री किरीट भाई पारीक निवासी भगन वाटिका, जयपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रह्मस्वरूप गर्मा पुत्र श्री हनुमान प्रसाद जी गर्मा निवासी ई०-95, सुभाष मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भो अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (आ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन क भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधितियम', के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में विमा गया है।

अनुभूषी

ग्राम मुदर्शनपुरा में भगत वाटिका में सिविल लाईन्स, ग्रजमेर रोड़, जयपुर का प्लाट नं० 34 जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 3186 दिनांक 20-12-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चीहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रा<mark>यकर प्राय</mark>ुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीख: 8-4-81.

प्रकल गार्ड टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269 व (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 8 धरील 1981

सं० राज०/सहा० था० श्रर्जन/913:——श्रत: मुझे, एम० एल**० चीहा**न,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मूल्य 25,000/- क्यमें से अधिक है और जिसकी संव प्लाट नंव 34 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 नवस्वर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की वई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित जाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम्रह प्रतिवात से प्रक्रिक है और धन्तरक (मन्तरकों) और धन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरक सिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के मधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या किया जाना नाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अविकियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, प्रकत अविकियम की धारा 369-थ की उपधारा (1) के बाबीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत् — (1) श्री चतुर्गुज मारवाल पुत्र श्री भूरामल मारवाल निवासी भगत वाटिका बहैसियत मुख्तार श्राम किरीट भाई पारीक पुत्र हीरा भाई पारीक निवासी रामगंज मंडी, कोटा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रमा देवी पत्नि किणनगोपालजी णर्मा निवासी जे०-37 कृष्णा मार्ग, सी०-स्कीम, जयपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लि कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यक्ति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षिय:---

- (क) इप मूवरा के राजरवं में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामीज से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
 - (ख) इस सूवना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मव्दोक्तरगः — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया हैं।

भनुसूची

प्ताट नं० सी०-15, भगत वाटिका सिविल लाईन्स, जयपुर जो उपपंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 3033 दिनांक 15-11-80 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रुप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, यक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर खायुक्त (निरीक्षण), द्यर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 8-4-1981

प्रकप भाई • टी • एन • एस •----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 श्रप्रैल 1981

सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/917:---यतः मुझे, एम० एल० चीहान,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उजिस बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

न्नीर जिसकी सं० प्लाट नं० 8 है तथा जो जयपुर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21 श्रगस्त, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाप फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में कास्तविक कर में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिष्ठ-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;
 - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भ्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः धनः, उक्त धिवियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिवियम की घारा 269-व की उपधारा (1) बाद्यीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, ध्रथति:--- (1) श्री सत्यनारायण पुत्र श्री कन्ह्रैयालाल भुखमारिया सामोदः।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रभाती लाल पुत्र कालूराम, डीं०-81, जनता कालोनी, जयपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रष्टन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक क्र
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्ठोहस्ताकारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दो करण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ममृत्यी

प्ताट नं० 8, रवृताथ कालोनी, जयपुर जिसका क्षेत्रफल 600 वर्गमज है और जो उप गंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2068 दितांक 21-8-80 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, जयपुर ।

तारीख: 18-4-1981

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 श्रप्रैल 1981

सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/920:—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

भ्रायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इनमें इनके पश्चात् 'उका श्रिधितियम' कहा गया है), को धारा 269-व में भूगोन मधन सिधिकारी को यह विश्वाप करने का कारण १ कि स्थानः तम्मीत जिन्न कः उचित्र बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से श्रीधक है

श्रीर जिसकी सं० छिषि भूमि है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है, (श्रीर इससे उगाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रिजर्ट्र वरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4 श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त तथाति के उतित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रतिक है जार अन्तरिक (अन्तरिका) और पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छड़ेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐतो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, म्रब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त सिंधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री धर्म सिंह पुत्र श्री डेडराम जाति जाट निवासी चक 25 ई छोटी, श्री गंगानगर।

(ग्रन्तराः)

(2) श्री रामिकणन पुत्र इन्दर सिंह जाट निवासी चवः 25 ई, छोटी, श्रीगंगानगर।

(म्रन्तरिती)

को पड़ स्वता जारी करके पूर्वोक्त प्रस्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उनत समाति क प्रकी के उम्बन्ध में काई भी प्राक्षित: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वड्डोकरण: --इनमें प्रयुक्त जब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि -नियन के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगः, नी उन प्रक्राय में दिया गया है।

अनुसूची

चक 25 ई छोटी मु० नं० 67 स्राराजी 7 बीघा 10 बिस्वा जो उप पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा कम संख्या 1670 दिनांक 4-8-80 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में स्रार विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीख: 18-4-81

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजनरेज, जयपूर

जगपुर, दिनांक 7 अप्रैल 1981

आदेश सं० राज०/महा० श्रा० श्रर्जन/११ डः-—श्रतः सुझे, एम० एल० चौहान,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्वात 'उक्त पत्रिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निष्टास करने का कारण है कि स्थावर मन्मति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 35 है नथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिज्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 6 जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरितो (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तब पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित सद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत एक्त भ्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

प्रतः, प्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्राचीत:—

- (1) श्री कारती भाई पार्राङ करता एव० यू० एफ० रामगंज मंडी, कोटा, द्वारा मुख्तार श्राम श्री चतुरमुज मारवाल, भगत बाटिका, जञ्जूर। (श्रन्तरक)
- (2) डा० सत्य स्वरूप पुत्र श्री अनुमान सहाय णर्मा, सुभाष मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह मूबना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्मति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इन सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्विध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इनमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

श्रनु**सूर्चा**

प्लाट नं० 35 भगत वाटिका, सिविल लाईन्स, सी०-स्कीम जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या III दिसांक 6-1-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 7-4-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 7 श्वप्रैल 1981 सं० राज०/सहा० श्रा० श्चर्जन/916:——ग्रतः मुझे,एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भिम है तथा जो रामगंजमंत्री में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कृप से विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रामगंजमंत्री में, रिजस्ट्री-, करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-8-80

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अभ्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उफ्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री भवानी सिंह पुत्र बापू सिंह राजपूत निवासी कुम्भकोट।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स ए० एस० श्राई० कम्पनी राजगंजमंडी, कोटा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगुसुची

19 बीघा 7 बिस्वा कृषि भूमि जो ग्राम कुम्भ कोट में स्थित है ग्रोर उन पंजियन, रामगंजमंडी द्वारा कम संख्या 80 दिनांक 17-8-80 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एन० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख: 7-4-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय', सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 श्रप्रेल 1981

सं० राज/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/923:—-यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुक्त से अधिक हुँ

भ्रौर जिसकी सं० भूखण्ड है तथा जो जयपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-12-80

को पूर्वा कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिक्षण के लिए अर्ट्यान को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन भिम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थीत् ६--- (1) श्री खेम चन्द बाल चन्द महादेवलाल भागचन्द व प्रकाशचन्द पुतान लालचन्द निवासीयान बदनपुरा, तहसील व जिला जयपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चन्द सैन पुत्र चन्दनमल जैन नियासी जै-128 फतेहटीबा, जयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, प्रे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बास बदनपुरा तहसील व जिला जयपुर गंगापोल दरवाजे के बाहर खसरा नं० 137 लगायत 142 का भाग यानी भूखण्ड जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 3211 दिनांक 26-12-80 में श्रौर बिस्तृत रूप में विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, मक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीख : 18-4-81

प्ररूप आहु . टी. एन. एए ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्वर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 18 श्रप्रैल 1981

सं० राज/महा०/भ्रा'० श्रर्जन/914:----श्रतः मझे, एम० एल**० चौ**हान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 34 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 27-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री चर्तुभुज मारवाल बहैसियत मुख्तार श्राम किरीट भाई पारीक निवासी सिविल लाईन्स, जयपुर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री चन्द्र भेखर भर्मा पुत्र श्री हन्, मान प्रसाद भर्मा प्लाट नं० ई०-95, मुभाषमार्ग, सी-स्कीम, जयपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवा**हियां करता ह**ूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध् में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्णीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 34 ए भगत बाटिका, सिबिल लाईन्स, मुदर्शनपुरा, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 3219 दिनांक 27-12-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पक्ष में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीख: 18-4-1981

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 अप्रैल 1981

सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/928:---यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० गोदाम है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6 श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्पमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से क्रुड्रं किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यिक्तयों अधीत् :-- 6—86 GI/81

(1) श्री चन्दा लाल पुत्र केसरलाल जैन निवासी केसर भवन, स्टेशन रोड़, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स सैल्स एण्ड ट्रान्सपोर्ट कारपोरेशन द्वारा श्री निरमल कुमार सोमानी, 8 बी० ग्रलीपुर रोड़, कलकत्ता-27.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

अनुसूची

मण्डावा हाउस, संसारचन्द रोड़, जयपुर पर स्थित गोदाम जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1751 दिनांक 6 श्रगस्त, 1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीख: 28 ग्रप्रैल, 1981

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस . ------

बायकर अि्धनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 श्रप्रैल 1981

सं० राज०/सिहा० आ० प्रर्जन/927:—यतः मक्षे, एम० एल० चौहान,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० गोदाम है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12 ग्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक ख्र्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्ः-- (1) श्री फूलचन्द पुत्न केसरमल जैन, केसर भवन, स्टेशन रोड़, जयपुर।

(श्रन्सरक)

(2) मैंसर्स सैल्स एण्ड ट्रासपोर्ट कारपोरेशन द्वारा श्री निरमल कुमार सोमानी, (पार्टनर) 8 बी० श्रलीपुर रोड़, कलकत्ता-267 •

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा है
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्योकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

मण्डावा हाउस, सन्सारचन्द रोड़, जयपुर पर स्थित गोदाम जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1790 दिनांक 12-8-80 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में और विस्तृत रूप से विवर णित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीख: 28 श्रप्रैल, 1981

प्ररूप आई० टी• एन० एस•--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 अप्रैल 1981

निर्देण सं० सि० श्रार०--62/27866/80--81/ए० सी० एक्यू०/बी०:---यतः मुझे, श्रार० थोथात्री,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी जगह सं०-256 है तथा जो विन्नमंगला लेग्नौट, एच० ए० एल० II, स्टेज इंदिरानगर, बंगलर-38, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 26-8-1980

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, गिम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः---

- (1) ले.। कमांडर-ई. मित्रा श्री ई०ई० मित्रा के पुत सं० 50, हेपबर्न वे, बिलया, डब्लू० ए०-6061 में रहते हैं, धौर रेप्रेजेन्ट करते हैं उनके पी० ए० होल्डर श्री डब्लू० एस० मारलेय, सं०-14, रेस्ट हौस, किसेंट, सिविल स्टेशन, बंगलूर-1।
- (2) 1. डा० बी० सरस्थती सं० 98, जलान मिदाह बेसर, तमन मिदाह चेरास रोड़, कुन्नालालंपूर, वेस्ट मलेशिया, रेप्रेजेन्ट करते हैं इनके पी० ए० होस्डर, श्री बी० बदादी डिसीजा, ग्रीर राधाकृष्णन दूसरी महडी, कथाथोलिक सेंटर इमारतें, सं० 64, ग्रामें नियन स्ट्रीट, मद्रास 600001 । (2) डा० टी० के० नटराजन, सं० 29, टेंपल श्रवेन्यू०, श्रीनगर, मद्रास 15 । (अंतरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उनता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

(दस्तावेज सं० 1876 80-81, ता० 26-8-1980) सम्यत्ति जिसका जगह सं०-256 है तथा जो बिन्नमंगला लेग्रीट, एच० ए० एल० II, स्टेज, इंदिरानगर, बंगलूर-38 में स्थित है, मजरिंग 715.33 स्केयर मीटर्स।

चक्कबंदी है:--

पू⊸-में जगह सं०-280.

प---में 30/रोड़।

उ⊸-में जगह स०-255.

द⊸-में जगह सं०-257 ।

ग्रार० थोथाती; सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख : 24-4-1981.

मोहरः

प्रस्प आई:; टी. एन. एस् ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बगलर

बंगलर, दिनांक 25 भ्रप्रैल 1981

निर्देश स० सि० ग्रार०-62/28073/80-81/ए० सी० क्यू० वि:---यतः मुझे, श्रार० थोयात्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

प्रौर जिसको स० 5/2 (नया स० 15) है तथा जो, ऊपर शरीफ रोड़, बसवनगुड़ी, बगलूर-4 में स्थित है (प्रौर इर से उपाबद्ध प्रनुस्ची में प्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीमर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बसवनगुड़ी, बगलूर में रजिस्ट्रीमरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 26-8-1980

को प्योंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

असः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमसी डा॰ भारती पिल्लै, स॰-82, राज बसंता राय रोड़ पोस्ट श्राफीस राजवेहारी भ्रवेन्य॰, कलकत्ता-700029, रेप्रेजेन्ट करते हैं इनके पी॰ ए॰ होल्डर श्री एस॰ पी॰ सारथी, स॰-51, लावेल्लै रोड़, बगलूर-560001. (श्रन्तरक)
- (2) कुमारी गोथान्जली महादेवन, न० 74, हारिंगटन रोड़, चेतपुर, मद्रास-31, रेप्रेजेन्ट करते हैं इनके पी० ए० होल्डर श्री एम० महादेवन, सं०-74, हारिंगटन रोड़, मद्रास-31. (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2171/80→81, ता० 26-8-1980) मंपत्ति जिसका सं०-5/2, (नपा सं०-15) है, तथा जो ऊर्रिगरोफ रोड़, बनवनपुड़ी, बंगलूर-4 में स्थित है, मेजिरिंग 137. 95 स्केयर मीटर्स सब मिलके और इसमें इमारत भी है।

चकबन्दी हैं :--ज--में ऊमर शरीफ रोड़। द--में घर सं०-35, पू-में चर्चा रोड़। प--में कनकपुरा रोड़।

> ग्रार० थोथाझी, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 25-4-1981.

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस्. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याशय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 श्रप्रैल, 1981

निर्देश सं० सी श्रार 62/27904/80-81/एववी० वी:—-यत: मुझे, श्रार० थोथाती,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं नया सं 1, 2 पुरानी सं 47 श्रीर बाद में 1; ए० है, तथा जो पैप लेन "ए" कास, बेंगलूर—5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीयत्ती श्रीवकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बेंगलूर—3 में रिजस्ट्रीबरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 श्रगस्त,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उमत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग निम्नलिणित व्यक्तियों अर्थात्:——

(1) 1. श्रीमती सुशीलम्म सि० एस०, 2. श्री सि०एस० नागराजु, 3. श्री सि० एस० सत्यनारायण, 4. श्रीमती सि० एस० श्रीदेवी, 5. मास्टर सि० एन० राथवेन्द्र, सं० 2 के मैंनर बेंटे नव सब सं० 37, पिल्लप्पा गल्ली, नगरतपेट कास, बेंगलर सिटी में रहने वाले।

(श्रन्तरक)

(2) 1. श्री डी० जी० नागेन्द्रा सा, 2. श्रीमती ललीतम्मा सं० 1 की पभ्नी रहने वाले सं० डब्स्यू०→31, बसप्पा गार्डन, पैपलैन "सी" कास मलेसवरम, बेंगलूर सिटी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः-इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 1935/80-81, ता० 8-8-1981) घर संपत्ति हैं जिसका पुरानी सं० 47, बाद में ए : 1, श्रौर नया सं० 1 ; 2, पैंपलेन 'ए' कास, बेंगलूर सिटी।

चकबंधी है:--

उ० में—रोड़

द० में----डेनेज

पू० में-⊶श्री लिगप्पा के संपत्ती ।

प० में ---श्री मास्ती बीरन्ना के संपत्ति ।

ग्नार० थोषाती, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 27-4-81

प्रकप धाईं । टी । एन । एस । ----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268 प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 श्रप्रैस 1981

निर्देश सं० सि० ग्रार० 62/28334/80-81/ए० क्यू०/ बी०:---यतः मुझे, ग्रार० थोथाती, आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिन्नका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 18/1, है तथा जो हरिचन्स रोड़, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-10-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर ग्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक का से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रक्षि-नियम के बढ़ीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रिष्ठिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त भ्रिष्ठिनयम, या धन- कर भ्रिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए;

अतः, ग्रब, स्वतं ग्रिधिनियम की धारा 269-म के ग्रनुसरण में, में, स्वतं ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात्:—— (1) श्रो प्रश्वर्दे फान्सीत जेम्स एल्ड्रेड 2 श्रीमती मरियल श्रोदिस एल्ड्रेड, सं० ~31, डेबीस रोड़, रिचार्डस टाउन, बंगल्र।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० चन्द्रगेखर, सं०→14, प्रोमिनेड रोड़, बंगलूर। (अन्तरिती)

को यह मूजना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के विए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इय सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाद्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की वानील से 30 दिन की प्रविद्य, जो भी सर्वाद्य वाद में भमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारत:
- (क) इस प्रवान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिस के भीतर उका स्थावर मम्यान में हितबब किसी चम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्ववद्धीकरण: -- -इमर्ने प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त प्रधितियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहो प्रथे होगा, जो उस भड़्याय में विधा गप्रकी।

प्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 2493/80~81 ता. 24~10~1980) संपत्ती जिसका सं०~18/1 है तथा जो हटचिन्स रोड़, जिबिजन सं०~49, बंगलूर में स्थित है, मेर्जीरंग 608.20 स्केयर मीटर्स सैंट एरिया श्रीर इसमें 9.30 स्केयर मीटर्स इमारत है।

चकवंदी है :-
उ०--में प्राईवेट संपत्ती ।

द०--में प्राईवेट संपत्ति ।

पू०--में प्राईवेट संपत्ति ।

प०--में हटचित्स रोड़ ।

ग्रार० थोथाती, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जनरोंज, बंगलुर।

तारीख: 14-4-1981

प्रास्प बाई• टी• एम• एस•-----

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 म्रप्रैल, 1981

निर्वेश सं० सि० झार०-62/28719/80-81/ए० क्यू०/ बी०:--यतः मुझे, श्रार० थोथात्री, झायकर ग्रिधिनिथम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उत्रत अधिनियम' कड़ा गया है), की धारा 269-ख के आगेन मझम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका अवित जाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 36 है तथा जो डाकोस्टा स्केयर, सेंट मेरीस टाउन, बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, ता० 21-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए यन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (यम्बरकों) और यम्बरिती (अन्वरितियों) के बीच ऐसे यम्बरण के निए तथा पाया गया प्रविफल, निम्नलिकित इहेण्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- (अ) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त प्रधिनियम के चंडीन कर देने के धग्तरक के वायिस्य में कमी करने या जससे बचने में मुविधा के लिए और/मा;
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिश्चित्यम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में भृविधा के लिए;

धतः, अव, उक्त धिवियम की धारा 269-व के धमुतरण में, में, उक्त धिधिवियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के धिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री वी० वी० जान, सं०-27/4, दामोधर मुदलियार स्ट्रीट, श्रलसूर, बंगलूर-8।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री हीरा लाल, 2. रणजीत लाल, सं०-2, सी० गुल्ल, कार्मीचेचल रोड़, बंबई-26!

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

एकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों पें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितब के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितब के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण: इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2659/80-81, ता० 21-10-80) संपत्ति जिसका सं०-36, तथा जो डाकोस्टा स्कैयर, सेंट मेरीस टाउन, बंगक्षूर-5 में स्थित है, मेर्जिरंग सब मिलके 312.14 स्कैयर मीटर्स ।

चकबन्दी हैं:—

उ०—में प्राईवेट संपत्ति ।

द०—में प्राईवेट संपत्ति ।

पू०—में रोड़ ।

प०—में प्राईवेट संपत्ति ।

ग्रार० थोथाद्वी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख : 23-4-1981.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 23 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० सि० आर०-62/28871/80-81/ए०सि०क्यू०/ बी०:--यत: मुझे, ग्रार० थोषादी,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 32/1, है तथा जो II मैन रोड़, ब्लाक, VIII जयनगर, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध-श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-11-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण मे हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रम्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की भारा 269-थ के अनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) 1. श्री के० ए० लक्ष्मीनारायणन, 2. श्री के० एल० बेंकटाचलम दोनों 'प्रतीक्षा'', थोहेकाट लेन, पुन्न कुन्नुम, विचूर-2 के रहवासी है।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री एन०एस० मणी, दिवंगत, जी० नागरथमैयर, सं०-32/1, II मैन रोड़, ब्लाक, जयनगर, बंगलूर। (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में निक्ष जा सुकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - कं में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

संपत्ति जिसका सं० 32/1, तथा जो 11 मैन रोड़, VIII ब्लाक, जयनगर डिवीजन सं०-34, बंगलूर में स्थित है, मेजरिंग सब मिलके 502.00 स्केयर मीटर्स है।

चकबन्दी है:---

उ०--में प्राईवेट संपत्ति ।

द०--में प्राईवेट संपत्ति ।

पू०--में प्राईवेट संपत्ति ।

प०--में दूसरा मैन रोड़।

श्रार**० योथाद्वी** सक्षम <mark>प्राधिकरी</mark> सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारी**ख** : 23—4—1981

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस.----

पामकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 म्रप्रैल, 1981

निर्देश सं० नोटीस सं० 330 ए०/81-82:--यतः मुझे,

धार० घोषाती,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इममें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
भौर जिसकी सं० सिटी सर्वे चालता सं० 16 के पी० टी० शीट
है तथा जो सांता इनेज, पनजी शहर, तेलीगांव, इलहास तालूक—
गोवा सं० 112 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध-प्रनुसूची में और
पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय;
इलहास—गोवा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के ग्रधीन, तारीख 4-8-1980
को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उपत श्रष्टि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में. में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के के अभीन, निय्निस्हित व्यक्तियों, स्थित्:--7--- 86GI/81

(1) 1. राजाराम, दसाराम, वागले, 2. श्रीमती श्रानंदीबाई, राजाराम, वागले 3. दीनानाथ भंडारे, (4) श्री विनैका नारैना रतबोली, (5) श्री मंगवेश राजाराम बागले, सब पनजी शहर—गोवा के रहवासी है।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री ग्रब्दुल गफार, 2. श्री ग्रब्दुल बाहीद, 3. श्री ग्रब्दुल सत्तार, सब केयर श्राफ में वनराइ रियलेटर्स, सं०-210, गोविन्दा बिल्डिंग, पनजी—गोवा के रह-वासी हैं। (4) श्रीमती कुन्दा लक्ष्मीकान्त भंडारे, श्री एल० एस० भंडारे के पत्नी, ग्राकींटेक्टस ग्रौर एस्टेट डेवलपर्स, गीता बेकरी के नजवीक पनजी—गोवा के रहवासी हैं।

(भ्रन्तरिती)

(4) दि॰ गोवा श्रर्भन को॰ श्रापरेटिव बैंक लिमिटेड, मेनंजीस, श्रगेंजा रोड़, पनजी—गोवा।

(बहु व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षारी जानता है कि बहु सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

एकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा:
- (बा) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यध्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्ष-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है वही पर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तविष सं० 227/80-81, ता० 4-8-1980) खेती और बिनखेती संपत्ति जिसका नाम मास्कोन्डा है और जिसका सिटो सर्वे चालता सं०-1 से 6 के पी०टी० गीट सं०-112 के पनजी शहर तथा जो, सान्ता इनेज, तेलीगांव गांव के मधवर्ती इलहास सालूक—गोवा में स्थित है।

स्रार० थोथाती, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगसूर ।

सारीखा : 30-4-1981

प्ररूप आइ².टी.एन.एस.-----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च, 1981

निदेश सं० पी० झार० नं० 1339/श्रर्जन/23—1/80—81:— श्रतः मुझे, मांगीलाल,

शायकर शिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस० नं० 371-सव प्लाट नं० 39 टी० पी० एस० 25 एफ ०पी० 467 है तथा जो खोखरा मेहमदाबाद ग्रहमदा-बाद, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ग्रगस्त, 1980

को पूर्वितत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्क्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन मा जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा को लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन विकासित व्यक्तियों अर्थातः-- (1) श्री कांतिलाल गोरधन दास दोसी तथा अन्य, द्वारा पावर ग्रॉफ ग्रर्टानी होल्डर, श्री वाल मुकुन्द चुनीलाल दोसी, 8, बी० प्रभु-पार्क, सोसाइटी, म्यूजियम के नजदीक, पालडी, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) केतन क्रपार्टमेंट को० ग्राप० हा० सो०, मनियाशा सोसाइटी, मनी भाई के पर के नजदीक, खोखरा मेहमदाबाद, ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा मकोंगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

खोखराबाद, मिनयाणा सोसाइटी, मिनीभाई के घर के नजदीक, ग्रहमदाबाद में स्थित 800 वर्ग गज ग्रर्थात् 768.90 वर्ग मीटर क्षेत्रफल जमीन जिसका सर्वे नं० 371, सब प्लाट नं० 39, टी० पी० एस० 25, एफ० पी० नं० 467 है तथा जो अगस्त, 1980 में रिजस्ट्री ग्रिकारी हारा बाकायदा रिजस्ट्री नं० 10571 के तहत रिजस्ट्रीकृत है ग्रीर जिसमें उसे पूरी तरह संपत्ति के रूप में दिखाया गया है।

मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज--I, श्रह्मदाबाद

तारीख: 23-3-1981.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को घारा 269-च(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रह्मदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1981

निदेश मं० पी० ग्रार्01340/श्रर्जन/-1/80-81:--ग्रतः मझे, मांगीत्राल,

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिनका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्रीर जिस्ति मं नवंर 119-1 है तथा जो गांव गोला, स्रहमदा-बाद में स्थित है और इसमें छपाबद्ध-अनुसूचि में और पूर्ण से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, स्रहमदाबाद में रजिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 2-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल 1, उपके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिका से अधि ह है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिका तिमनितिश्रित उद्देश्य प उका प्रनुतरण निश्चित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन हर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ध्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 मा 11) या उस्त श्रिधिनयम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए;

अतः, श्रव, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपन्नारा (1) के अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तिमों, ग्रर्थात् :---

- (1) श्री जयन्ती लाल दाह्याभाई पटेल तथा श्रन्य, ग्राम सोला, जिला-ग्रहमदाबाद, श्रहमदाबाद ।
- (2) श्री रमण लाल परसोत्तम दास चौकसी, वंगला नं०→6, पूर्णीनन्द श्राश्रम, ईश्वर भवन के नजदीक, एच० एल० कोमर्स कालेज के नजदीक, ग्रहमदाबाद।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में तभाष्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किमी ग्रन्य अपित बारा ग्रधोहस्ताक्षरी के
 पास निखित में किए जा सकोंगे।

हराब्हीकरम:--इपने प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिश्चितियम के ग्राड्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उन्न ग्राह्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम सोला, जिला-प्रहमदाबाद में स्थित एस० नं० 119-1 की जमीन जिसका क्षेत्रफल 11 गुंठा है ग्रौर जो रजिस्ट्री ग्रिधिकारी, ग्रहमदाबाद द्वारा विकथ पत्न नं० 10971/2-8-1980 द्वारा बाकायदा रजिस्ट्री की गई थी जिसमें वह पूर्ण संपत्ति घोषित है।

मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–1, श्रहमदाबाद

तारीख: 23~3-1981.

प्ररूप धाई• टी॰ एत॰ इस॰---

भायकर यघिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के धधीन सुपना

भारत सरकार

कार्याजय, सञ्चायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

म्रह्मदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1981¹

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1341/म्रर्जन-23-1/80-81:--भ्रतः मुक्षे, भांगीलाल,

शामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रितियम' कहा गया है), की धारा 269-व के ब्रिजीन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वातर सम्मति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यम से ग्रीक है

मौर जिसकी सं० एस० नं० 118-2 मौर 124-1 है तथा जो गांव सोला, म्रहमदाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कामिल्य म्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, 2-8-1980 को

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ते, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बन्नने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

मतः भव, उक्त विधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रमीन, निम्निसिक्त क्यक्तियों, अर्थीतृ '—— (1) श्री केशा भाई सीमा भाई तथा घन्य, ग्राम सोला, जिला-श्रहमदाबाद, श्रहमदाबाद ।

(मन्तरक)

(2) श्री रमण लाल परसोत्तम दास चौकसी, बंगला नं० 6, पूर्णानंद ग्राश्रम के नजदीक, ईश्वर मवन के नजदीक, एच० एल० कॉमसी कालेज के नजदीक, ग्रहमदा-बाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्मति से भजन के सम्बन्ध में कोई मी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे।

स्वक्कोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रधि-तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो सस प्रध्याय में दिया गया है।

अन् सूची

ग्राम सोलापुर, जिला अहमदाबाद में स्थित जमीन जिसका एस० नं० 119-2 तथा क्षेत्रफल 1 एकड-0 गुंठा तथा 1 एकड-5 गुंठा है तथा जो रजिस्ट्री ग्रिधिकारी, अहमदाबाद द्वारा विकय पन्न सं० 10972 तथा 10973/2-8-80 के तहत बाजाप्ता रजिस्ट्रीकृत है जिसमें उनको पूर्ण रूप से संपत्ति के रूप में उल्लेख है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण), भर्जनरें अ-ग्रें शहमवाबाद।

तारीख: 23-3-1981

मोहरः

त्रकम नाद्दै . सी . एस् . पुस ्यान्यव्यवप्रधान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

धारत सुरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमसाबास

प्रहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1981

निदेश से० पी० घार० नं० 1342/घर्जन-23-1/80-81:-घतः मुझे, मांगी साल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० टी० पी० एस० 3, एफ० पी० 768-1-2 सब प्लाट नं० 7, है तथा जो परीमल रेलवे कांसिंग, एलिस ब्रिज, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-8-1980

कां पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रिष्ठिल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार भूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से मुद्दे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्निमिक्त व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री ठाकोर माई मनुमाई गाह, 36, संपतराय कास्रोनी, बड़ौदा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कांतिलाल नागर दास शाह, द्वारा जी० के० चौकसी एन्ड कुं०, 112, न्यू क्लॉथ मार्केट, श्रष्टमदाबाद।

(मन्तरिती)

क्ये मह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध, भो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

परिमल रेलवे कासिंग, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद में स्थित 800 वर्ग गज जमीन का 1/8 वां हिस्सा जिसकी कुरसी का क्षेत्रफल 74.33 वर्ग मीटर है और जो रजिस्ट्री अधिकारी, अहमदाबाद द्वारा वाकायदा विकय पत्न सं० 11134/20-8-80 द्वारा रजिस्ट्रीकृत है जिसमें यह पूरी तरह संपत्ति के रूप में उस्लिखित है।

> मांगी लाल, सक्तम प्राधिकारी, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद 1

तारीख: 23-3-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) $\frac{1}{2}$ प्रजन रेज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1981

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1343/श्रर्जन-23-1/80-81 श्रतः मुझे, मांगीलाल,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मंं टी० पी० एस० नं ० 22, एफ० पी० नं ० 364 ग्रीर 366 है नथा जो जासगा, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त पंपरित का उपनत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री नबी भाई घन्युल्ल भाई विगाडिया तथा घन्य, सुर्गेस, पोल, कालुपुर, श्रहमदाबाद-1 (श्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रमर ग्रपार्टमेंट को० ग्राप० हा० सो० लि०, द्वारा विनोद भाई शांतिलाल, जगभाई सेठ का पोल, ढाल का पोल, ग्रास्टोडिया, ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्युत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह[‡]।

धनुसूची

वासगा, नामदार होटल के पीछे, जिला— प्रहमदाबाद में स्थित जमीन जिसका टी० पी० एस० 22, एफ० पी० क्रमणः 366 तथा 364 तथा क्षेत्रफल 800 वर्ग गज और 382 वर्ग गन है ता जो रिजस्ट्री अधिकारी, अहमदाबाद द्वारा विक्रय पत्र सं० 10142 और 10141/अगस्त, 1980 के तहत बाकायदा रिजस्ट्री इत है जिसमें उसका पूरी तरह से मंपत्ति के रूप में उल्लेख है।

मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–I, श्रहमदाबाद

नारीख : 23~3-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1981

निदेश सं० पी० श्रार्० नं० 1344/श्रर्जन-23-1/80-81:-श्रतः मुझे, मांगी लाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस० नं० 855/2 हैं तथा जो वेजलपुर, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनमिय, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई िकसी आय की वाबत, उक्त श्रिधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्र<mark>धिनियम की धारा</mark> 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रधीत :-- (1) श्रीमती उग्रीबेन हाणीजी चेलाजी, ग्राम-मोहमद्द्पुरा, भकरबा, जिला-प्रहमदाबाद।

(ग्रन्तराः)

(2) श्री लक्ष्मण भाई नन्दलाल दलाल, मतालो श्रपार्टमेंट की वगल में, श्रतीरा के नजदीक, श्रद्रमदाकाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रष्ट होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

भनुसूची

वेजलपुर, जिला-श्रहमदाश्राद में स्थित जमीन जिसका एम० नं० 855/2 तथा क्षेत्रफल उए-33 गुं है तथा जो रजिस्ट्री प्रधिकारी द्वारा विक्रय पत्न सं० 11980/30-8-80 के तहत बाकायदा रजिस्ट्रीकृत है जिसमें उसका पूर्ण रूप से संपत्ति के रूप में उल्लेख है।

मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-^I, स्रहमदाबाद ।

तारीख: 23-3-1981,

प्ररूप आर्ड ० टी० एन० एस० -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, विनांक 23 मार्च 1981

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1345/श्रर्जन-23-1/80-81:---झत: मुझे, मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० एस० नं० 494, पैकी है तथा जो ग्राम वेजलपुर जिला-ग्रहमधाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 11-8-80

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्तें यह विद्वास करा का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविभा के लिए; बीट्र/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मृतिकृत व्यक्तियों, अधीन, निम्मृतिकृत व्यक्तियों, अधीन,

(1) श्री सोमजी मगन जी ठाकोर, सैनाथ सोसाइटी के नजदीक, वेजलपुर, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्सरक)

(2) 1. मधुर लक्ष्मी को० आप० हा० सो० लि०, द्वारा भ्रष्ट्यक्ष, श्री सानाभाई सी० राठौद, साबरमती, रामनगर, भ्रहमदाबाद।
2. श्री नवीन चंद्र शिवलाल जायसवाल, विभावरी सोसाइटी, सं-1, बंगला नं०-17, जिवराज पार्क, वेजलपुर रोड़, ग्रहमदाबाद।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्ष्री की पास लिखित में किए जा सकारी।

स्युक्टीकपुण्डः — इसमें प्रयुक्त ख्रुक्य और पर्यो का, जो ख्रुक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वृथे होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो है

बप्तुच

वेजलपुर; जिला श्रष्टमदाबाद में स्थित जमीन जिसका एस० नं० 494 तथा क्षेत्रफल 19416 है और जो रजिस्ट्री श्रधिकारी, अहमदाबाद द्वारा विकय पन्न सं० 11072/11/8/80 के तहत बाकायदा रजिस्ट्रीकृत है जिसमें उसका पूरी तहत से संपत्ति के रूप में उल्लेख है।

मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, भ्रष्टुमदाबाद ।

तारीख: 23-3-1981.

प्ररूप बाई • टी • एस • एस ० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की 289-व (1) के प्रचीत गूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-I, भ्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1346/प्रर्जेन-23-1/80-81:--स्रतः मझे, मांगीलाल,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उच्चित बाजार पृष्य 25,000/- क् से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० है तथा जो स्टेमन प्लाट, धोराजी में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा भ्रधिकारी के कार्यालय, धोराजी में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14 भ्रगस्त, 1980

की पूर्वाक्त सम्पति के छन्ति बाजार मूरूप से कम के दृश्यमान प्रतिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिक्षल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (प्रम्तरितमों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धम्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिबिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरण के दायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/यां}
- (छ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा या किया जाना चाहिए था छिपाने भें सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिष्ठितयम की घारा 269-घ की छपद्यारा (1) के भ्रिष्ठीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:--- (1) श्री बाई शिव कुंबर गोरधन दास, शाह चुत्तीलाल हंसराज की पट्टी, द्वारा पी० ए० होल्डर, विनोद चन्द चुन्नी लाल शाह, 17, ताराचंद स्ट्रीट, कलकत्ता।

(भ्रन्तरक)

(2) डा॰ रमणिक लाल करसन भाई ढलिया, भाकु भाजी पारा, धोराजी।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री रितलाल दाह्या भाई ढिलया, स्टेशल प्लॉट, धोराजी ।

> (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की धवधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रमुक्त सन्दों भीर पदों का, जी खक्त भश्चितियम के प्रध्याय 20का में परिभाषित हैं; वहीं भन्ने होगा, जो दल अध्याय में विया गय∷ते।

अनुसूची

स्टेशन प्लॉट घोराजी पर स्थित दुमंजिली इमारत जिसकी जमीन का क्षेत्रफल 420 वर्ग गज है श्रीर जिसका विक्रय पत सं० 646 तारीख 14-8-80 में पूरा उल्लेख किया गया है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज—^I, ग्रहमदाबाद ।

तारी**ख**: 23 मार्च, 1981.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

कायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के श्रिष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दूसरी मंजिल, हडलूम हाऊस, आश्रम रोड, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च, 1981

निदेश सं० पी०भ्रार० नं० 1347/भ्रजेन-23-1/80-81:---म्रतः मुझे, मांगीलाल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उकत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्रधिमारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है और जिसकी सं० एस० नं० 59, है तथा जो बागे फिरदौस, गांव ग्रमराईवाड़ी, जिला-श्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रमसूचित में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 7-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छितित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दर प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (पन्तरकों) भौर प्रवत्तिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रनर्र में तिए तम पाम ग्या प्रतिफन, निम्नलिखिन छहेग्य से छशा प्रभारमा विजित्त में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत प्रधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (छ) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रग्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर प्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उक्त ग्रीविनयम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रीविनयम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निक्नलिखित व्यक्तियों, ग्रावीत:--- (1) श्रीमती शारदावेन चिमनलाल श्रात्माराम, 1237, रणछोड़ के मंदिर के नजदीक, सरसपुर चार रास्ता, श्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रमी श्रखण्ड श्रानन्द को० श्राप० हा० मो० लि०, द्वारा श्री मंगलदास जुगलदास पटेल, लिलता कालोनी, भादुवत नगर के नजधीक, वटवा रोड़, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस पूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उसत श्रवि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में विया गया है।

अनुसूची

श्रमराईवाड़ी उर्फ बागे फिरदौस, जिला-श्रहमदाबाद में स्थित जमीन जिसका एस० नं० 59 तथा क्षेत्रफल 29503 वर्ग गत्र है श्रौर जो रिजस्ट्री श्रधि०, श्रहमदाबाद द्वारा विक्रय पत्न नं० 11106/7-8-80 के तहत बाकायदा रिजस्ट्रीकृत है जिसमें उसका पूरी तरह से संपत्ति के रूप में उल्लेख किया गया है।

मांगी लाल, ृसक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद ।

तारीख: 23-3-1981.

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-1, दूसरी मंजिल, हैंडलूम हाऊस, आश्रम रोंड, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च, 1981

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1348/प्रर्जन-23-1/80-81:--- श्रतः मुक्के, मांगीलाल,

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- कु से ग्रधिक है,

श्रौर जिसकी सं० एस० नं० 607 पैकी है सथा जो इसनपुर, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 1916) के श्रधीन, तारीख 2-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित को गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रस्तरण से हुई किसी अन्य की बाबत, उक्त श्रिष्ठिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मब, उन्त मिन्नियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के मुधीन निम्निजिखित व्यक्तियों, प्रधीत:——

(1) श्री भ्रष्टमव हुसैन जाफर हुसैन तथा भ्रन्य, ग्राम वटत्रा, जिला-श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री व्रजूश को० ग्राप० हा० सो० लि०, ग्रध्यक्ष, पी० ग्राई० पटेल, इसनपुर, द्वारा—रक्षा बिल्डर्स, 4थी मंजिल, ग्रार० बी० को० सं० दीनबाई टावर रोड़ के नजवीक, खानपुर, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्न स्थावर पनारों में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस शब्धाय में दिया गथा है।

अनुसूची

इसनपुर, जिला श्रहमदाबाद में स्थित नींव सहित जमीन जिसकी एस० नं० 607, पैकी तथा क्षेत्रफल 20145 व० मी० हैं श्रौर जो रिजस्ट्री श्रिष्ठकारी, श्रहमदाबाद द्वारा विकय पत्र सं० 11514/22-8-80 के तहत बकायदा रिजस्ट्रीकृत है जिसमें उसका पूरी तरह से संपत्ति के रूप में उल्लेख हैं।

मांगी **लास,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद ।

तारीख: 23-3-1981.

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 16 मार्च, 1981

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1096/मर्जन-23-2/80-81:---भ्रतः मृक्षे, मांगीलाय,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सरवे नं० 210/म्रा, तिका नं० 8 है तथा जो भाव -सारवाड़, चौकसी बाजार, निडयाद शहर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, निडयाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-8-80

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिश्वत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विभा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

- (1) श्री रावजी भाई भोलामाई देसाई स्वयं तथा
 - (1) हरिवदन रावजी भाई देसाई,
 - (2) स्रेश चन्द्र रावजी भाई देसाई,
 - (3) हैमन्त कुमार रावजी भाई देसाई की तरफ से,
- (2) गणसंत रावजी भाई देसाई, मणिनगर, श्रहमदाबाद ।

(म्रन्तरक)

- (2) श्री प्रकाश चन्द्र वाडीलाल शाह,
 - श्री मकेश चन्द्र वाडीलाल शाह, ग्राम्प्र कुंज सोसाइटी, मोटा महादेव रोड़, नडियाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्परिस के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद यों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कुर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अगुसूची

नदियाड शहर के भवसार वाड क्षेत्र में स्थित इमारत की भूमंजिल का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 210/ए टिका नं० 8 जो उप-रजिस्ट्रार, नदियाड के कार्यालय में 20/8-80 को रजिस्ट्रेशन नं० 4728 के रजिद्रीकृत हुआ जिसमें उसका पूरी तरह से संपत्ति के रूप में उल्लेख किया गया है।

मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजंन रेंज-1, महमदाबाद।

तारीख: 16-3-1981.

प्रकप धाई • टी • एन • एस • ---

वायकर अविनियम, 1961 1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

धारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्त आयुक्त (निर्धाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 मार्च, 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सम्भाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूश्य 25000/- ४० से अधिक है

गौर जिसकी सं० सर्वे नं० 124 है तथा जो फुलपदा, सूरत में स्थित है (गौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में गौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) मधीन, तारीख 1-8-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान भ्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य पसके दृश्यमान भ्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान भ्रतिफल का पत्द्रह भ्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया मतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत उक्त अधिनियम के धंधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उबके बचने वें सविधा के लिए; और/या
- ्ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या घन्य आस्तियों
 को जन्हें भारतीय धायकर ग्रीधिनयम, 1922
 (1922 का 11) या उनत ग्रीधिनयम,
 या धन-कर ग्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्ज अन्तरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

क्षतः प्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री ह्षंवलाल नाथालाल रावल, ग्राम फुलपदा, तालुका-श्रोरयासी, जिला---सुरत ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री भीमजी भाई कल्याण भाई पटेल,
 - श्री बाबुभाई बुढाभाई पटेल,
 द्वारा धर्मनगर को० श्राप० हा० सो० लि०,
 ग्रियनी कुमार, सूरत ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की सबिध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानी स से 30 दिन की सबिध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भांतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में बकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीद्वस्ताकारी के पास लिखिल में किए जा सकीं।

हाउद्योक्तरण: -- इन में प्रमुक्त गढ़िशे और पदों का, जा उक्त अधिनियम के प्रकाश 20-क में यथा-परिमाधित है, वही अर्थ होगा, चो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फुलपदा, सूरत में स्थित जमीन जिसका सर्वे नं.० 124 है श्रौर जो रजिस्ट्रेशन नं० 4624, 4631 तथा 4633 से 4637 के तहत सुरत में रजिस्ट्रीकृत है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद।

तारीख: 31-3-1981.

प्ररूप धाई• टी॰ एन॰ एस॰----

श्रायकर **प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,** 2**69-प (1) के प्रधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्यर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 31 मार्च, 1981

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1100/ग्रर्जन-23-11/80-81:-यतः मुझे, मांगी लाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' महा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 2572 पकी लेन्द है तथा जो भ्रहमदाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8-8-1980

को पूर्वाक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) घन्तरम से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन वा धन्य धारितकों को जिन्हें भारतीय धाय-कर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत बिवनियम, या अन-कर प्रवितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्वे धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया यया था था किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः। अव, उनतः यदिनियम की धारा 26 क्र-ग के यनुमरक म, में, उकतः अधिनियम की धारा 26 क्र-च की उपवारा (1) के अधीन, निब्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः--- (1) श्रीमती पुष्पाबेन रसिकलाल शाह, 9, चौपाटी रोड, बम्बई।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री बिपिन गणवतराय देसाई, ग्रध्यक्ष,
 - श्री बिपिन रितलाल पटेल, मंत्री, द्वारा चेटली को० ग्राप० हा० सो०, 301, सीता ग्रपार्टमेंट, नानपुरा, सुरत।

(भन्तरिती)

को यह सुचना जारो भरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाकोप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तानील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्पब्दी तरण !--इसमें अयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भवि-नियम, के अध्याय 20क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वसा है।

धनुसूची

सूरत दुनास रोड़, श्रढवा, पर स्थित वाकायदा रजिस्ट्रीकृत सी० एस० नं० 2579 की संपत्ति ।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–I, ग्रहमदाबाद ।

तारीख: 31-3-1981.

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1349/श्रर्जन-23-1/81-82:---यतः मुझे, मांगीलाल,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

ग्रोर जिसकी सं प्लॉंट नं 43 सर्वे नं 449, है तथा जो शिक्त कालोनी, स्ट्रीट नं 1ए, जी कार्यालय के पीछे राजकोट में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबक्ष ग्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम अरमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माय की वाबत, **छक्त** भीष्ठिनियम के भाषीन कर देने के भ्रग्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अव, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्लिख्त व्यक्तिस्त्रों, सुधीत ६-- (1) श्री जीवराम भाई नरभरम भाई पंड्या, श्रीमती इच्छाबेन नाभगंकर व्यास, का स्थायी लेखा धारक, बोदका, नालुका—जोडिया, जिला—जामनगर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वसन्त राज हेमराज भाई मोजपाल, णिक्त कालोनी, शेरी नं०-1, राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्वत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, शोभी श्रविध बाद में सनाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास तिख्यित में किए जा संकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का जो अक्त अधिनियम के भ्रष्ट्याय-20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

स्ट्रीट नं 1, णिक्त कालोनी, ए० जी० कार्यालय, राजकोट केपीछे स्थित 192-6-54 वर्गगज क्षेत्रफल की जमीन जिसका संवनं 0 449, पैकी प्लाट नं 0 43, सब प्लाट नं 0 1 है (पर बनी इमारत)

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुवन (निरीक्षण), स्रप्रेन रोजना, स्रहमदाबाद ।

ता**रीख: ४ म्रप्रैल, 198**1.

प्रारूप काह^{*}. टी. एन. एस. ----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-७ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 4 श्रश्रैल, 1981

निदेश मं०पी० म्रार्० नं० 1350/म्रर्जन-23-1/81-82:---यतः मुझे, मांगीलाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० महालक्ष्मी रोड पर स्थित इमरती संपत्ति है तथा जो महालक्ष्मी रोड, धोराजी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन् सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, धोराजी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 क 16) के श्रधीन, तारीख 20-8-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म¹, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री श्रमीचन्द कालिदास सेठ, महालक्ष्मी रोड, धोराजी।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री रमेण चन्द्र अजनाल वोरा, महालक्ष्मी रोड़, धोराजी।

(ग्रन्तरिती)

- (3) 1 लालजी खेताई नेमानी,
 - 2 बाई इंद्रमती एन०
 - 3. इब्राहिम इस्माइल.
 - 4. वालम् नाथाभाई दाह्याभाई.
 - 5. दारजी भिखालाल मानाजी तथा
 - 6. मोनी क्रजलाल जगजीवन।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (ह) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

महालक्ष्मी रोड, धोराजा पर स्थित तिमंजिल इमारत जिसकी जमीन का क्षेत्रफल 409 वर्ग गज है भीर जो रजिस्ट्री सं० 694 तारीख 16~4-80 में पूरी तरह संपत्ति के रूप में उल्लिखत है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), स्नर्जनरोज-I, **सहमदाबा**द

तारीख: 4-4-1981.

मोहरः

त्रस्य भार्दः, टी., एन्., एस्.,---

बायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-षु (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

काय्राल्य, सहायक शायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्राजनरोज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 2 श्राप्रैल, 1981

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 1351/ग्रर्जन 23:---ग्रत: मुझे, मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० प्लॉट नं० 125/5 श्रनवगढ़ रोड है तथा जो मस्जिद रोड, नवगढ़ जेसपुर पर स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जेतपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रिधीन, तारीख 20-8-80

को पूर्वाक्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिलखित में वास्तिक इस से कि भत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

जतः वतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत्ः--9-- 86GI/81 (1) श्री विक्रम लाल हीराजी भाई पटेल, पंचशील सोसाइटो, जेतपुर।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री वासुदेव मोतीराम, श्रवयस्क पोगेश कुमार वासुदेव का ग्रिमिभावक,
 - श्री दौलत राम मोतीराम, अवयस्क सुलसीराम दौलतराम का श्रिभभावक, 125/5, मस्जिद रोड, नवगढ़, जेतपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्यक्त स्थितस्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वव्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकांगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मस्जिद रोड, नवगढ़ जैतपुर स्थित 966.66 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट नं 125/5 पर स्थित जयनंद किशार टेक्स-टाइल पिटिंग नाम की संपत्ति जी 20-8-80 को विकय पत्न नं 694 के तहत बाकायदा रिजिट्टी कृत है जिसमें उसका संपत्ति के रूप में पूरी तरह उल्लेख है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-I, भ्रहमदाबाद

तारीख: 2-4-1981.

मोहरः

प्ररूप भाइ ि दी ु एन् ु एस् ,------

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्तः (निर्दाक्षण)

म्रर्जन रेंज, अमृतसर

धम्रेतसर, दिनांक 8 धप्रैल, 1981

निदेश सं० श्रम्तसर/81-82/7:—यतः मुझे, श्रामन्द सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक मकान है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वाँण त है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्टकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्टिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्राष्टीन, श्रगस्त, 1980

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्बह प्रतिज्ञत पश्चिक है और अन्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरल के लिए तय पाया गया प्रविक्तल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री सरदारी लाल पुत्र सुख दियाल वासी कोट करनैल सिंह, सुलतान सिंह विंड गेट, श्रम्तसर ।

(भन्तरक)

(2) श्री हरनाम कौर विधवा गोपाल सिंह वासी कटरा, मित सिंह श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 ध्रौर कोई किराऐदार। (वह व्यक्ति, जिसके ध्रिधिभोग में सम्यक्ति है)।

(4) श्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्ष है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृथ्विकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u>स्**ची**

1/2 हिस्सा मकना नं० 10600/16-40 (प्लाट नं० 13) कोट करनैल सिंह में जैसा कि सेल डीड नं० 1704/I दिनांक 29/8/80 रजिस्ट्री प्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह, सक्षम ग्रविकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जेन रेंज, 3--चन्द्रपुरी टेलर रोड़ ग्रमृतसर।

तारीखा : 8-4-1981.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

धमृतसर, दिनांक 8 भगेल, 1981

निवेश सं० श्रमृतसर/81-82/8:—यतः मृहो; श्रानन्द सिंह; श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उवत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक मकान है तथा जो ग्रमृतसर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद भनुसुषी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परव्रह् प्रनिशत ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उपत श्रीध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

धतः श्रव, उक्त धिधनियम, की धारा 269-ग के धनुसरक में, में, उक्त श्रिधनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) कु० सन्तोष कुमारी पुत्री धर्म देव वासी कोर्ट करनैल सिंह सुलतान विंड, रोड, श्रमृतसर।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती हरनाम कौर विधवा गोपाल सिंह बोसी कटरा मित सिंह अमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 ग्रीर कोई किराऐदार। (यह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रीरकोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबदा है)।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्थन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्येप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्य होगा, जो उस श्रद्धाय में विया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा मकान नं 0 10600/16-40 (प्लाट नं 0 13) कोट करनैल सिंह ग्रमूतसर में जैसा कि सेल डीड नं 0 1538/1 दिनांक 14-8-80 रजिस्ट्री ग्रधिकारी ग्रमूतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, सक्षम श्रिष्ठकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 8-4-1981.

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कावीलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 8 ग्रप्रैल, 1981

निवेश सं० अमृतसर/81-82/9:—-यते: मृह्में, झानन्द सिंह, झायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

भीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो भ्रमृतसर में स्थित है (भीर इससे उपाबद भ्रमुखी में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रगस्त, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से भ्रधिक है भीर भन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया ग्रा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्यरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिक्ष नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ज) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रियोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अबः, उक्त श्रिष्ठिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिष्ठिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:—

- (1) कु । प्रेम कुमारी पुत्री हरवंस लाल, वासी कोठी नं । 17, चौक रतन सिंह, मकबूल रोड, अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कमलेश कुमारी पहिन देव राज, देव राज पुत सालिंग राम, वासी बाजार केसरियां, मकान नं० 473, कूचा फकीरां, श्रमुतसर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० नं० 2 और कोई किराएदार। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभीग में सम्मत्ति है)।
- (4) श्रीरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पत्तों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

एक प्लाट नं० 47, खसरा नं० 2027 कृष्णा स्ववेयर, भ्रम्तसर में जैसा कि सेल डीड नं० 1643/[दिनांक 26-8-80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> श्चानन्व सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ।

तारीख : 8-4-1981.

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रम्तिसर

श्रम्तसर, विनांक 8 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० अमृतसर/81-82/10:— यतः मुझे, आनन्द सिंह, आयकर अधिनिवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं ० एक प्लाट है तथा जो श्रमतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरित से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अनुतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिक्धा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः-- (1) श्री जगदीश सिंह पुस्न ध्यान सिंह वासी कटड़ा मित्त सिंह हाल कोठी नं० 17, मकबूल रोड, (रतन सिंह रोड), ग्रमृतसर।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती सुलेख रानी पत्नी श्री एम० एस० जंबाल, बासी 30-राम नगर, कांगड़ा, कालौनी, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि संव नंव 2 और किराएदार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हतबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां।
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकरी के पास हिन्दिक में किए या सकेंगे ।

स्युद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्यां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ह्¹, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

एक प्लाट नं० 47 खसरा नं० 2027, कृष्णा स्क्वेयर, अमृतसर में जैसा कि सेल द्वीड नं० 1642/I दिनांक 26-8-80 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ।

तारीख: 8-4-1981.

मोहरः

प्ररूप आह . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 15 भ्रप्रैल, 1981

निदेश सं० अमृतसर/81-82/11:—यतः मुझे, आनग्द स्हि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

मोर जिसकी सं ० कृषि भूमि है तथा जो गांव बाहमनी जिला गुण्दास-पुर में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, भगस्त, 1981

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्थ से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/भा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिस्नमिकित स्पृक्तियों नुर्यात् ॥-- (1) श्री प्यारा लाल सरदारी लाल किशोरी लाल पुत्र नाथ राम वासी बहराम पुर जिला गुरदासपुर।

(श्रन्तरक)

(2) श्रो सुलखन सिंह, गुरदयाल सिंह, जसबीर सिंह पुत फीजा सिंह गांव बासरपुर म० नं० 126 तहसील, बटाला, जिला गुरदासपुर।

(ग्रन्त रती)

- (3) जसा कि सं० 2 ग्रौर कोई किराएवार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सन्पत्ति है)।
- (4) स्रोर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थल्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्बों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा हैं।

अनुसूची

जिलागुरदासपुर जैमा कि सेल डीड नं० 4038 दिनांक 29-8-80 रजिस्ट्री श्रिधकारी गुरदासपुर में वर्ज है।

> ध्रानन्द सिंह, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैंन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख : 15-4-1981.

त्ररूप आई. टी., एन्., एस्.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनाक 15 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० श्रमृतसर/81-82/12:—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० कृषि भूमि है तथा जो गांव पीर दी सेन हैं में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, गुरदासपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्मस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1, के अधीन निम्नसिश्चित व्यक्तिसयों, अथित्ः– (1) श्री दयाल सिंह पुत्र अजीत सिंह गांव पीर दी सेन, तहसील गुरदासपुर।

(ग्रन्सरक)

- (2) श्री सुरिन्दर सिंह कुलतार सिंह पुत्र लाल सिंह वासी माङल टाउन, धारीवाल, जिला गुरक्षासपुर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि सं० नं० 2 श्रौर कोई किराऐदार श्रौर कोई। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) भौर कोई।

(वह व्यक्ति, जनके बारे में प्रघो-हस्ताक्षरी जानता है क वह सम्पत्ति में हितबज्ञ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, भी उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

कृषि भूमि 29 कनाल 6 मरला गांव पीर की सेन, जिला गुरदासपुर जैसा कि सेल डीड नं० 3845 दिनांक 14-8-1980 रजिस्ट्री ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज, ग्रमृतसर ।

तारीख: 15-4-1981.

प्ररूप बाह्रौत दीत पुनुत पुरातु-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमुतसर

श्रम्तसर, विनांक 15 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० अमृतसर/81-82/13:—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- स. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भिम पठानकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, पठानकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1980

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्षेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है हिन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिये; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थीत् :--- (1) कुमारी रूपा पुत्री मेहरचन्द महाजन रांही डी० के० महाजन, जनरल अटारनी, पठानकोट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार पुत्र वेद व्रत महाजन वासी खांगू रोड, नजदीक सहगल हस्पताल, पठानकोट।

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 स्रौर कोई किराएदार स्रौर कोई। (वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिबित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि 6 कनाल 54 मरला पठानकोट में बैसा कि सेल डीड नं॰ 1502 दिनांक 6-8-80 रजिस्ट्री श्रिधिकारी पठानकोट, में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 10-4-1981.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के घडीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 15 प्रप्रैल, 1981

निदेश सं० श्रमृतसर/81-82/14:—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, श्रायकर श्रक्षिणियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के अधीन सक्तम श्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- ६० से श्रीधक है

गौर जिसकी सं० ऋषि भूमि है तथा जो गांव धारड़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण धिवित्यम, 1908 (1908 का 16) धिवित, प्रगस्त, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रिथात से प्रविक्त है ग्रीर ग्रम्तरक (ग्रम्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया ऐसे प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित महीं किया गया है।—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त किथ-नियम के श्रष्टीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर पिधनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों अर्थात् ः—
10—86GI/81

(1) श्रीमती पुष्पा देवी पुत्री मुन्शी राम पुत्र निष्ठाल चन्द वासी रखडीनेवाल, तहसील खडूर साहिब, ग्रमृत-सर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सर्वण कौर पुत्री देवा सिंह पुत्र ईशर सिंह वासी धारड़, तहसील तरन तारन, ग्रमृतसर। (श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 और कोई किराऐदार। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) श्रीरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो॰ हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पनों का, जो छक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिचाधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

कृषि भूमि 74 कनाल 9 मरला नहरी गांव रख डीने वाल तहसील तरन तारन में जैसा कि सेल डीड नं० 1055 दिनांक 25-8-80 रजिस्ट्री ग्रधिकारी तरन तारन में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह, सक्षम ग्रधिकारी, स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रजेन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 15-4-1981.

प्ररूप आहाँ.दी.एत.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ग्रमृतसर, दिनांक 15 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० श्रमृतसर/80-81/15:—यतः मुझे, श्रानन्व सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव बैरोबाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, खडूर साहब में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित् में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरम से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (। के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः --

- (1) श्री जगीर सिंह पुन्न श्रात्मा सिंह पुन्न भगत सिंह वासी वैरोवाल तहसील खडूर साहब जिला श्रमृतसर। (श्रन्सरक)
- (2) श्री जमीत सिंह, गुरदीप सिंह, सुखजीत सिंह, ग्रमरजीत सिंह, मनजीत सिंह पुत्र श्रीतम सिंह पुत्र छजागर सिंह वासी खडर साहब, जिला श्रमृतसर।

(मन्सरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 श्रौर कोई किराएदार। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) भौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पृषों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सक्वनकी व्यक्तिकों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्य संची

कृषि भूमि 55 कनाल 1/2 मरला गांव वैरोबाल, तहसील खडूर साहब में जैसा कि सेल डीड नं० 995 दिनांक 4-8-80 रिजस्ट्री प्रधिकारी खडूर साहब में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रॅज, भ्रमृतसर ।

सारी**ख**: 15-4-1981.

प्रक्ष बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 श्रप्रैल, 1981

निदेण सं० ग्रम्तसर/81-82/16:—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक दुकान है तथा जो गुरु बाजार अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त,

को पूर्वोक्त संपत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सर्पति का उचित वाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पल्क् प्रतिचत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरका) बौर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आभ या किसी धन या अन्य आस्तियों का, धिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया आना थाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-यं के, जनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-यं की उपधारा (1) के जभीन निम्नलिवित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री प्रेम प्रकाश कपूर पुत्र बालक राम कपूर वासी 197-भारती नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री तिलक राज श्रीर युधवीर पुत्र राम लुभाइया, गुरु बाजार, ग्रमृतसर!

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किराएंदार। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रौरकोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, चो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगुसूची

एक प्रापर्टी जो कि दुकान नं० 64/4-1, गुरु बाजार श्रमृतसर में हैं। जैसा कि सेल डीड नं० 1693/1 दिनांक 29-8-80 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ।

तारीख: 15-4-1981

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.------

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ध्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 15 श्रप्रैल, 1981

निवेश सं० अमृतसर/81-82/17:—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात जिस्ता अधिनियम कहा ग्या है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य

25,000 / रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० कृषि भूमि है तथा जो नागोके में स्थित है (श्रीर इससे छपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय खडूर साहब मे रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1980

करे पूर्वोक्त संप्रित के उजित नाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्या से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी कर्म या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गक्त था किया जाना जाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सुधीन निम्नुषि खित व्यक्तित्यों, अधित ध==

(1) श्री चूहड़ सिंह पुत्र चंनन सिंह वासी नागोकि तहसील खडूर साहब, जिला अमृतसर।

(म्रन्तरक)

(2) श्री परमजीत सिंह जोगिन्द्र सिंह, नरिन्द्र सिंह पुत्र तारा सिंह वासी नागोकि तहसील खडूर साहब, जिला ग्रमृतसर।

(भन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 श्रौर कोई किराऐदार। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्मत्ति है)।

(4) भ्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है किवह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिहिकत में किस जा सकोंगे।

स्युष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृत्युची

कृषि भूमि 42के-8 मरला नहरी गांव नागोकि तहसील खडूर साहब में जैसा कि सेल डीड नं० 1017 दिनांक 11-8-80 रजिस्ट्री ग्रधिकारी खडूर साहब में दर्ज है।

> भ्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीखा: 15-4-1981

प्ररूपु आहर्षे. टी. एन्, एस.----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, ममृतसर

श्रमुतसर, दिनांक 15 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० श्रमृतसर/81-82/18:—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है अधीर जिसकी सं० धार्म है तथा जो इति कला में स्थित है (क्योर इसमे

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो झीतें कलां में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता सिक्षकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1981

1908 (1908 को 16) के श्रधान, ताराख श्रगस्त 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि बिह्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जार/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः सन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अप्धारा (1) को अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री साधू सिंह पुत्र ईणर सिंह नासी रामपुर तहसील ग्रीर जिला श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) मै॰ ग्रमर लैबाटरी माडल टाऊन ग्रमृतसर रोही, ग्रमर कुमार हिस्सेदार।

(म्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 झौर कोई किराऐवार। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) ग्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

भग्सूची

भूमि 3 कनाल 19-2/3 मरला, झीते कलां में तह्सील ग्रमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 4534 दिनांक 12-8-80 रजिस्ट्री ग्रधि-कारी ग्रमृतसर में दर्ज हैं)।

> म्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, ममृतसर ।

नारीख: 15-4-81

प्ररूप वार्ष. टी. एन. एस.-

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, ध्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 श्रप्रैल, 1981

निदेण स० अमृतसर/81-82/19:—-यतः मुझे, आनन्द सिंह, शासकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो अमृतसर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्ञत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त,

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया आर या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के तिए;

खतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रीमती नरिन्द्र कौर पत्नी गुरपाल सिंह राही गुरबन्धा सिंह पुत्र गुरपाल सिंह जनरल ग्रटारनी म० नं० 1790-1795, जी० टी० रोड़, श्रमृतसर।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कमला वती कपूर पत्नी हरनरायन कपूर वासी म० नं० 1920 कटरा, ग्रालूवालिया, ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किराएदार। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) भीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में बधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृयक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सक⁷गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**त्री**

एक प्लाट 780 वर्ग मीटर जी० टी० रोड़ भ्रमृतसर नजदीक प्रताप नगर सुलतान विड, भ्रमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं० 1530/ 1530thI दिनांक 14-8-80 रजिस्ट्री ग्रधिकारी में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 15-4-1981.

प्रकप भाईक दी • एन • एत •---

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 268-व (1) के ग्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज, अमृतसर

त्रमृतसर, विनांक 15 स्रप्रैल 1981

निदेश सं० ग्रमृतसर/81-82/20:—यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त खिलियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ब० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं एक एक प्लाट है तथा जो ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधित्यम, 1980 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रमस्त, 1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित में) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में विश्वत रूप के लिए तय पाया गया प्रतिफल. कि रूप ने क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) कन्तरण से हुई किली आध की मायत उक्त अधि-रिनयम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र जिधितयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों अधीतः—

(1) श्री गुरबख्श सिंह, पुत्र गुरपाल सिंह म० नं० 1790— 95 जी० टी० रोड़, श्रमृतसर।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुनीला कपूर पत्नी रमन कपूर वासी म० नं० 1920 कटरा म्रालूबाल, म्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 और कोई किराएदार: (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) श्रीरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)।

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धार्शप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के ते 45 विन की अविध या तत्स्य की व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्मव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुसूची

एक प्लाट 780 वर्ग मीटर, जी० टी० रोड़, प्रमृतसर नजबीक प्रताप नगर मुलतान विंड प्रमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं० 1533/3 दिनांक 14-8-80 रजिस्ट्री प्रधिकारी प्रमृतसर में दर्ज है।

म्रानन्द सिंह् स**क्षम म्र**धिकारी, सहायक म्रायकर श्रायु**क्त** (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 3 चन्द्रपुरी टेलारोड, अमृतसर

ता**रीख** : 15-4-1981.

प्रकप माई० ठी० एन०एस०---

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुम्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 15 श्रप्रैल 1981

निदेश सं श्रमृतसर/81-82/21: --- यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो ध्रमृतसर में स्थित है (ध्रौर क्रिंस खपाबद ध्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती धिष्ठकारी के कार्यालय ध्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण धिक्तियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त, 1980

का पूर्वांक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का सिए; और/या
- (स्र) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विष्ठा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मिल्खित व्यक्तियों अर्थातः--

(1) श्री साहिब सिंह पुत्र गोपाल सिंह उरफ गुरपाल सिंह, निमक मन्त्री राहीं गुरबन्ध्य सिंह जनरल घटारनी गुरपाल सिंह वासी मकान नं० 1780~1795 सुलतान विन्द प्रमृतसर,।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मैसरण कपूर सन्ज ट्रेडिंग कम्पनी बाहर राम बाग गेट, ग्रमुतसर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० नं० 2 और किरायेंदार भ्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिस के श्रिष्ठिमोग में सम्पत्ति है)।
- (4) ग्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्मत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक प्लाट रकना 780 वर्ग मीटर जी० टी० रोड नजदीक प्रताप नगर, सुलतान विन्ड, प्रमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं० 1529/1 दिनांक 14-8-80 रजिस्ट्री ग्रधिकारी प्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानम्द सिंह सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ज्ञायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, 3 जन्द्रपुरी

तारीख: 15-4-1981.

टेलर रोड श्रम्तसर ।

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज, ध्रमतसर

म्रमृतसर, दिनांक 8 म्रप्रैल 1981

निवेश सं० अमृतसर/81-82/22—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त, 1980 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से मिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-11—86GI/81

(1) श्री जाबर जंग सिंह पुत्र श्ररजन सिंह वासी ढाब बस्ती राम, श्रम्तसर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री फोगिन्द्र सिंह पुत्र करतार सिंह वासी कनक मन्डी, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 ग्रौर कोई किराऐदार। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) औरकोई। (वहस्य

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया स्या हैं।

अनुसूची

1/2 हिस्सा एक प्रापर्टी नं० 652-53/4 ढाब बस्ती राम बाजार हरनामी शाह, ग्रमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं० 2201/1 दिनांक 17-10-80 रजिस्ट्री ग्रधिकारी, ग्रमृतसर में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह, सक्षम श्रविकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 8-4-1981.

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज, ग्रमुतसर

श्रमृतसर, दिनांक 8 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० भ्रमृतसर/71-882/23:—यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ला श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकार 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्तूबर, 1980 को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र भ्रर्जन सिंह वासी ढाब बस्ती राम, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी जोगिन्द्र सिंह पुत्र करतार सिंह वासी ढाब बस्ती राम, ध्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 स्रौर कोई किराऐदार। (वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह स्थाना जारी करके पूर्वों कत सम्पर्तित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्वी

1/2 हिस्सा प्रापर्टी नं० 952-53/VII-4 ढाब बस्ती राम, बाजार हरनामी शाह श्रमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं० 2203/I दिनांक 17-10-80 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

श्रानन्द सिंह, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

भर्जन रेंज, ग्रमुतसर्।

तारी**ख**ः 8-4-81.

मोहर 🍶

प्ररूप मार्चः टी. एन्. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां त्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

म्रानृतसर, दिनांक 15 म्राप्रैल, 1981

निदेश सं० प्रमृतसर/81-82/24:—यतः मुझे, प्रानन्द सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसक़ी सं० एक प्लाट है तथा जो बसन्त ऐविन्यू, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त,

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पक्त प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नतिश्वित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण निम्नतिश्वित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उचत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :---

(1) अमृतसर इम्परूबमेन्ट ट्रस्ट, अमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कश्मीरी लाल श्ररोड़ा पुत्र हरी चन्दे श्ररोड़ा, 192-बसन्त ऐवेन्यू, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० नं० 2 ग्रौर किरायेदार ग्रौर कोई। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) भीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हित-अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 162 (372-36 वर्ग गज) बसन्त ऐवेन्यु, श्रमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं० 1378/I दिनांक 1-8-80 रजिस्ट्री श्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह, सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर ।

तारीख: 15-4-1981.

प्ररूप बाइ^{*}. टी. एन्. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज, प्रमृतसर

धमृतसर, दिनांक 15 धप्रैल, 1981

निदेश सं० अमृतसर/81-82/25:—यतः मुझे, आनम्द सिंह, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एक प्लाट बसंत एवेन्यु है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्नह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाषा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरम् से हुई िकसी माय की वायत, उक्त शृधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौरू/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

- (1) लेभरमैन भ्रमृतसर इस्प्रूबमेन्ट ट्रस्ट, ग्रमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्री राजिन्द्र सिंह भष्ता, प्लाट नं० 53, बसंत ऐवेन्युं, श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 और कोई किराऐदार। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उद्धत स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पटिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ क्षेगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 53 रकवा 764.2 वर्ग गज बसंत ऐवेन्यु ब्रम्तसर में जैसा कि सेल डीड नं० 1405/1 दिनाक 4-8-80 रजिस्ट्री ग्रिधकारी ब्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह, सक्षम प्रधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्षन रेंज, भमृतसर ।

तारीख : 15-4-1981.

प्रकृप पार्ष् टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

> > ग्रमृतसर, दिनांक 15 ग्रप्रैल, 1981

निवेश सं० प्रमृतसर/81-82/26:—यतः मुझे, प्रनान्द सिंह, आयकर प्रथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खिता वाजार मूल्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है और जिसकी सं० भिन है तथा जो गांव नंगली में स्थित है (ग्रीर

भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव नंगली में स्थित है (भौर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: →—

- (क) श्रन्तरण से हुई िनसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रम्य आस्तियों को, जिण्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, कियाने में सुविद्या के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मनिकिक व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) सर्वश्री जनक राज, राज कुमार, शिव प्रकास, धर्म पाल, रमेश कुमार, नरेश कुमार, पुत्न लाला बनारसी दास वासी मकबूल रोड़, श्रमृतसर।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री सुरिन्द्र सिंह, राविन्दर सिंह सन्धु, नवदीप सन्धु, शबीर फखरहीन, वासी 501, ग्रीन एवेन्यू० ग्रमुतसर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 श्रौर किराएवार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) श्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में झघो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारो करक पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं :

उक्त सम्पन्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस भूवना के राजपत्र में प्रकातन की वारी स से 45 दिन की धविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की धविधि, वो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीखा से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों धोर पर्वो का, श्री उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

6 कनाल भूमि नंगली गांव में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर के सेल डीड नं० 4679 दिनांक 19-8-80 में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह, सक्षम मिलकारी, सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, म्रमतसर

तारीख: 15-4-1981.

प्ररूप आहाँ. टौ. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 15 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० श्रमृतसर/81-82/27:--यत: मुझे, आनन्द सिंह.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० भूमि गांव नंगली में है तथा जो नंगली में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिक्षिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; औ्र√या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपामे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के सुधीन निम्नुलिखित व्युक्तियों, स्थात्ः—

(1) श्री जनक राज, राज कुमार, शिव कुमार, धर्मपाल, रमेश कुमार सेठ, नरेश कुमार सेठ पुत्र लाला बनारसी दास वासी मकबूल रोड, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरिन्दर सिंह सन्धु, डाक्टर णाविन्दर, नवदीप सन्धू, शबीर फखरहीन, वासी 501-ग्रीन एवेन्यू, श्रमुतसर।

(भ्रन्तरक)

- (3) जैसा कि सं० नं० 2 भ्रौर किरायदार भ्रौर कोई । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।
- (4) श्रौर कोई । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षेप:---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

सपस्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुषुषी

भूमि 6 कनाल गांव नंगली, तहसील श्रमृतसर जसा कि रिजस्ट्री नं० 4680 दिनांक 19-8-81 रिजस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह, सक्षम श्रधिकारी, (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 15-4-1981.

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 अप्रैल, 1981

निदेश सं०/81-82/28:---यतः मुझ, श्रानन्द सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव नंगली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजर्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :--- (1) श्री जनकराज, धर्मपाल, णिय प्रकाश, राज कुमार, रमेण कुमार, नरेण कुमार सपुत्र, लाला बनारसी दास वासी मकबूल रोड, श्रमृतसर।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री सुरिन्वर सिंह, गाविन्द्र सिंह नवदीप, गाबीर, जोजन यूसफ सपुत्र फखरुद्दीन वासी 501 ग्रीन एवेन्यू, श्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

- (3) सा जैसं० नं० 2 व किराएदार भ्रौर कोई। (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रक्षो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि 6 कनाल गांव नंगली तहसील व जिला श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री नं० 4767 दिनांक 22/8/80 जो कि रजिस्ट्री श्रधि-कारी श्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> श्रानन्द सिर् सक्षम श्रधिकाः सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रजंन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 15-4-1981.

प्ररूप आइ . टी . एन . एस . -----

बायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के जधीन स्चाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भजें न रेंज, भ्रम्तसर

श्रमृतसर, विनांक 15 श्रप्रैल, 1981

निवेश सं० धमृतसर/81/82/29:—यतः मुझ, ग्रानन्द सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्रत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन नंगली गांव में है (धौर इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1980

को पूर्वोंकत संपरित के जिलत बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मृरय, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निविखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अपने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जनक राज, धर्म पाल, शिव प्रकाश, राजकुमार, रमेश कुमार, नरेश कुमार पुत्र लाला बनारसी दास वासी मकब्ल रोड, अमृतसर।

(भन्तरक)

- (2) श्री सुरिन्द्र सिंह, शिवन्द्र सिंह, शबीर, जोजन यसफ पुत्र फखरुद्दीन, वासी 501-ग्रीन एवेन्यू, श्रमृतसर। (श्रन्तरिसी)
- (3) जैसा कि सं० 2 और कोई किराएदार। (यह व्यक्ति, जिसके श्रीधंभीग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पृश्वांकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्वी

भूमि 6 कनाल गांव नंगली में तहसील अमृतसर जैसा कि सेल छोड नं० 4766 दिनांक 22/8/80 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> धानम्द सिंह, सक्षम भिकारी, सहायक भ्रायकर धायुक्त (निरीक्षण), शर्जन रेंज, भम्तसर ।

तारीख: 15-4-1981.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० भ्रमृतसर/81-82/30:—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव नंगली में स्वित है (श्रीर इससे उपाबद्ध झनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीब श्रगस्त, 1980

की पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रांतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य खास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिकत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जनक राज, धर्म पाल, शिव प्रकाश, रमेश कुमार नरेश कुमार, पुत्र लाला बनारसी दास वासी मकबूल रोड़, श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरिन्दर सिंह, शाधिन्दर सिंह, नवदीप, शाबीर, याथूर श्रीर यूसफ पुत्र खफरुद्दीन वासी 501, ग्रीन ऐकेन्यू, भमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि संव नंव 2 ग्रीर किरायेदार ग्रीर कोई। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मूमि 6 कनाल 4 मरला गांव नंगली जैसा कि रजिस्ट्री नं० 4787 दिनांक 25-8-80 रजिस्ट्री ग्रधिकारी, ग्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, सक्षम श्रविकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेंन रेंज, श्रमृतसर ।

तारी**ख** : 15-4-1981.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियमः 1961 (1981 का 43) की घारा 269-थ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निदेश सं० अमृतसर/81-82/31:—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आक्तर अखिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार अखिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार उपल अखिनियम कहा गया है); की धारा 269-व के अधीन सक्षान प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू॰ से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो नंगली गांव में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्ममान प्रतिक्ष्म के लिए प्रस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कदने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत है, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निश्नलिखित उद्देश्य से धक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कृषित नहीं किया गया है:—
 - (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रीभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीभिनयम, या धन-कर ग्रीभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों मुर्भात् :-- (1) श्री जनक राज, धर्म पाल, राज कुमार, शिव प्रकाश, रमेश कुमार, नरेश कुमार सपुक्ष लाला बनारसी दास, वासी मकबूल रोड़, अमृतसर द्वारा जनक राज और कमला वती ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री निवन्दर पाल सिंह, शबीर फखरद्दीन, नवदीप सिंह, गुरबन्स सिंह, बासी 501, ग्रीन एवेन्यु, ग्रमृतसर। (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि सं० नं० 2 श्रौर किरायेवार श्रौर कोई। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) भौर कोई।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थादर सम्पन्ति में हितदब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 5 कनाल 12 मरला गांव नंगली, जैसा कि रजिस्ट्री नं० 4786 दिनांक 25/8/80 रजिस्ट्री ग्रधिकारी श्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, ग्रमृतसर ।

तारीख : 15-4-1981.

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

धायकर मित्रनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-म (1) के मिन्रीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 9 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2587:—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर श्रिश्रितमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिशित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्तम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-व० से ग्रीक्षक है

श्रौर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो हवियाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है, धौर अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिषितयम के क्षप्तीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या क्सबे बचने में सुविका के लिए। बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

जतः, अब, उक्त प्रक्षिणियमं की घारा 269-म के बनुतर्ग में, में, उक्त प्रधिनियमं की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिज्ञित व्यक्तियों, अर्थातः -- (1) श्रीमती शाकुन्तला वती विधवा राम रछपा ल वासी गांव हरियाबाद तहसील, फगवाड़ा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मदन लाल पुत्र संतोख राम वासी गांव रिश्राना जिला होशियारपुर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० दो में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रक्षिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखना हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिये लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राकीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

श्रनुसुची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1311 दिनांक अगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> भ्रार० गिरधर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-4-1981

प्रकृष माई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय्सिय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 ग्रप्रैल 1981

निवेश सं० ए० पी० नं० 2588:—यत: सुझे, आरं० गिरधर, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ब को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि भनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण भिधितयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भगस्त, 1980

को पृथा कित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिक्तस के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्त कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के. अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधित्:— (1) श्री भरपुर सिंह पुझ प्रीतम सिंह वासी जी० टी० रोड, फगवाडा।

(धन्तरक)

(2) श्री कुलवंत सिंह पुन्न प्रीतम सिंह नजदीक रामगढ़ीया, पब्लिक स्कूल, फगवाड़ा ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० दो में है। (वह व्यक्ति, जिसके झिंधभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नन्त्रची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1355 दिनांक ग्रगस्त, 1980 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> ग्नार० गिरघर सक्तम श्रिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण), श्रुजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-4-1981

प्रकम बाहैं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जान रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 9 मर्प्रैल, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2589:—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/रा से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फ़गवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण छप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फ़गवाड़ा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल, निस्निचित उद्विश्य से उक्त सन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिय्म, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ अन्तरिती च्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

कतः अब, उक्त विभिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त विभिन्यम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वभीन निस्नीत्थित व्यक्तियों, वभीत है—

- (1) श्री भरपूर सिंह पुत्र श्रीतम सिंह वासी, श्री० टी० रोड़, फ़गबाड़ा।
 - (ब्रन्तरक)
- (2) श्रीमती राविन्त्र क्षौर पत्नी दीवार सिंह नजदीक रामगढीया स्कूल, फ़गवाड़ा।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० दो में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सस्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को गह स्वना भारी करके पूर्वों क्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्रिस्णः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्र्ची

सम्मत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1362 दिनांक ध्रगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी फ़गवाड़ा में लिखा है।

> भार० गिरघर, सक्तम भाधकारी, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 9-4-1981.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2590:—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो फ़गवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूली में और पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, फ़गवाड़ा में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रगस्त, 1981

कां पूर्वांक्त संपरित के जिलत बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करगे का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपर्तित का जिलत बाजार मूल्य, जसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण । लेखित में वास्तीवक क्ष्य से अधिक नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उका अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; आरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिक व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रीमती गुरदेव कौर, वासी बंगा रोड़, फ़गवाड़ा, नजदीक चंगी।

(अन्तरक)

(2) श्री उजागर सिंह पुत्र श्री नन्द सिंह वासी गुमार मन्छी, लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

(3) पौसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वेकरण हिन्दसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जसा कि विलेख नं 1370 दिनांक प्रगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फ़गवाड़ा में लिखा है।

> भ्रार० गिरधर, सक्षम भ्रधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 9-4-1981.

प्ररूप् आर्ष: टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2600:—यतः मुझे, श्रार० गिरधर आकतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मन्डी अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगम्त, 1980

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सदयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्नके सदयमान प्रतिफल से, एसे सदयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्सरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिकित व्यक्तित्यों, सुर्थात्ः— (1) श्री साहिब राम पुत्र थिमा राम श्रीमती तुलसी देवी विधवा थिमा राम, श्रीमती गुड़ी देवी, श्रीमती सरोज सपुत्रीयां श्री थिमा राम वासी गांव सरबार पुरा तहसील फाजिलका।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती णान्ती देवी पत्नी सुरजा राम, श्री हेत राम पुत्र श्री सोहन लाल, गांव सरदार पुरा तहि० फ़ाजिलका। (भ्रन्तरिती)
- (3) जौसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हितबद्ध है)।

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त जिथिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जमृत्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति **पै**सा कि विलेख नं० 1552 दिनांक ग्रगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी भ्रबोहर में लिखा है।

> द्यार० गिरघर सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्घर ।

तारीखा : 16-4-1981.

प्ररूप आईं ० टी ० एन ० एस ० 🖚

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्छर

जालन्बर, दिनांक 16 ब्राप्रैल, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2601:—यत: मुझे, आर० शिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनसूची में लिखा है तथा भी मन्डी अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वोद्य से उक्त अन्तरण विविद्त में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है.——

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अव, उक्त अभिनियमं, की भारा 269-गुके अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं को उपभारा (1) के अभीन्, निम्नुनिवित व्यक्तियों अभीत्ः—

(1) श्रीमती लीला पुत्री श्री विमा राम, श्री बाबू राम पुत्र श्री विमा राम, वासी गांव सरदार पूरा, तहि॰ फाजिल्ला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ती देवी पत्नी सुरजा राम, श्री हत राम, पुत्र श्री सोहन लाल, वासी गांव सरदार पुरा, तहि० फ़ाजिल्का।

(मन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं∘ 2 में है।

(वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो न्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिन के बारे में प्रघो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सस्पत्ति में हितवब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यावित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाक्ति हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रमुम्पी

सम्पत्ति तथा थिक्त जैसा कि विलेख नं • 3001 दिनांक जनवरी, 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी ध्रवोहर में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 16-4-1981.

मोहरः

प्रकप भाई • टी • एत • एत •---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के घ्रधीन मुचना

मारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 भ्रप्रैल, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2602:—पतः मुझे, ग्रार० गिरधर,

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- व्यप् से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मन्डी ग्रबोहर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हर्द किसी भाग को बाबत उक्त धर्मित्यम, के अधीन कर वेने के धन्तरक के पामिस्स में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रमः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 क्ष की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 13—86GI/81

- (1) श्री श्रोम प्रकाश, वेद प्रकाश सपुत्र श्री मोहरी लाल, वासी मारू गेट, गिदङ्बाहा।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सीता देवी पत्नी श्री बन्सी धर मकान नं० 836, गली नं 1, मंडी अबोहर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसाकि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो)।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हिनबद्ध है)।

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वान के राजपत्त में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की झवछि या तस्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि; को भी झवछि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा; भ्रभ्रोहरूला-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंग।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शान्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस खब्धाय में दिया गया है।

श्रन् सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 1553 दिनांक ग्रगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रबोहर में लिखा है।

ग्रार० गिरधर, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 16-4-1981.

प्रकप भाई • टी • एम • एस •-----

आयकर मिर्घनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 9 मर्प्रैल, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2603:—यतः मुझे, ग्रार० गिरधर,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो श्रबोहर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और घन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कृष्तित नृहीं किया ग्या है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम क ग्रधीन कर देने क श्रन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के शिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्तुमिधिन्यम् की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अधीत्ः—

(1) श्री हरी जन्द पुत्र मुन्शी राम मकान नं० 7959, सुबैरा बस्ती, प्रीम नगर, प्रबोहर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरबती देवी पत्नी हरी राम वासी प्रेम नगर, अबोहर।

(अन्तरिती)

(3) जैजा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, , जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति रुमें रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी जरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्येगाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी वा से 45 विन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सर्वाध, जो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास जिब्बित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के बन्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अबं होगा, जो उस अवसाय में वियागया है।

श्रनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि यिलेख नं० 1678 दिनांवः ग्रगस्त 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी श्रबोहर में लिखा है।

> श्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

ता**रीख** : 9-4-1981.

प्ररूप बार्द, टी. पुनु. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2604:—यतः मुझे, आर० गिरधर श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मन्धी श्रबोहर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रबोहर मे रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के खित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से भ्रष्टिक है और भ्रन्तरिक (भ्रन्तरिकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों सर्वात्:—

- (1) श्रो बनवारी लाल, संगन लाल सपुत्र श्री नैना मल वासी मकान नं० 1769, गली नं० 14-15, मन्डी प्रबोहर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री केवल कृष्ण पुत्र राम लुभाईया मकान नं० 1769, गली नं० 14-15, मन्डी अबोहर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रद्यो हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदा है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी आबोप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की शविध्या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शविध, जो भी शविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब किसी बन्य क्यक्ति द्वारा, धाबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पर्यों का, जो उक्त भित्रियम के भक्ष्माय 20 क में यथा परिभाषित हैं, कहीं भर्य होगा, जो उस भक्ष्माय में विया गया है।

यनुसू बी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1636 दिनांक श्रगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्रबोहर में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 16-4-1981.

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 श्रप्रैल, 1981

निवेश सं० ए०पी० नं० 2591:—यतः मुझे, ग्रार० गिरधर, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्ति बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो दादा कलोनी जालन्धर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के पृत्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का एक्ति बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरित (धन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रश्चि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रक्तरक के वायिक्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय पा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त प्रधिनियम, का धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अपसारा (1) ग्रधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कैंप्टन अतर चन्द पुत्न ज्वाला राम वासी कोठी नं 98, मास्टर तारा सिंह नगर, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दर्शन सिंह पुत्र करतार सिंह वासी 229, दादा कलोनी, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रद्धो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबज्ञ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भजैन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन के भीतर उकत क्यावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताशारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्ष्णव्याकरण:—इसमें प्रयुक्त गान्यों भीर पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रषं होगा, जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

श्रनु**स्वी**

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विशेख नं० 3186 दिनांक 5-8-1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> श्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर।

तारी**ख** : 15-4-1981.

मोहरः

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 भ्रप्रैल, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2592:---यतः मुझे, श्रार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रतः से अधिक है।

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूचि में लिखा है तथा जो रियाज-पुरा जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1808 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिनात बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ते, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित वहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अग्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या अनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रिष्ठितयम की धारा 269-ग के श्रतु-सरण में, मैं, उक्त श्रिधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निक्तिखित व्यक्तियों, श्रयीत्ः --

- (1) श्रीमती णीला देवी विधवा राम नाथ, श्रीमति कंबल कान्ता पुत्री राम नाथ वासी मुहल्ला शिव राजगढ़, मकान नं० ई० के० 26, जालन्धर शहर । शिव (श्रन्तरक)
- (2) श्री सोहन लाल, पुत्र बांका राम श्रीर श्री राज कुमार, णिषा कुमार पुत्र सोहन लाल खन्ना वासी 30, शिवाजी पार्क, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रद्धोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
 सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किएं आ सकेंगे।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों गौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रक्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रंथ होना, जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

धनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3493 दिनांक 20-8-1980 की रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है ।

म्रा२० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), सर्खन रोंज, जालन्धर ।

तारीख: 15-4-1981.

प्रकप आई • दो • एन • एस •----

भायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की खारा 269 म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 भ्रप्रैल, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2593:---यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2 89-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित रुपये म्स्य 25,000/-से भ्रौर जिसकी सं० जैसाकि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मुहल्ला पुरियां जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालनधर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1980 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह -विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का **७ बि**त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिकल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकत से पन्द्रह्म प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसिस्त उद्देश्य में उत्तर धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधि-शियम, के अधीन कर देने के अम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए। शौर/या
- (ख) ऐसी किसी आम या किसी धनया अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर मिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अग्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, प्रवः, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-करण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन, निमाणिका व्यक्तियों. पर्यातः— (1) श्री विश्वा नाय पाठक व मूल शंकर पाठक सपुत्र श्री मथरादास वासी मुहल्ला पुरियां, जालन्धर खुद व जनरल अटोरनी, श्री कृष्ण कान्त पाठक श्रीमति श्रमरावती पाठक पत्नी डा॰ प्राण नाथ पाठक, श्रीमति अनीना गोलाटी पत्नी श्री पी॰ सी॰ गोलाटी श्रीमति अनुराधा क्यास पत्नी श्री श्रजीत क्यास।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विद्यावती विधवा श्री सोहन सिंह श्री रघवीर सिंह बनबीर सिंह ग्रीर जगीर सिंह सपुत्न श्री सोहन सिंह ग्रीर श्रीमती ऊषा पत्नी श्री रघुबीर सिंह निरूपमा पत्नी श्री बनबीर सिंह वासी ई० ई०-193 पोस्ट ग्राफिस स्ट्रीट, न्यू रेनवे रोड़, जानन्धर शहर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रद्यो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्वत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सुबना के राजान में निर्धायन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शम्बों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के घट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3291 दिनांक प्रगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

श्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 15-4-1981.

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2594:—यतः मुझे, स्नार० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० जैमा कि श्रनुमूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपावब श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख श्रगस्त,

को पूर्वोक्त संपित्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बुधीन निम्नुनिधित व्यक्तियों, मुर्भात् ह— (1) श्रीमती सुरजीत कौर विधवा श्री वजीर सिंह, सतीन्द्र कौर, रजनी वेटी वजीर सिंह ग्रौर श्री सृरिन्द्र सिंह, नरिन्द्र सिंह सपुत्र श्री जोगिन्द्र सिंह मारफत नेता मैटल वर्कस जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स एस० निहाल मैटल इन्डस्ट्रीज दादा कालोनी, जालन्धर । श्री दियाल सिंह पुत्र गेंडा सिंह, दादा कलोनी, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में कृचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रद्धो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्क सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरुण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विशेख नं० 3205 दिनांक श्रगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर **घायुक्त** (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

नारीख : 15-4-1981.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15-4-1981

निदेश सं० ए पी० नं० 2595:—यत मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त वृधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्चित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, अगस्त,

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निषिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मृति्खित व्यक्तियों, ज्योत् ६--

- (1) श्री कैलाश चन्द्र पुत्र टेक चन्द वासी ई० एफ० 10, मण्डी फैन्टन गंज, जालन्धर। (भ्रन्त रक)
- (2) श्री नरेश कुमार, विवेक कुमार, सपुक्ष ग्रनन्त राम और श्री सन्दीप कुमार, राजीव कुमार सपुत्र श्री रोशन लाल, मण्डी रोड़, जालन्धर। (ग्रन्तरिती) (3) जैंसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। श्री कृष्ण लाल पुत्र श्री संसारी मल, मृहल्ला कलावाली,

जालन्धर ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पृश्यकत् सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के ऱ्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्युक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों बारि पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस कृष्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3142 विनांक प्रगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

श्रार० गिरधर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्घर ।

तारीख: 15-4-1981.

प्रकृप आहाँ हों . एन् . एसं .-----

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 न्य (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर अायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालनभर, विनांक 15 घप्रैल, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2596:—यतः मुझे, आर० गिरधर, आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित् बाजार मृत्यू 25 000/ रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव गरवाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित काचार मृज्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृज्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है १---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी कड़ने या उससे बचने में सुविधा के द्वारु; जाँद/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिद्दिती ब्वाहा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनिमय की भारा 269-ग को उपभारा (1) के अभीन निम्नित्तित व्यक्तियों अभृत्ः— 14—86 GI/81

- (1) श्री सुरिन्द्र सिंह पुत्र दर्शन सिंह जनरल श्रटोरनी श्री ईशर सिंह पुत्र ठाकर सिंह वासी गांव गरवाला तहसील भौर जिला, जालन्धर। (भन्तरक)
- (2) श्रीमती जसवन्त कौर पत्नी श्री सुरिन्द्र सिंह गाँव ग्रौर पोस्ट ग्राफिस गरवाला तहसील ग्रौर जिला, श्रु जालन्त्रर । (ग्रन्सरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन को सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स क्यूंकित मूं में से किसी क्यूंकित ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकीकरण:--इसमें प्रयुक्त गृथ्यों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, बहुरी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3613 दिनांक भ्रगस्त 1980 को रजिस्ट्री कर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> न्नार० गिरधर, सक्षम ग्रधिकारी; (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 15-4-1981.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याख्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 प्रप्रैल, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं 2 2597:—यतः मुझे, आर० गिरघर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1980

को प्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्या पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए वा, कियाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री सतपाल पुत्र मुनी लाल मकान नं० एन० के० 221 चरणजीतपूरा, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री क्रिज किशोर पुत्न कुन्दन लाल एस-141 किशोर इन्डस्ट्रीज मैनुफैक्चरज नस-बोल्ट्स सोढल चौक, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

न्द्रों यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः।
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिहित में किए जा सकोंगे।

स्थ्यक्रिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिशाष्ति, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3617 दिनांक भगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> भार० गिरधर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 15-4-1981.

प्रकप पाई० ठी० एत० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अप्रैल, 1981

निवेण सं० ए० पी० न० 2598:—यतः मुझे, ग्रार० गिरधर, आयकर श्रिष्ठानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिष्ठानियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के श्रिष्ठीन सञ्जय श्रिष्ठकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छित्त बाजार मूल्य 25,000/- र० से श्रिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो श्रादर्श नगर, जालन्धर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित वाजार मूल्य से कम के नृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विक्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया क्या है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के धन्नीन कर देने के धन्तरक के वाधिश्व में कमी करने या उससे वचने में सुविका के लिए; घौर/बा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी मन या मन्य मास्तिकों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानः। चाहिए था, जियाने में सुविधा के किए;

भ्रतः प्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिसित स्पिन्त्यों अर्थात्:-- (1) श्री ग्रमर नाथ, मुन्शी राम सपुत्र ग्रधो राम वासी-8' ग्रादर्श नगर, जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला सम्मदेवा पत्नी श्री टी० श्रार० सम्मदेवा वासी 266 ग्रादर्श नगर , जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की ताणेख से 45 विन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए वा सर्वेषे ।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दों का, जो उक्त श्रीकिनियम के श्रध्याय 20-क में परिकाबित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

ग्रनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3328 दिनांक ग्रगस्त 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> म्रार० गिरधर, सक्षम प्रधिकारी, सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-4-1981

प्ररूप आर्चा,दी.एम्. एस ुनन्नन्तरस्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 ग्रप्रैल, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2599:—यतः मुझे, भार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहः से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि भनुसूची में लिखा है तथा जो भावर्ष नगर, जालन्धर में स्थित है (भौर इससे उपायद्व भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भिर्धान, तारीख श्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करणे का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके हरयमान प्रतिफल से, एसे हरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन निम्न्लिखित व्यक्तिस्यों अर्थातः— (1) भी ग्रमर नाथ, भुन्ती राम सपुत्र भी ऊधो राम वासी ग्रावर्ण नगर, जालन्धर।

(मन्तरक)

- (2) श्रीमती मकुन्तला सचदेवा पत्नी श्री टी॰ भार॰ सचदेवा वासी 266 भादर्भ नगर, जालन्धर। (भन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर मं० 2 में लिखा है। (बहु व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-इस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो छक्त धरिन नियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिकालित है, वहीं भर्य होगा जो उस धन्माय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भ्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3356 दिनांक अगस्त 1980 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिथिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> म्रार० गिरधर, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर घायुक्त (निरीक्षण); ग्रजैन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 15-4-1981.

प्रकृप माई० टी० एन० एस०----

क्षायकर महिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मप्रैल 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2606:—यतः मुझे, श्रार० गिरधर ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फरीदकोट में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त ध्रिष्ठितयम के अधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में तुनिधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का ६1) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः ग्रम, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:—— (1) श्री केहर सिंह पुत्र वजीर सिंह वासी हरिन्द्र नगर, फरीदकोट ।

(मन्तरक)

(2) डा॰ रमेश कुमार भ्रानन्द पुत्र मदन लाल श्रीमित कुसम भ्रानन्द पत्नी डा॰ रमेश कुमार भ्रानन्द वासी फरीदकोट।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपलर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में चिच रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रषो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सुचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, को जी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, खखोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—दसमें प्रयुक्त शब्दों भीर रदों का, जो उक्त श्रिष्ठित्यम् के अध्याम 20-क में परिकाषित हैं, बही श्रषं होगा, जो उत्त श्रष्ट्याव में विवा गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2266, दिनांक सितम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी फरीदकोट में लिखा गया है।

> ग्रार० गिरधर, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज, जालन्छर ।

तारीख: 15~4-1981.

त्रुक्प बाह् . टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन त्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मप्रैल, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2607:---यतः मुझे, ग्रार० गिरधर

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'छक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में लिखा है तथा जो फरीदकोट में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख सितम्बर, 1980

को धूर्यांक्त संपत्ति के उपित बाजार मून्य से का को स्थाना प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विषयात करने का कारण है कि यथापूर्योंक्त संपत्ति का उपित बाजार मून्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब पावा गवा प्रतिकल कि निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गवा है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त जीभीनवस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कसी करने या उत्तते वचने में सुनिधा के निए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर जीभनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, वा वन-कर अधिनियस, वा वन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना चाहिए था, डिजाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिविस व्यक्तियों अर्थात्ः-- (1) श्री केहर सिंह, पुत्र वजीर सिंह वासी हरिन्द्र नगर, फरीदकोट।

(धन्तरक)

(2) डा॰ सुरिन्द्र मोहन गुलाटी पुत्र राम नरैण गुलाटी श्रीमति सरोज कुमारी पत्नी डा॰ सुरिन्द्र कुमार गुलाटी वासी फरीवकोट ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में चित्र रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को बहु सूचना जारी करको पूर्वा केत सम्पृतित को वर्जन को जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामिल से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए या सकेंगे।

स्युक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्तों आहर पदों का, जो सन्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिशाधित हुँ, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस हुँ।

वन्स्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2267 दिनांक सितम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फरीदकोट में लिखा गया है।

> श्रार० गिरधर, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15~4-1981.

प्रकप माई• ही• एन• एत•----

आयकर खिविनयन, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-च (1) के खढ़ीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजैन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 15 मप्रैल, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2608:—यतः मुझे, आर० गिरधर, आगकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तः अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरथ है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित थाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फरीदकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के बृश्यमान प्रति-फन के लिए प्रस्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है घोर अन्तरक (धन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिवे तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तर्व लिखित में वास्तिया कर से कथित नहीं किया गया है:—

- (वा) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्टिंग के अधीन कर वेने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए। धोर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी जन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर पश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पश्चितियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया क्या वा या किया जाना चाहिए वा, कियाने थें सुविधा के लिए

अतः अवः उक्त धिविनियम की घारा 269-ग के विन्तरण में, में, उक्त अविनियम, की धारा 269-थ की एपधारा (1) के अधीन निम्नतिकित व्यक्तियों, अर्थात इ--- (1) श्रीमती मूरज कौर पत्नी प्रीतम सिंह वासी हरिन्द्र नगर फरीदकोट । 2. हरबक्श सिंह पुत्र सजन सिंह, जगदीप व गुरमीत सिंह पुत्रान प्रीतम सिंह।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री गुरिंदियार सिंह, गुरजीत सिंह हरतेल सिंह श्रौर परमजीत सिंह पुत्र हरपाल सिंह गांव उगो रमाना तहसील भौर जिला फरीदकोट। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। लिखा (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रघो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के सर्जन के सिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी
 यवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी खम्य व्यक्ति द्वारा, घड़ोड्डस्ताखरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के प्रथमाय 20-क में विरमाधित है। वहीं अबं होगा, जो उस अध्याग में दिया गया है।

धनु बूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1934 दिनांक भगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी फरीवकोट में लिखा गया है।

> भार० गिरधर, सक्षम भ्रधिकारी, (सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 15-4-1981

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 ग्रप्रैल 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2609:—यतः मुझे, ग्रार० गिरधर, आयकर ग्राधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्राधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-व के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका प्रवित बाजार मृक्य 25,000/- क्पये से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो रामपुरा-फूल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुराफूल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझ यह बिएबास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पृष्ट प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख म कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; धौर/या
- (का) ऐसी किसी धायया किसी धन या प्रश्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: घन, उन्त अधिनियम की बादा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपबादा (1) के सम्रोत, निम्नलिखित क्यन्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री दुर्गा दास पुत्र श्री रल्ला राम मारफत मैसर्ज पंजाब मशीनरी स्टोर, बरनाला।

(धन्तरक)

(2) श्री भगवान सिंह राजन सिंह पुत्र ईन्दर सिंह मार्फत श्री इन्दर सिंह सुनियारा बाजार फूल रामपुराफूल जिला बाठडा।

(मन्तरक)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत संपर्शिक धर्जन के संबंध में कोई भी बाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाष्ट होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शिवनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा, को उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2343 दिनांक श्रगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी रामपुराफूल में लिखा गया है।

> भार० गिरधर, सक्षम भ्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 15-4-1981.

प्ररूप आइ . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 श्रप्रैल 1981

निदेश सं ० ए० पी० नं० 2610:—यतः मुझे, ग्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो रामपुराफूल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय रामपुराफूल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से, एसे छ्रयमान प्रतिफल का पन्क्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्सरक के बायित्य में कमी करने वा उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--15—86GI/81

- (1) श्री दुर्गी दास पुत्र श्री रल्ला राम मार्फत मैंसर्ज पंजाब मगीनरी स्टोर, बरनाला। (श्रन्तरक)
- (2) श्री भगवान सिंह पुत्र ईन्दर सिंह मार्फत ईन्दर सिंह मुनियारा (गोल्डस्मिथ) बाजार फूल, रामपुराफूल, जिला भटिंडा। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2429 दिनांक श्रम्गत, 1980 को रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी रामपुराफ्ल में लिखा गया है।

> श्रार० गिरधर, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

नारीख: 15-4-1981

प्रकप भाई० टी• एन• एस०———— शायकर भ्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के भ्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2611:— -यत: मुझे, श्रार० गिरधर, धायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रीक्षक है

श्रीर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो रामपुराफूल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुराफूल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 19810

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीव ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रम्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रंधिनियम, या घन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उन्त प्रधिनियम को घारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन क्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री दुर्गी दास पुत्र श्री रल्ला राम मार्फत मैसर्ज पंजाब मणीनरी स्टोर, बरनाला। (श्रन्तरक)
- (2) श्री भजन सिंह, ऋष्ण सिंह सपुत्र श्री ईन्दर सिंह मारफत श्री ईन्दर सिंह सुनियारा (गोल्डस्मिथ) फूल बाजार रामपुराफूल जिला, भटिंडा। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है):

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रजन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उवत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई मी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

्यब्होकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रव्याय रे20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अब्याय में दिया गया है।

अनुसची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2430 दिनांक ग्रगस्त 1980 की रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी रामपुराफूल में लिखा गया है।

> स्रार० गिरधर, सक्षम स्रधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), सर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 15-4-1981.

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 श्रप्रैल 1981

निदंश सं० ए० पी० नं० 2612:—यतः मुझे, आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो माडल टाऊन, फगवाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण क्य से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्याक्य, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1980

को पूर्वां कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य के कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विवयास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक कप से कि शित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अमृति:-- (1) श्री दीदार सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह वासी हदीयाबाद, फगवाडा।

(अन्तरक)

(2) रिवन्द्र सिंह पुत्र श्री हरबंस लाल वासी 24-बी०, माजल टाऊन, फगवाड़ा।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वश्रद्धीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

भृत्स्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1401 दिनांक प्रगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है

> ग्रार० गिरधर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, जालन्धर ।

सारीख: 22-4-1981

मोहर 🖫

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 भ्रप्रैल 1981

निवेश सं० ए० पी० नं० 2613:—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, श्रायकर श्रिष्टित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत श्रिष्टिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रिष्टिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिष्टिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव पूनीया में स्थित है (भीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, शाहकोट में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भ्रगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरिक (प्रन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अग्वरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवात्:— (1) श्री हजारा सिंह पुत्र स्त्री मयरा सिंह वासी गांव पूनीयां तहसील नकोदर, जिला जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रीतम सिंह पुत्र लाभ सिंह वासी गांव पूनीयां तहसील नकोदर जिला जालन्धर।

(जालन्धर)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जनाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके धर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधीत्क्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1134 दिनांक श्रगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी शाहकोट में लिखा गया है।

> श्रार० गिरधर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रेंज, जालन्धर ।

ता**रीख** : 23—4—1981.

प्रकप आई० टी० एन० एस०--

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 25 ग्रप्रैल 1981

ानदेश सं० ए० पी० नं० 2614:— यत: मुझे, ग्रार० गिरधर, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से ग्रिधक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गीवडबाहा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय गीवडबाहा में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अगस्त, 1980

करें पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) कौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण महुई किसी आय की **बाबत उक्त प्रधि-**नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कभी करने या **उ**ससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम का धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छियाने में सुविधा के लिए;

्रिमतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, तिम्निकिकत व्यक्तियों, भवीत:—

- (1) श्री प्रीतम सिंह पुत्र राम सण्त दास वासी गीदहशाहा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र बीरबल दास वासी गीवड्बाहा। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखेता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीज से 30 दिन की प्रविधि जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा:
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त अधि-नियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

व्यक्ति नथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 739 दिनांक ग्रगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी गीदडवाहा में लिखा गया है।

> ग्रार० गिरधर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 25-4-1981.

प्ररूप आई ० टी० एन्० एस०

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्मृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्णन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2615:— यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा० से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गीवड़बाहा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, गीवड़बाहा में रजिस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रमस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां अर्थातुः——

- (1) श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र प्रीतम सिंह वासी गीदड्बाहा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री वर्णना देवी पत्नी राकेश कुमार श्रीर संजीव कुमार पुत्र कश्मीरी लाल वासी गीवड़बाहा।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिन बारे प्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1140 दिनांक ग्रगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी गीदड्बाहा में लिखा गया है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 25~4-1981.

प्ररूप बाई • टी • एन • एस • ---

जायकर जीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269ष(1) के घन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 म्रप्रैल 1981

.नवेश सं० ए० पी० सं० 2616:—यतः मुझे, ब्रार० गरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र॰ से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गीदड़वाहा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गीदड़वाहा में रिजस्ट्री-करण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1980

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; खीर/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

धतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त धिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निखित व्यक्तियों, धर्चात :--- (1) श्री सुदर्शन कुमार पुत्र प्रीतम सिंह घासी गीयड़-वाहा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दर्शना देवी पत्नी राकेण कुमार ग्रीर सजीव कुमार पुत्र कश्मीरी लाल वासी गीदड़वाहा।

(भ्रन्त।रती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

एक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अस्य व्यक्ति दारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त प्रिप्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भृत्यी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 741 दिनांक ग्रगस्त 1980 को रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी वासी गीदड्वाहा लिखा गया है।

> श्चार० गिरधर, सक्षम स्रधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 25-4-1981.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 ग्रंप्रैल 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2617:—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गीवड़बाहा, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गीवड़बाहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त,

को प्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से, एसे छ्र्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिष्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल का, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; औड़/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्रीमती हरबंस कौर परनी प्रीतम सिंह, वासी गीदड़-बाहा।

(अन्तरक)

- (2) श्री बीरबल दास पुक्ष राम नरैण, वासी गीदड़बाहा। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबज्ञ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वविरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति और सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 742 दिनोक भगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी गीदड्डबाहा में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 25-4-1981

प्ररूप जाइ. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर, आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्घर

जालन्धर, दिनांक 25 श्रप्रैल 1981

निवेण सं० ए० पी० नं० 2618:— यतः, मुझे स्नार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गीदड़बाहा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गीदड़बाहा में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1980

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्नलिशित उद्शेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किंग्रत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधितः——
16—86GI/81

- (1) श्री शाम सुन्दर पुक्ष प्रीतम सिंह, वासी गीवड़बाहा । (श्रन्तरक)
- (2) श्री कर्ण कुमार पुत्र बीरबल दास वासी गीदड़वाहा। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं॰ 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृष्टित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, औ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

नम्त्रची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 743 दिनांक भ्रगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी गीदड्बाहा में लिखा गया है।

> म्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 25-4-1981

प्ररूप आधै. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2619:—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गीदड़-बाहा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गीदड़बाहा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1980

का पूर्वाक्त संपत्ति के उषित बाषार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसित उत्देश्य से उक्त अन्तरण किसत में बास्तिबक रूप से किशत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिकित व्यक्तियों सूर्थात् :--

- (1) श्री भिव राज पुत्र प्रीतम सिंह वासी गिदड़ बाहा। (ध्रन्रतक)
- (2) श्रीमती दर्शना देवी पत्नी राकेश कुमार श्रीर मंजीव कुमार पुत्र कश्मीरी लाल वासी गीदड़वाहा। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभूषी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 744 दिनांक श्रगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी गीदड्बाहा में लिखा गया है।

> श्रार० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 25-4-1981.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 श्रप्रैल 1981

निदेश सं ० ए० पी० नं० 2605:—यत: मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1980

को पूर्वों कत संपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट्र प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनल अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; कौर/या
- (क्) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधितियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अधित:--

- (1) श्री इन्द्र मोहन पुत्र श्री के० एल० साखुआ पुत्र हा० मोती राम मैनेजिंग डायरैक्टर तथा चेयर मैन मै० जगतजीत फास्टनर प्रा० लि० कपूरथला।
 - (श्रन्तरक)
- (2) मै० जगतजीत फासटरन प्रा० लि० कपूरणला द्वारा एम० के० ग्रबरोल पुत्र देवी विद्याल मैनेजिंग डायरैक्टर श्राफ मैसरज जगतजीत फासटनर प्र० लि० कपूरथला।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्ष है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शप्त निस्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अन्त्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1669 दिनांक श्रगस्त, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कपूरथला में लिखा है: ।

> ग्रार० गिरधर सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, जालन्घर ।

तारीख: 27-4-1981

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.----

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर जायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 श्रप्रैल, 1981

निदेश सं० ए० सी०14रिंज-IVकल/1891-82:—-यतः, मुक्को, के० सिंहा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 320 है तथा जो मौजा-नादिरा बारासात में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय बारासात में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6-8-80

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरिक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत क्---

(1) श्री विजय कुमार ध्रागखयाला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रनीता घोष।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जकत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में काई भी काक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिख्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसची

मौजा--नादिरा, बारासात में 2 एकड़ जमीन का सब कुछ जैसे 1980 का डीड सं० 1526 श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख: 23-4-81

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 5th May 1981

Subject: -- SUMMER VACATION-1981.

No. F-44/81-SCA(Genl.).—In pursuance of Rule 4 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amended) the Hon'ble Chief Justice of India has directed that the Supreme Court will be closed for the Annual Summer Vacation from Monday, May 11, 1981 to Sunday, July 19, 1981 (both days inclusive) and will reopen on Monday, July 20, 1981.

Under rule 6 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amended), the Hon'ble Chief Justice of India has nominated Hon'ble Mr. Justice V. D. Tulzapurkar and Hon'ble Mr. Justice A. D. Koshal to be vacation Judges to hear matters of an urgent nature, which under the above rules may be heard by a Judge sitting singly, during the period shown against their names below:

Mon'ble Mr. Justice V. D. Tulzapurkar from May 11 to June 13, 1981 (both days inclusive)

Hon'ble Mr. Justice A. D. Koshal from June 14 to July 19, 1981 (both days inclusive).

Hon'ble Mr. Justice V. D. Tulzapurkar will sit in the Court on Tuesdays, May 26 and June 9, 1981 and Hon'ble Mr. Justice A. D. Koshal will sit in the Court on June 23 and July 7, 1981. Sitting will, however, continue on the next succeeding day (s) if matters fixed for any day are not finished on that day.

During Summer Vacation the Offices of the Court will remain open daily from 10,00 A.M. to 4.30 P.M. except on Saturdays, Holidays and Sundays. The Offices of the Court will however, remain open on Saturday, July 18, 1981 from 10.30 A.M. to 1.30 P.M.

No plaints, appeals, petitions or other documents except those which are of an urgent nature will be filed or received in the Registry of the Court during the above period of vacation. For the convenience of the parties, however, the Registry will receive all plaints, appeals, petitions and other documents from July 13, 1981 onwards during office hours.

R. SUBBA RAO, Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 24th April 1981

No. A.32015/1/80-Admn.II.—The Sccretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri R. D. Kshatriya, a permanent Research Assistant (R&S) and officiating Research Investigator in the office of Union Public Service Commission to officiate on bad-hoc basis as Junior Research Officer in the Commission's Office for the period from 4-4-81 to 3-7-81, or until further orders, whichever is earlier Vice Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) granted leave.

P. S. RANA Section Officer for Secretary

New Delhi, the 29th April 1981

No. A.35014/1/80-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri S. K. Mishra, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Commission to officiate on an ad-hoc basis as Senior Analyst for the period from 15-4-81 to 14-7-81 or until regular arrangements are made, or until further orders, whichever is earliest.

2. Shri S. K. Mishra will be on deputation to an ex-cadre post of Senior Analyst, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-E-III/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

P. S. RANA,
Section Officer
for Chairman,
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 7th May 1981

No. A-19021/7/78-Ad.V.—The services of Shri R. D. Iyagi, IPS (Mil-1964) Supdt of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, GOW Bombay are placed back at the disposal of the Govt. of Maharashtra with effect from 28-4-1981 (forenoon) on repatriation.

No. A-19030/1/76-AD.V.—The services of Shri S. S. Lal, Jumor Technical Officer (Accounts)/CBI, SPE are placed back at the disposal of Western Railways with effect from 1-5-1981 (Forenoon), on repatriation.

No. A/19036/2/81/Ad.V.—Director, Central Burcau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to promote Shri S. R. Mukherjee, inspector to officiate as Dy. Superintendent of Police in CBI on ad hoc basis from 21-4-1981 (forenoon) until further orders.

The 11th May 1981

No. B-48/65-Ad.V(Vol.IV).—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri B. B. Upadhyaya, Deputy Director (Coordination)/CBI, New Delhi relinquished charge of the office of the Deputy Director, CBI/SPE New Delhi, with effect from the afternoon of 30-4-1981.

Q. L. GROVER Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 4th May 1981

No. 11.96/79-Ad.1.—The President is pleased to appoint Shri S. Bhattacharya, Lecturer-cum-Jr. Research Officer in the Central Institute of India Languages, Mysore, as Research Officer (Language) in the office of the Registrar General, India (Language Division) at Calcutta, on a regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of the 6th April, 1981, until further orders.

The headquarters of Shri Bhattacharya will be at Calcutta.

P. PADMANABHA, Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad (M.P.), the 22nd April 1981

No. 7(52)/1172.—In continuation of this office Notification No. 7(52)/482 dated 7-4-81 Shri P. K. Sharma is hereby promoted as Accounts Officer on regular basis w.e.f. 28-2-81 until further orders. He will be on probation for a period of 2 years which will include the period during which he has worked on ad-hoc basis i.e. from 30-11-79.

S. R. PATHAK, General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I KARNATAKA

Bangalore, the 3rd April 1981

No. ES.I/A4/81-82/9.—The Accountant General is pleased to promote the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of their seniors if any, with effect from the dates of taking their charge:

S/Shri

N. Appuswamy
 A. H. Natarajan

V. A. MAHAJAN. Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-II WEST BENGAL

LOCAL AUDIT DEPARTMENT

Calcutta-1, the 30th March 1981

No. LA/3125.—The Accountant General-II W.B., has been pleased to appoint on ad-hoc and provisional basis the following permanent Section Officer to officiate as Assit. Examiner of Local A/cs, W.B., on purely temporary basis w.e.f. the afternoon of 30-3-1981 or the date on which they actually take over charge as Assit. Examiner, whichever is later and until further orders:—

- 1. Shri Prodosh Kr. Majumdar.
- 2. Shri Santi Mahalanabish.

It should be clearly understood that the promotion is purely provisional during the pendency of the Rule in Culcula Honbie High Court case and will be subject to final decision of the court case filed against the Umon of India and others under C.R. case No. 14818 (N) of 1979.

All the ad-hoc promotions indicated above, are also subject to final orders of the Supreme Court of India in Civil Appeal No. 1584 to 1588(N) of 1973 and Civil Appeal No. 2104-2105 (N) of 1979.

B. N. DUTTA CHOUDHRI, Examiner of Local Accounts, West Bengal

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 4th May 1981

No. Admn. 1/O.O.-27.—Shri S. P. Choptra-I a permanent Section Officer (Officiating Audit Officer) of this office has retired voluntarily from service of the Govt. of India, with effect from the afternoon of 15-4-81 after completion of more than 20 years of qualifying service, in terms of G.I., M. of H.A.O.M. No. 25013/1/71-Estt.(A) dated 26-8-1977.

2. Shri Choptra entered Govt. Service on 31-7-1945 and his date of birth is 14-1-1926.

V. S. VERMA Jt. Director of Audit (Admn.)

New Delhi, the 3rd May 1981

No. Admn.I/O.O.60.—Shri S. S. Chadha, u permanent Audit Officer of this office has retired voluntarily from service of the Govt. of India, with effect from the Forenoon of 1-5-1981, after completion of more than 20 years of qualifying service in terms of Govt. of India, Ministry of Home Affairs O.M. No. 25013/7/77-Estt.(A) dated 26-8-1977/F.R. 56(k).

2. Shri Chadha entered Govt, service on 11-5-1949 and his date of birth is 1-1-1928.

(\$d/-) ILLEGIBLE
Joint Director of Audit (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700 016, the 2nd May 1981

No. 20/81/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri D. N. Nijhawan, Offg. ADGOF Gr. 1 (Subst. & Permt. ADGOF Gr. II) retired from service w.e.f. 31st March, 1981 (AN).

V. K. MEHTA.
Assistant Director General,
Ordnance Factories

DGOF HQrs. CIVIL SERVICE Calcutta-700 069, the 5th May 1981

No. 13/81/A/E-1.—On attaining the age of Superannuation, Shri Nitai Pada Mookherjee, Subst. & Permt. Stenographer Gr. II/Offg. Assistant Staff Officer retired from service with effect from 30-4-81 (AN).

D. P. CHAKRAVARTI,
ADGOF/Admn.,
for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 2nd May 1981

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1121/76-Admn(G)/2732.—The President is pleased to appoint Snri A. K. Charrabarty an officer of the l.A.A.S. and Other on Special Duty in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, as Director (CCA) in the same office with effect from the forenoon of the 22nd April, 1981, until further orders.

The 6th May 1981

No. 6/670/62-ADMN.(G)/2648.—On attaining the age of superannuation Shri A. T. Muknerjee, Joint Chief Controller of Imports and Exports, Central Licensing Area, New Delhi has been permitted to retire from Government service on the atternoon of the 31st March, 1981.

MANI NARAYANSWAMI
Chief Controller of Imports and Exports

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Dolhi-1, the 6th May 1981

No. A-1/1(943).—Shri A. K. Mitra, permanent Assit. Director (Admn.) (Gr. II) in the other of the Director of inspection, Calcutta retired from Government Service with enect from the alternoon of 28th February, 1981 on attaining the age of superannuation.

The 7th May 1981

No. A-1/1/(1142).—Shri D. C. Roy Chowdhury, Superintendent in the office of Director of Inspection, Calcutta and officiating as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office or the Director of Supplies and Disposals, Calcutta retired from Govt, service with effect from the afternoon of 31st January, 1981 on attaining the age of superannuation.

The 11th May 1981

No. A-1/1(1156).—The President is pleased to appoint Shir I. V. Pote, Assistant Director (Gr. II) in the office of the Director of Supplies (Tex.), Bombay to officiate as Assistant Director (Lit.) (Gr. 1) on ad-hoc basis in the same office for a period of six months or till a regular officer becomes available, whichever is earlier from 16-4-1981 (forenoon).

No. A-1/1(1174)/81.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri B. C. Mondal, Junior Field Officer in the office of Director of Supplies & Disposals Calcutta to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta with effect from the forenoon of 20th April, 1981 and until further orders.

- 2. The ad-hoc appointment of Shri B. C. Mondal as Assistant Director (Grade II) will not bestow on him a claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.
- 3. Shri B. C. Mondal relinquished charge of the post of Junior Field Officer and assumed charge of the post of Asstt. Director (Grade II) with effect from the forenoon of 20th April, 1981 in the office of Director of Supplies & Disposals Calcutta.

P. D. SETH,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 28th April 1981

No. A-1/1(789).—The President is pleased to appoint Shri N. K. Jaiswal, permanent Grade III officer of the Indian Supply Service, Group 'A' to officiate in Grade II of the

Indian Supply Service, Group 'A' to officiate in Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A' with effect from the forenoon of 2nd April, 1981 and until further orders.

2. Shri N. K. Jaiswal relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. 1) in the Ordnance Factory Board, Calcutta on the afternoon of 25th February, 1981 and assumed charge of the post of Deputy Director of Supplies in the Directorate of Supplies and Disposals, Kanpur on the forenoon of 2nd April, 1981.

M. G. MENON Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL & MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 5th May 1981

No. A-19011(227)/78/Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Jagdish Lai, Assistant Ore Dressing Officer to the post of Deputy Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines, with effect from the afternoon of 7th April, 1981.

A. R. KASHAV Head of Office

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 7th May 1981

No. F1-5716.—Consequent on the acceptance of the request of Shri Chanan Singh, Assistant Manager, General Central Service. Group 'B' (Gazetted) of No. 101(HIO) Printing Group (M. P. Dte.) Survey of India, Dehra Dun for voluntary retirement from Government Service, the Surveyor General is pleased to retire Shri Chanan Singh. Assistant Manager, Survey of India w.e.f. 31-3-1981 (A.N.).

IOBAL SIDDIOUI Assistant Surveyor Genl.

ARCHAEOLOGICAL SURVAY OF INDIA

New Delhi-110011, the 6th May 1981

No. 14/3/81-M(T).—In exercise of the power conferred under the Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959 I, K. V. Soundara Rajan, Joint Director General hereby direct that no fee shall be charged for entry to monuments at Rajairi Hill, Gingee, South Arcot District, Tamil Nadu for a period of 10 days from 11-5-81 to 20-5-81 (both days inclusive) on account of annual festival of Devi Kamalkkanni Aman.

This surpersedes the carlier order No. 14/3/81-M(T) dater 29-4-81 issued in this behalf.

K. V. SOUNDARA RAJAN Joint Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 6th May 1981

No. A.12025/8/79(SJH)ndmn.I.—The President is pleased to appoint Dr. B. Dasgupta to the post of Jonior Biochemist at the Safdarjung Hospital, New Delhi in a temporary canacity with effect from the forenoon of the 9th April, 1981, and until further orders.

The 7th May 1981

No. 1-16/71-Admn.I.—Consequent on his selection to the ex-cadre post of Chief Statistical Officer in the Directorate of Statistics & Intelligence, Central and Customs (Department of Revenue). New Delhi, Shri A. K. Sen a grade III officer of I.S. Service, relinquished charge of the post of Assistant Professor of Statistics, All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, with effect from the afternoon of the 28th February, 1981.

F.No. A. 31013/1/80-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. K. Khanna to the post of Deputy Assistant Director (Microbiology) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi in a substantive capacity with effect from the 9-5-1978.

T. C. JAIN Deputy Director Administration (O&M)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 2nd May 1981

No. PA/76(3)/80-R-III(1).--The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Sudhakar Ramchandra Takle officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of March 7, 1981 until further orders.

A. SANTHAKUMARA MENON Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT

Madras-600 006, the 24th April 1981

No. MRPU/200(14)/81ADM.—The Director, Directorate of Purchase & Stores appoints Shri H. Ganapathy. a permanent Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad hoc basis in the Reactor Research entre Stores, Kalnakkam of the same Directorate with effect from April 14, 1981 to June 12, 1981 (AN).

No. MRPU/200(27)/81Adm.—The Director, Directorate of Purchase & Stores appoints Shri C. N. Gopalan a temporary Purchase Assistant to officiate as Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad hoc basis in the Madras Regional Purchase Unit of the same Directorate with effect from March 16, 1981 (FN) to April 16, 1981 (AN).

The 25th April 1981

No. MRPU/200(9)/81Adm.—The Director, Directorate of of Purchase & Stores appoints Shri N. Rajagonalan, a permanent Purchase Assistant to officiate as Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad hoc basis in the Madras Regional Purchase Unit of the same Directorate wef March 26, 1981 (FN) to May 29, 1981 (AN).

B. D. KAVISHWAR Pay & Accounts Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 6th May 1981

No. AMD-2/3109/80-Adm.—The resignation tendered by Shri V. K. Jain, from the temporary post of Scientific Officer 'SB' in the Atomic Minerals Division with effect from February 10, 1981 (AN) has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer.

DEPARTMENT OF SPACE

AUXILIARY PROPULSION SYSTEM UNIT ISRO

Bangalore-560017, the 2nd April 1981

No. 8/53/76-ADMN.—The Programme Director, APSU hereby appoints Shri P. Jayapala in the Auxiliary Propulsion System Unit (APSU), Bancalore of the Department of Space as Scientist/Engineer 'SB' in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 1st April. 1981 and until further orders.

L. RAJAGOPAL Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 5th May 1981

No. A.32013(DDGM)/1/80-E.I.—The President is pleased to appoint Shri H. M. Chaudhury who has been officiating as Deputy Director General of Meteorology, on ad-hoc basis, in the India Meteorological Department, to officiate as Deputy Director General of Meteorology, in that Department. on regular basis with effect from 18th April, 1981 and until further orders.

No. A,32013(DDGM)(Ad-hoc)/I/80-E.I.—In continuation of notification of even number dated 31st January, 1981 the President has been pleased to extend the ad-hoc appointment of the undermentioned officers as Doputy Director General of Meteorology in India Meteorological Department till 31st May, 1981 or till the posts are filled up on regular 31st May 1981 or till the basis, whichever is earlier :-

- 1. Shri H. M. Chaudhury 2. Dr. A. K. Mukherjee
- 3. Dr. A. A. Ramasastry
- Dr. A. S. Ramanathan
 Dr. S. M. Kulshrestha
 Shri S. N. Tripathi

P. K. DAS Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 4th May 1981

No. A. 32013/11/79-E.C.—The President is pleased to appoint the following two Technical Officers to the grade of Senlor Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months with effect from the date and posted to the station indicated against each :--

SI. I	Name		Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
S/Si 1. Rav	hri vi Prakash	•	A.C.S., Varanasi	O/o the Regional Director, Safdarjung Airport, New Delhi.	30-3-81 (F.N.)
2. M.	K. Pal .	•	A.C.S., Calcutta	A.C.S., Calcutta	23-3-81 (F.N.)

The 7th May 1981

No. A. 12025/1/81-E.C.—The President is pleased to appoint the following three officers as Technical Officer with effect from the date indicated against each in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department and to post them in the office of the Director, Radio Construction & Dev. Units, New Delhi until further orders :-

Sl. No.	Name					Date of taking over charge
1. Shrl	Prabhakar Gupta	ı		•	-	13-4-81 (F.N.)
2. Shri	V. Goverthanan		•	•		15-4-81 (F.N.)
3. Shri	K. Venu .	-		•		14-4-81 (F.N.)

No. A.35021/1/79-EC.—On reversion from Foreign service from Gujarat Communications and Electronics Limited, Barcda, Shri S. K. Saraswati, Senior Technical Officer assumed charge of his office in the office of the Director, Radio Construction & Dev. Unit, New Delhi with effect from 15-4-81 (FN).

The 8th May 1981

No. A.38013/1/81-EC.--Shri A. K. Narayanan, Communication Officer in the office of the Officer-in-charge, Aeronautical Communication Station, Udaipur relinquished charge of his office on 31-3-81 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation.

> J. C. GARG Assistant Director of Administration

New Delhi, the 5th May 1981

No. A.32013/8/78-EC.-The President is pleased to appoint Shri S. Mark. Assistant Communication Officer at Aeronautical Communication Station, Madras to the grade of Communication Officer on regular basis w.c.f. 24-3-81 and to post him in the office of the Regional Director, Madras.

No. A. 32014/4/80-E.C.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants at present working as Assistant Technical Officer on ad-hoc basis to the grade of Assistant Technical Officer on regular basis w.e.f. 16-12-1980 and to post them to the stations indicated against each :-

SI. No.	Namo			Station of posting,
S	/Shri	-	_	
1. I). R. Krishnaswam	į.		Acro. Comm. Stn., Calcutta
	S. S. Verma .			Aero. Comm. Stn., Varanasi,
3 . K	. Ramanathan			Aero, Comm. Stn., Palam.
4. S	. K. Seth			Aero Comm. Stn., Mandasaur
5. J	aswant Singh			Aero. Comm. Stn., Bombay.,
). P. Juncia			Acro, Comm. Stn., Palam.
7. K	C. C. Sharma		•	Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi.
r 8, J	. R. Sharma			Aero. Comm. Stn., Porbandar.
* 9. I). R. Khadilkar			Aero. Comm. Stn., Bombay.
10. E	B. K. Puri .			Radio Const. & Dev. Units
				New Delhi.
11. N	V. K. Sen .	•	•	Radio Const. & Dev. Units, New Delhi.
12. F	t. Jayaraman	•		Aero Comm. Stn., Tiruchira- palli.
13. I	D. W. Jacob .	•	٠	Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi.
14. K	C. S. Mukherjee			Aero. Comm. Stn., Calcutta.
15. N	A. Sivasubramaniar	n		Aero, Comm. Stn., Madras.
16. K	C, T. John ,			Aero. Comm. Stn., Hyderabad
17. V	7. G. Joshi			Aero. Comm. Stn., Bombay.
18. S	. R. D. Burman			Aero. Comm. Stn., Calcutta.
19. A	A. Ramdoss .			Aero. Comm. Stn., Madras.
20. I	. S. Bedi .	•	٠	Radio Const. & Dev. Units. New Delhi.
21. A	A. N. Shirke ,			Aero. Comm. Stn., Raipur.
22. P	^P . L. Bajaj .	•	-	Radio Const. & Dev. Units, New Delhi.
23. T.). S. Krishnamoorti	hy		Aero. Comm. Stn., Calcutta
24. I	J. M. Prabhakar	•		Aero. Comm. Stn., Safdar- jung Airport, New Delhi.
25. I	P. K. Dhingra .	•	٠	Radio Const. & Dev. Units, New Delhi.
26. E). Pichumani			Aero. Comm. Stn., Madras.
	I. L. Chawla .			Aero, Comm. Stn., Nagpur.
28. S	S. P. Srivastava	•	•	Civil Aviation Training Centre, Allahabad.

S. Name No.		 Station of posting
29, S. P. Chaudhary		Aero. Comm. St, Calcutta,
30 Ishwar Dayal .	•	Aero. Comm. St., Safdar- jung Airport, New Delhi.
31. A. Mahalingaswara		Aero. Comm. St, Bombay
32. R. H. Mukunth		Acro. Comm. St., Madras

The 7th May 1981

No. A.32014/3/79-EC(pt V).—The Director General of Civil aviation is pleased to appoint Shri T. S. Jolly, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Gwalior to the grade of Assistant Technical Officer on ad-hoc basis w.e.f. 26-3-81 (FN) and to post him at Aeronautical Communication Station, Ahmedabad.

V. JAYACHANDRAN Assistant Director of Administration

New Delhi, the 30th April 1981

No. A-35018/18/79-EL.—The President is pleased to place the services of Shri P. K. Ramachandran, Deputy Director General of Civil Aviation Department at the disposal of INTERNATIONAL CIVIL AVIATION ORGANISATION under Technical Assistance Programme in Africa with central point at Lusaka (Zambia) with effect from 25-4-81 (Afternoon) on foreign service deputation basis.

S. GUPTA
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 7th May 1981

No. A.38015/3/80-ES.—Shri K. Srinivasan, Administrative Officer (Group 'B' post) in the office of the Regional Director, Bombay Region, Bombay Airport, Bombay, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 31st March, 1981, on attaining the age of superannuation.

C. K. VATSA Officer on Special Duty

OVERSEAS COMMUNICATION SERVICE

Bombay, the 7th May 1981

No. 1/29/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shri Aniruddha Ray, Technical Assistant, O.C.S., Switching Complex, Bombay as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same office, for the period from 10-12-1980 to 17-1-81, against short-term vacancy, purely on ad-hoc basis.

No. 1/84/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoint Shri S. Tirkey, Supervisor, Calcutta as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 10-11-80 to 3-1-81, against short-term vacancy, purely on ad-hoc basis.

No. 1/112/81-EST.—The Director General Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. Dattatry, Tech. Assistant, Arvi Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity, on regular basis in the same Branch with effect from the 20th March, 1981 and until further orders.

No. 1/482/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri T. Ramamurthy Supervisor, Madros as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 18-12-80 to 17-1-81, against short-term vacancy, purely on ad-hochasis

No. 1/491/81-EST.—The Director General Overseas Communications Service hereby appoints Shri K. Pullaiah. Offg. Technical Assistant, Poona as Assistant Engineer, in an 17-86GI/81

officiating capacity, in the Switching Complex, Bombay with effect from the forenoon of the 1st April, 1981 and until further orders, on regular basis.

H. L. MALHOTRA Dy. Director (Admn.), for Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 2nd May 1981

No. 16/359/80-Ests-I.—The President FRI & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Sudhir Kumar Sharma as Assistant Lecturer in Engineering and Surveying at the Forest Rangers College, Balaghat, in a temporary capacity w.e.f. the forenoon of 1st November, 1980 until further orders.

RAJAT KUMAR Registrar Forest Research Institute & Colleges.

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 6th May 1981

No. 5/81.—S/Shri Francis Xess and Budh Singh Office Superintendents are appointed to officiate as Assistant Chief Accounts Officer in the Directorate of Inspection and Audit, Customs & Central Excise, New Delhi with effect from 24-3-81 (A.N) vice S/Shri A. R. Sharma and Bhagwan Singh appointed as Inspecting Officers Group 'B'.

S. B. SARKAR Director of Inspection.

DIRECTORATE OF O. & M. SERVICES

New Delhi-110008, the 11th May 1981

No. 2/81.—Shri R. K. Bij, Office Superintendent of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, New Delhi presently working as Office Supdt. in this Directorate has assumed charge of the post of Additional Assistant Director in the Directorate of O. & M. Services. Customs & Central Excise, New Delhi w.e.f. 4th May, 1981 (F.N.).

K, J. RAMAN Director

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 6th May 1981

No. A-19012/851/80-Estt.V.—The Chairman, Central water Commission hereby appoints Shri Awadesh Sharma, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier with effect from 30-9-1980 (forenoon).

A. BHATTACHARYA Under Secretary Central Water Commission

MINISTRY OF LAW JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES COMPANY LAW BOARD

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Bec Dee Ahluwalia Financiers Pvt. Limited

The 28th April 1981

Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expira-

tion of three months from the date hereof the name of the M/s Bee Dce Ahluwalia Financiers Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

HAR LAL Assit. Registrar of Companies Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Dharana Security Printers Private Limited

Bangalore-56009, the 4th May 1981

No. 1396/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Dharana Security Printers Private Limited has this day been struck off the Register and the sald company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Gowribidnur Chit Funds Private Ltd.

Bangalore-56009, the 4th May 1981

No. 1667/650/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Gowribidnur Chit Funds Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Prakash Poly Extrusions Private Ltd.

Bangalore-56009, the 4th May 1981

No. 2147/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956. that the name of Prakash Poly Extrusions Private Ltd has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Podar Shakti Poly Steel Ltd.

Bangalore-56009, the 4th May 1981

No. 2596/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Podar Shaktl Poly Steel Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Ruby Royal Rubbers Ltd.

Bangalore-56009, the 4th May 1981

No. 2791/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1056, that the name of Ruby Royal Rubbers Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Jav Needle Bearing Corporation Private Ltd.

Bangalore-56009, the 4th May 1981

No. 3365/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jay Needle Bearing Corporation Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

P. T. GAJWANI, Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Eli Lilly and Company (India) Private Limited

Bombay-2, the 5th May 1981

No. 610/7831/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the Eli Lilly and Company (India) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Ms. Jamshed Vatcha Privated Limited

Bombay-2, the 5th May 1981

No. 618/4627/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sectilon (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the Jamshed Vatcha Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s S. N. K. Traders Private Limited

Bombay-2, the 5th May 1981

No. 619/19349/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sectilon (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the S. N. K. Traders Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Ateed Research Laboratory Private Limited

Bombay-2, the 5th May 1981

No. 620/19454/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-sectilon (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the Ateed Research Laboratory Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Ghai Roadways & Financiers Pvt. Limited

Jullundur City, the 5th May 1981

No. G/Stat/560/2646/765.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Ghai Roadways & Financiers Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Vishal Fertilizers and Chemicals Pvt. Ltd.

Jullundur City, the 5th May 1981

No. G/Stat/560/2725/709.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Vishal Fertilizers and Chemicals Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Paradise Electronics Private Limited

Jullundur, the 5th May 1981

No. G/Stat/560/2759/743.—Notice is hereby given pursuance to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Paradise Electronics Pvt. Ltd. has this day been struck off the Registrar and the said Company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Mona Finance & Chit Fund Pvt. Ltd.

Jullundur City, the 5th May 1981

No. G/Stat/560/2801/741.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mona Finance & Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. N. MAULIK Registrar of Companies Punjab, H. P. and Chandigarh.

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 5th May 1981

No. F. 48-Ad(AT)/81.—1. Shri M. K. Dalvi, Personal Assistant to President, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay, who was appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Pune Bench, Pune on ad-hoc

basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 2nd February, 1981 (FN) vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/81, dated 25th February 1981 is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Pune Bench, Pune on adhoc basis in a temporary capacity for a further period of 3 months with effect from 2nd May, 1981 or till the post is filled up no regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri M. K. Dalvi, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for cligibility for promotion to next higher grade.

2. Shri R. K. Ghosh, Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad on adhoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 6th February 1981 (FN) vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/81, dated 25th February 1981 is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad on ad-hoc basis in a temporary capacity for a further period of 3 months with effect from 6th May, 1981 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri R. K. Ghosh, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA President

FORM I.T.N.S.-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th April, 1981

Ref. No. R.A.C. No. 1/81-82/Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Door No. 6/137 situated at Samis ragudem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Nidavavole on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dhulipala Venkata Surya Narayana Murthy, S/o Venkata Rama Jogeswara Rao, Madduru, Kovvuru Taluk, W.G. District.

(Transferor)

(2) Madhava Industries, Nidadavole-534301.

(Transferce)

Objections, if any, to be acquisitions of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property was registered with the S.R.O., Nidadavole during the month of August, 1980 vide document No. 2006/

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 6-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 6th April, 1981

Ref. No. R.A.C. No. 2/81-82/Kakinada Squad,—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door No. 355 situated at Raja's Kota, Narasaraopeta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Narasaraopeta on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Raja Malraju Vijakrishna Gundu Rao Bahadur, Sri Venkata Rama Krishna Kondala Rao, Shri Prasant—being minor son rep. by father Shri R. M. V. K. Gundu Rao Bahadur (No. 1), Narasaraopeta, Guntur District.

(Transferor)

 Dr. K. Siva Prasada Rao, S/o Sanjivayya, Ward No. 2, Narasaraopeta, Guntur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property was registered with the S.R.O., Narasaraopet during the month of August, 1980 vide document No. 3756 80.

S. GOVINDARAJA
Competent Author
Inspedting Assistant Commissioner of Income-4
Acquisition Rang, Hyderab

Date: 6-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hydorabad, the 6th April, 1981

Rof. No. R. A. C. No. 3/81-82/Kakinada Squad.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Door No. 355-AD/1A situated at Raja's kota Narasaraopeta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Narasaraopeta on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said it, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following one, namely:—

- (1) 1. Shri Raja Malraju Vijaya Krishna Gundu Rao Bahadur.
 - 2. Sri Venkata Rama Krishna Konda Rao and
 - Prasant—Minor son of Shri Vijaya Krishna Gundu Rao (S. No. 1),
 Narasaraopeta,
 Guntur District.

(Transferor)

- I. Dr. M. Venkateswara Rao, S/o Sambiah and
 - Smt. M. Uma Dovi, W/o Shri M. Venkateswara Rao, Narasaraopeta, Guntur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property was registered with the S.R.O., Narasaraopeta during the month of August, 1980 vide document No. 942/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderahad.

Date: 6-4-1981

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th April, 1981

Ref. No. R. A. C. No. 4/81-82/Kakinada Squad.---Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Site T. S. No. 677 situated at 6th Ward; 16th Block, Ongole (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ongole on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Thummala Venkaiah, S/o Veeraiah, Santhapeta, Ongole.
 Shri Sirigiri Perayya, S/o Peda Venkaiah, Santhapeta, Ongole.

(Transferor)

(2) Shri Kota Prabhakara Rao, Adopted son of Sri Jalayya, Lawyerpeta, Ongole.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site of 1035 Sq. yards, 6th Ward-16th Block, T. S. No. 677 of Ongole Town was registered with the S.R.O., Ongole during the month of October, 1980 vide documents No. 3505 and 3506 of 1980.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Dato: 6-4-1981

Form I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th April, 1981

Ref. No. R. A. C. No. 7581-82/Kakinada Squad.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land 1989/1A & 1989 situated at Suryaraopeta, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kakinada on August, 1980 and December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Yella Venkatachalam S/o Late Achayya
 - 2. Shri Yella Achutaramalah, S/o Venkatachalam
 - 3. Shri Yella Ramamurth S/o Venkatachalam
 - 4. Shri Yella Krishnarao S/o Venkatachalam
 - 5. Shri Yella Srinivasa Rao, S/o Venkatachalam

M/s. Rep. of father Shri Y. Venkatachalam (S. No. 1) Yellavari Street, Kakinada, E. G. District.

(Transferors)

(2) Shri Mootha Gopalakrishna, S/o Late Venkateswarlu, Managing Director Mansa Hotels Private Ltd., Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of A. C. 10-01 bearing X. No. 1989/1A and 1989 at Suryaraopeta, Kakinada was registered with the S.R.O., Kakinada during the months of August, 1980 and December, 1980 vide documents No. 6494/80 and 9457/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Neelagiri Madhavrao, S/o Appalaswamy, Ankapally,

(Transferor)

(2) Shri Neelagiri Nooka Raju, S/o Appalaswamy, Ankapally,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th April, 1981

Ref.No.R.A.C. No. 7/81-82.—Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door, No. 6-5-17 situated at 5th Ward, Sarvakamadamba Ammavari Street. A. K. P.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration

Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the registering officer at Anakapalli on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-18-86GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-5-17, 5th Ward, Sarvakamadamba Ammayari Street, Anakapalli was registered with the S.R.O., Anakapalli during the month of August, 1980 vide document No. 4707/

> G. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 9-4-1980

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th April, 1981

Ref. No. R. A. C. No. 8/81-82/Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Site T. S. 300 situated at Narasaraopeta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfererd under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Narasaraopeta on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Raja Malraju Vijayakkrishna Gundu Rao Bahadur
 Shri Venkata Rama Krishna Kondal Rao.
 - 3. Prasant—Being minor Rep. by Sri V. K. Gundu Rao Bahadur, Narasaraopeta, Guntur District.

(Transferors)

(2) Shri Marri Peddayya,S/o Gopala Krishnaiah,Narasaraopeta, Guntur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site only 2403 Sq. yards T. S. No. 300-Rajagari Kota, Narasaraopeta was registered with the S.R.O., Narasaraopeta, during September, 1980 vide doc. No. 3805/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 6-4-1981

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th April, 1981

Ref. No. Karnal/66/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential House No. XII-157, Ghati Ghoose, situated Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Padam Parshad Jain S/o Shri Dalip Singh, R/o Karnal Boot House, G. T. Road, Karnal.

(Transferor)

(2) Parkasho DeviW/o Shri Sunder Lal,XII 157, Ghati Ghoose, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property being residential House No. XII-157 Ghati Ghoose, Karnal and as more mentioned in the Sale deed registered at No. 2826 dated 20-8-1980 with the Sub-Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 14-4-1981

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th April, 1981

Ref. No. Ambala/75/80-81.—Whereas, I. G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Kothi No. 345 mea uring 432 sq. yards situated at Model Town, Ambala City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lt. Col. Bhupinder Singh Sobti S/o Shri Jaswant Singh, Room No. 27, Royal Hotel Meerut City.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Shushila Devi Tondan W/o Snri M. L. Tondan,
 - 2. Shri Arun Kumar Tandon,
 - 3. Shri Ramesh Kumar Tondon,
 - 4. Shri Ravinder Kumar Tondon,
 - 5. Shri Rakesh Kuma, Tondon,
 - Shri Avinash Kumar Tondon.
 Sons of Shri M. L. Tondon,
 R/o 345, Model Town,
 Ambala City.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Kothi No. 345 measuring 432 sq. yard situated at Model Town, Ambala City and as more mentioned in the Sale deed registered at No. 3042 dated 25-9-1980 with the Sub-Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 14-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th April, 1981

Ref. No. Nilokheri/10/80-81.—Whereas I, G. S GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 54-B, situated at Nilokheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nilokheri in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dr. (Smr.) Raj Sabharwal
 W/o Shri P. C. Sabharwal
 R/o 54-N, Gole Talab, Area,
 Nilokheri.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Rattan Jajswal W/o Shri S. P. Jajswal, House No. 58, Sector 11-A, Chandigarh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 54-B, situated at Nilokheri and as more mentioned in the sale deed registered at No. 788 dated 22-8-1980 with the Sub-Registrar, Nilokheri.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 14-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th April 1981

Ref. No. Jagadhari/35/80-81,—I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. House No. C-5/506, M.C., Nanakpura situated at Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Jagadhari in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri Kulbir Singh S/o Shri Joginder Singh R/o Hongoli District, Jagadhari.

(Transferor)

(2) S/Shri Sarvjit Singh and Manjit Singh, S/o Shri Harbhajan Singh R/o Sura, District Kurukshetra.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. C-5/506 M.C., situated at Nanakpura Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3039 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 10-4-1981

Scal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th April, 1981

Ref. No. Karnal/53/80-81.—Whereas 1, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Residential House situated at Karnal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Manmohan Kalra
 Lachhman Dass,
 Karol Bagh, New Delhi.
 - Shri Madan Mohan Kalra S/o Shri Lachhman Dass, Warden Road, Bombay.
 - Smt. Shushma Chawla W/o Shri Harish Chawla, N.I.T., Faridabad.
 - Smt, Neelam Arora W/o Shri M. K. Arora, Bank Colony, Ratlam (U. P.).

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chand S/o Shri Tara Chand, Shop No. 3, Janta Mandi, Novelty Road, Karnal.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being residential House situated at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2667 dated 4-8-1980 with the Sub Registrar, Karnal,

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak,

Date: 14-4-1981

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th April 1981

Ref. No. Kaithal/7/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe tha the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 17 kanal 8 maria (8700 sq. yards) situated at Kaithal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kaithal in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (i) S/Shri Pirthi, Bhartha, Chartu, Bhalla ss/o Shri Munshi S/o Hari Ram R/o Village Kakehri, Teh. Guhla.
 - (ii) Smt. MangliWd/o Shri MunshiS/o Shri Hari Ramc/o above.
 - (iii) S/Shri Malkhan, Arjan ss/o Shri Fata S/o Shri Hari Ram, Smt. Rani, Smt. Kaushalya, Smt. Chalti ds/o Shri Fata S/o Shri Hari Ram R/o Amargarh Gamri, Kaithal.

(Transferor)

(2) S/Shri

- (i) Chandu Ram S/o Ram Chander R/o Village Pega.
- (ii) Radha Krishan S/o Mool Chand, R/o Kaithal.
- (ili) Nihal Chand S/o Bhola Ram, Village Amargarh Gamri, Kaithal.
- (iv) Joginder Singh S/o Kirpal Singh, Dongran Gate, Kaithal.
- (v) Mhlan Singh Fauji S/o Lachhman Singh Village Shardha.
- (vi) Darya Singh brother of above.
- (vii) Ratia S/o Munshi Ram, Villago Shardha, Tch. Kaithal.
- (viii) Bhagwat Parkash Siledar S/o Des Raj, Chand Colony, Kaithal.
- (ix) Lala SinghS/o Baggah SinghR/o Muana, Tch. Safidon (Jind)
- (x) Bal Mukand
 S/o Shri Sadhu Ram,
 H. No. 108/M, Karnal Road, Kaithal.
- (xi) Vipin Parkash S/o Rajinder Parshad R/o Karnal.
- (xii) Lavlesh Kumar S/o Rajinder Parshad R/o Karnal.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 17 kanal 8 marla situated at Kaithal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2277 dated 27-8-1980 with the Sub-Registrar, Kaithal.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 14-4-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th April 1981

Ref. No. Sonepat/18/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 12, Municipal Colony, situated at Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sonepat in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
19--86GI/81

Shri Om Parkash
 S/o Shri Humak Chand,
 House No. 416, Sudama Nagar,
 Sonepat.

(Transferor)

 Smt. Kanta Devi W/o Shri Kashmiri Lal, House No. 12, Municipal Colony, Sonepat.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 12, Municipal Colony, Sonepat and as more manifored in the sale deed registered at No. 2158 dated 4-9-80 with the Sub-Registrar, Sonepat.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 14-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th April, 1981

Ref. No. Jagadhari/49/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 4 125-BL, Model Town, situated at tamunay-nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jagadhari in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Jagjit Kaur Wd/o Shri Harbans Raj Singh, Kothi No. 510, Sector 15-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Kumari Chananna W/o Shri Balrani Chananna R/o 125-BL, Model Town, Yamuna Nagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 125-B. L, Model Town, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3420 dated 12-9-1980 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 14-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th April 1981

Ref. No. RTK/36/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

H. No. 512-A, B. IV, Railway Road, situated at Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Rohtak in October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Rishi Parkash
 S/o Shri Khem Lal
 C/o Sikher Chand Duli Chand,
 Jhajjar Road, Rohtak.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Devi Bansal W/o Shri Madan Lal Bansal C₁o Sham Lal Bansal Mehta Bullding, Railway Road, Rohtak

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 512-A, B-IV (New No. 540/W-17), Railway Road, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3184 dated 17-10-1980 with the Sub-Registrar Rohtak.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 6-4-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th April 1981

Ref. No. Gurgaon/39/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No 26/9, Rattan Garden, situated at Gurgaon Cantt

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

1) Shri Manohar Lal Ram Chander ss/o Shri Chiman Lal. Mandl, Hissar.

(Transferor)

Shri Bhagwan Dass S o Shri Tota Ram, Rattan Garden, Gurgaon Cantt.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 26/9, Rattan Gardon, Gurgaon Cantt, and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3738 dated 29-10-1980 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

> G. S. GOPALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date; 6-4-1981

FORM LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK Rohtak, the 6th April 1981

Ref. No. Rohtak/39/80-81.—Whereas I, G. S GOPALA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 512-A, B-IV, Aath Shera Railway Road, situated at Rohtak

(and more fully described in the Scheduled annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor as more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Trilok Chand
 S/o Khem Lal
 C/o Rohtak Cloth Merchants,
 Vijay Market,
 Rohtak,

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntia Bansal W/o Madan Lal Bansal C/o Sham Lal Bansal, Mehta Building, ailway Road, Rohtak.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 512-A, B-IV (New No. 540/W-17), Railway Road, Rotak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3333 dated 39-10-1980 with the 2Sub-Registrar, Rohtak.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 6-4-1981 Seal:

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Kothi No. 5, Kilash Nagar, Model town, Ambala City.

odel town, Ambala City. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Roht it the 14th April, 1981

Ref. No. Ambala/42/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 5 measuring 400 sq. yards situated at Kaliash Nagar, Model Town, Ambala City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

 Shri Sushil Rattan Chopra S/o Shri Mukandi Lal Chopra, Sector 22-A, Chandigarh.

(2) Shri Prem Chand Sharma,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Kothi No. 5 measuring 400 sq. yards situated at Kailash Nagar, Model Town, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2439 dated 13-9-80 with the Sub-Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 14-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR Jaipur, the 18th April, 1981

Ref. No. 921.—Whereas, I, M. L. GHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing :

No. Shop No. 71 situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sriganganagar on 30-8-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Motia Devi, w/o Shri Kala Ram and Tilak Raj, Manmohan Lal, Prem Prakash, sons of Shri Kalaram Bhatia, 4-M Block, Sriganganagar.

(Transferor)

 Shri Vinod Kumar, S/o Shri Bishambhar Dayal Agarwal, Sriganganagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Shop No. 71, Gole Bazar, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Sriganganagar vide No. 1902tated)-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 18-4-1981

Scal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th April, 1981

Ref. No. 922.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 71 situated at Sriganganagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sriganganagar n 17-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exercides the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shrimati Motia Devi,
 W/o Shri Kalaram and
 Tilak Raj,
 Manmohan Lal,
 Prem Prakash,
 sons of Shri Kalaram Bhatia,
 4-M Block, Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Chandra Agarwal, s/o Shri Blshambhar Dayal Agarwal, Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of shop No. 71, Gole Bazar, Gauganagar and more fully described in the sale deed registered by the S. R., Sriganganagar vide No. 1901 dated 17-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jalpur.

Date: 18-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th April, 1981

Ref. No. 914.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 34 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 20-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—86GI/81

 Shri Chaturbhuj Marwal, S/o Bhuramalji Marwal, L. H. Shri Kirit Bhai Pareekh, Niwasi Bhagatwatika, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Brahm Swaroop Sharma, S/o Shri Hanuman Prashad Sharma, E-95, Subhash Marg, C-Scheme, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 34, Bhagatwatilka, Civil Lines, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R., Jaipur vide No. 3186 dated 20-12-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 8-4-1981

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th April 1981

Ref. No. 913.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 34 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Chaturbhuj Marwal,
 S/o Bhuramalji Marwal,
 Niwasi Bhagat Vatika,
 L. H. Kirit Bhai Pareekh
 S/o Heera Bhai Pareekh,
 Niwasi Ramganj Gandi, Kota.

(Transferor)

(2) Shrimati Rama Devi, W/o Kishan Gopalji Marg, R/o J-37, Krishna Marg, C-Scheme, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPDANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 34, Bhagatwatika, Civil Lines, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No. 3033 dated 15-11-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 8-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Satya Narain, S/o Shri Kanhyalal Bhukmaria, R/o Samod.

(Transferor)

(2) Shri Prabhatilal S/o Shri Kaluram D-81, Janta Colony, Jaipur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th April 1981

Ref. No. 917.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 8, situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 21-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8, Raghunath Colony, Jaipur measuring 600 sq. yd. free hold land and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No. 2068 dated 21-8-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th April 1981

Rof. No. 920.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 4-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Dharam Singh,
 S/o Shri Ded Ram Jat,
 Chak 2 E, Teh. Ganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Kishan, S/o Shri Inder Singh, Chak 2-E, Teh. Ganganagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Chak No. 25-E Choti 7 bighas 10 biswa of agricultural land and more fully described in the sale deed registered by S. R., Ganganagar vide No. 1670 dated 4-8-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition range, Jaipur,

Date: 18-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th April 1981

Ref. No. 915.—Whereas, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 35 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 6-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kirtibhai Parcek, Karta of H.U.F., Through G.P.A. Shri Chaturbhuj Marwal, Bhagatwatika, Jaipur.

(Transferor)

Dr. Satya Swaroop,
 S/o Hanuman Sahai Sharma,
 Subhas Marg,
 C-Scheme, Jajpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 35, Bhagatwatika, Civil Lines, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R., Jaipur vide No. 111 dated 6-1-1981.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 7-4-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th April, 1981

Ref. No. 916.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Ramganjmandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramganjmandi on 27-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhawani Singh S/o Bapu Singh Rajput, R/o Kumbh Kote.

(Transferor)

 M/s. A. S. I. Ltd., Ramganj Mandi, Kota.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

19 blgha)biswa of agricultural land situated at Village Kumbhalkot and more fully described in the sale deed registered by S. R., Ramganj Mandi vide No. 80 dated 17-8-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 7-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th April, 1981

Ref. No. 923.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 26-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramchand, Shri Balchand, Shri Mahadeolal, Shri Bhagchand, and Prakash Chand sons of Shri Lalchand, Badanpura, Teh. & Distt, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Chandrasen Jain, S/o Shri Chandanmal Jain, J-128, Fatch Tiba, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land situated at as Badanpura, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No. 3211 dated 26-12-1980.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 18-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th April, 1981

Ref. No. 914.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 34 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 27-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Chaturbhuj Marwal, G.P.A. Shri Kiritbhai Pareek, Civil Lines, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Chandra Shekhar Sharma, S/o Hanuman Prashad Sharma, E-95, Subhash Marg, C-Scheme, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 34, Bhagatwatika, Civil Lincs, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 3219 dated 27-12-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 18-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, **ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 28th April, 1981

Ref. No. Raj./I.A.C. (Acq.) 38.—Whereas, I' M. L. CHAUHAN.

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Godown situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--21--85 GI/81

(1) Shri Chandalal S/o Kesharlal Jain R/o Keshar Bhawan, Station Road, Jaiour

(Trans feior)

(2) M/s. Sales & Transport Corporation through Shri Nirmal Kumar Somani, 8-B Alipur Road, Calcutta-27.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown situated at Mandawa House, Sansar Chand Road, Jaipur and more fully described in conveyance deed Registered by Sub-Registrar, Jaipur vide S. No. 1751 on 8th August 1980.

> M. L. CHAUHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition ange, Jaipur.

Date: 28-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th April, 1981

Ref. No. Raj./I.A.C. (Acq.)/927.—Whereas, I, M. L. CHAU-HAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Godown situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 12th August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Phool Chand S/o Kesharmal Jain Keshar Bhawan, Station Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s. Sales and Transport Corporation through Shri Nirmal Kumar Somani (Partner), 8-B, Alipur Road, Calcutta-27.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown situated at Mandawa House, Sansar Chand Road Jaipur and more fully described in conveyance deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide No. 1790 on 12th August, 1980.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range Jai24

Date: 28-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 24th April, 1981

C. R. No. 62/27866/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Site No. 256 situated at Binnamangala Layout, HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore-38

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Shivajinagar Bangalore Doc. No. 1876/80-81 on 26-8-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Lt. Cmdr. E. Mittra
 S/o E. E. Mittra,
 residing at No. 50, Hepburn Way,
 Balca, W. A. 6061,
 Repd. by his P. A. Holder
 Mr. W. S. Marley No. 14,
 Rest House, Crescent Civil Station,
 Bangalore-1.

(Transferor)

- (2) 1. Dr. B. Saraswathy, No. 98, J an Midah Besar, Taman Midah, Cheras Road, Kuala Lumpur, West Malaysia, reptd. by P. A. Holder Mr. B. Badradri D'Souza and Radhakrishnan, 2nd Floor, Catholic Centre Buildings., 64, Aremenian Street, Madras-600001
 - Dr. T. K. Natarajan, No. 29, Temple Avenue, Srinagar, Madras-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1876/80-81 dated 26-8-1980) Property bearing site No. 256, situated at Binnamangala Layout (Defence Colony) HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore-38, measuring 715-33 sq. metres in all.

Boundaries:

East by site No. 280 West by 30' road Norty by site No. 255 South by site No. 257

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-4-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 25th April, 1981

C. R. No. 61/28073/80-81/Acq./B.—Whereas I, R. T. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5/2 (New No. 15), situated at Omer Shariff Road, Basavangudi, Bangalore-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavangudi, Bangalore Doc. No. 2171/80-81 on 26-8-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dr. Bharathi Pillai,
 No. 82, Raja Basantha Ray Road,
 Post Office Rajbehari Avenue,
 Calcutta-700029
 rept. by P. A. Holder Mr. S. P. Sarathy,
 No. 51, Lavelle Road,
 Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Kum. Githanjali Mahadevan, No. 74, Harrington Road, Chetput Madras-31, reptd. by P. A. Holder Mr. M. Mahadevan, No. 74, Harrington Road, Madras-31.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2171/80-81 dated 26-8-1980) Property bearing No. 5/2, (New No. 15) situated at Omer Shariff Road, Basavangudi, Bangalore-4, measuring 137.95 sq. metres in all with building thereon.

Bounded on:

North by: Omer Shariff Road South by: House No. 35 East by: Church Road, West by: Kanakapura Road.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 25-4-1981

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 27th April, 1981

C. R. No. 62/27904/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 1; 2, Old No. 47, and after 1; A, situated at Pipe line 'A' Cross, Bangalore-3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore, and Document No. 1935/80-81 on 8-8-1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Smit. C. S. Susheelamina
 - (ii) Sri. C. S. Nagaraju
 - (iii) Sri C. S. Sathyanarayana
 - (iv) Smt. C. S. Sreedivi
 - (v) Master C. N. Raghavendra, Minor son of No. 2.
 All residing at No. 37, Pillappagalli, Nagarthpet Cross, Bangaloro city.

(Transferor)

- 2) (i) Sri D. G. Nagendra Sa
 - (ii) Smt. Lalithamma W/o No. 1, residing at No. W. 31, Basappa Garden, Pipeline 'C' Cross, Malleswaram, Bangalore city.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1935/80-81 dated 8-8-1980)
All that property bearing Old No. 47, then 1: A, and Now 1; 2, Situated in Pipe line 'A' Cross, Bangalore city.
Bounded by

On North—Road.

On South-Drainage.

On East-Sri Lingappa's Property.

On West--Sri Masti Vccranna's Property.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-4-1981

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 14th April, 1981

C. R. No. 62/28334/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THO-THATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 18/1, situated at Hutchins Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Shivajinagar Bangalore (Document No. 2493/80-81) on 24-10-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mr. Albert Francis James Eldred
 Smt. Muriel Beatrice, Eldred,
 No. 31, Davis Road,
 Richmond Town, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr. A. Chandrasekhar, No. 14, Promanade Road, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2493/80-81 dated 24-10-1980) Property bearing No. 18/1, situated at Hutchins Road, Division Nol 49, Bangalore measuring 608 20 sq. metres site area and 9:30 sq. metres building thereon.

Bounded on:

North by : Private Property
South by : Private Property
East by : Private Property
West by : : By Hutchins Road.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 14-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 23rd April, 1981

C. R. No. 62/28719/80-81/Acq./B.—Whereas, J. R. THO-THATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 36, situated at Da Costa Square, St. Mary's Town, Bangalore

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Shivajinagar, Bangalore Document No. 2659/80-81, on 21-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. V. John, No. 27/4, Damodhar Mudaliar Street, Ulsoor, Bangalore-8.

(Transferor)

1. Shri Hira Lal,
 2. Shri Ranjit Lal,
 No. 2, Sea Gull,
 Carmichael Road,
 Bornbay-26.

(Transferees)

(3) Transferor

(Persons in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2659/80-81 dated 21-10-1980) Property bearing No. 36, situated at Da Costa Square, St. Mary's Town, Bangalore-5, measuring 3121-14 square metres, in all.

Bounded on:

North: by Private Property.
South: by Private Property.

East : by Road.

West : by Private Property.

R. THOTHATHRI
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-1.

Date: 23-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 23rd April, 1981

C. R. No. 62/28871/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 32/1, situated at 2nd Main Road, 8th Block, Jayanagar, Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jayanagar, Bangalore Document No. 4213/80-81 on 2-11-1980 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri K. A. Lakshminarayanan,
 Shri K. L. Venkatachalam,
 both residing at 'Prathiksha',
 Thottekat Lane,
 Punnkunnum, Trihchur-2.

(Transferor)

(2) Shri N. S. Mani, S/o Late G. Nagarathmiyer, No. 32/1, Ind Main Road, 8th Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferee)

(3) Transferec

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4213/80-81 dated 2-11-1980) Property bearing No. 32/1, situated at 2nd main road, 8th Block, Jayanagar, Division No. 34, Bangalore, measuring in all 502 00 Square meters.

Bounded on:

North by—Private property. South by—Private Property East by—Private property. West by—Second main Road.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 23-4-1981

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 30th April, 1981

Notice No. 330-A/81-82.—Whereas, I, R. THOTHATHRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

City Survey Chalta No. 1 to 6 of P. T. Sheet No. 112 situated at Santa Inez, Panaji City, Village of Teleigao, taluk, Ilhas, Goa. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Ilhas Go2, Doc. No. 227/80-81. on 4-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 22—86GI/81

- (1) 1. Shri Rajaram Dattaram Wagle
 - 2. Smt. Anandibai Rajaram Waglo
 - 3. Sri Dinanath Bhandare
 - 4. Sri Vanaica Naraina Rataboli,
 - 5. Sri Manguesh Rajaram Wagle All residents of Panaji, Goa.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Abdul Gaffar
 - 2. Sri Abdul Wahid,
 - 3. Sri Abdul Sattar
 - 4. Smt. Kunda Laxmikant Bhandare
 - S. No. 1 to 3 residing at C/o M/s. Vanarai Realaters,

No. 210, Govinda Building,

Panaji Goa,

S. No. 4 W/o L. S. Bhandari,

Architect & Estate Developers.

Near Geotha Bakery,

Panaji Goa.

(3)

(Trausferee)

(4) The Goa Urban Co-op. Bank Ltd., Menezes,

Braganza Road, Panaji, Goa.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 227/80-81 dated 4-8-1980)

Agricultural as well as Non-Agricultural property known as Masconda bearing City Survey Chalta No. 1 to 6 of P.T. Sheet No. 112 of Panaji City situated at Santa Inez within the village of Teleigao, Taluk Ilhas, Goa.

> R. THOTHATHRI Competent Auhority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Range, Bangalore.

Date: 30-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 23rd March, 1981

Ref. No. P. R. No. 1339/Acq.-23-1/80-81.—Whereas, I MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 371, Sub-plot No. 39, T. P. S. 25, F. P. 467 situated at Khokhra Memdabad, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ahmedabad on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Kantilal Gordhandas Doshi & others; through Power of Attorney Holder: Shri Balmukund Chunilal Doshi;
 8-B, Prabhu Park Society, Near Museum, Paladi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Ketan Apartment Coop. Housing Society, Maniyasha Society, Near Manibhai's House, Khokhara Mehmdabad, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 800 sq. yds. i.e. 768 90 sq. mts. bearing S. No. 371, sub-plot No. 39, T. P. S. 25, F. P. No. 467, situated at Khokhara Mehdabad, Maniyasha Society, Near Manibhai's House, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, vide sale-deed No. 10571/August, 1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 23rd March, 1981

Rof. No. P. R. No. 1340/Acq./23-I/80-81.— Whereas, I, MANGL LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 119-1 situated at Village Sola, District Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfererd under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 2-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Jayantilal Dahyabhai Patel & others;
 Village Sola;
 Distt. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Ramanlal Parshottamdas Chokshi; Bangalow No. 6, Purnanand Ashram, Near Ishver Bhawan, Near H. L. College of Commerce, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 119-1, adm. 11 gunthas situated at village Sola, District Ahmodabad duly registered by registering Officer, Ahmodabad vide sale-deed No. 10971/2-8-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-3-1981

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD Ahmedabad, the 23rd March, 1981

Ref. No. P. R. No. 1341/Acq.-23-I/80-81.-- Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 119-2 & 124-1 situated Village Sola, Distt. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 2-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Keshabhai Somabhai & others; Village Sola, District Ahmedabad.

(Transferor

(2) Shri Ramanlal Parshottamdas Chokshi; Bungalow No. 6, Near Purnand Ashram, Near Ishwar Bhawan, Nr. H. L. College of Commerce, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 119-2, & 124-1, adm. 1 A. O. Guntha and 1 A. 5 Gunthas respectively, situated at Village Sola, District Ahmedabad, duly registered by Rogistering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 10972 & 10973/2-8-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-3-1981

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 23rd March, 1981

Ref. No. P. R. No. 1342/Acq.-23-I/80-81.—Whereas, l, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T. P. S. 3, F. P. 768-1-2 Sub-Plot No. 7, situated at Parimal Crossing-Rly. Ellisbridge, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrì Thakorbhai Manubhai Shah; 36, Sampatrai Colony, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Kantilal Nagardas Shah; C/o G. K. Chokshi & Co., 112, New Cloth Market, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share in land adm. 800 sq. yds. with plinth adm. 74:33 sq. mts. situated at Parimal Rly. Crossing, Ellisbridge, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 11134/20-8-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 23-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, AHM EDABAD

Ahmedabad, the 23rd March, 1981

Ref. P. R. No. 1343/Acq./23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. T. P. S. No. 22, F. P. No. 364 & 366 situated at Vasana, District Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nabibhai Abdullabhai Bagadiya & others; Sugrais Pole, Kalupur, Ahmedabad-1.

(Transferor)

(2) Amar Apartments Coop. Housing Society Ltd., C/o Vinodbhai Shantilal; Jagabhai Seth's Pole, Dhal's Pole, Astodia, Ahntedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ŷ

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 800 sq. yds. & 832 sq. yds. bearing T. P. S. 22, F. P. 366 and 364 respectively, situated at Vasana, Behind Namdar Hotel, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide sale-deed No. 10142 and 10141/August, 1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 23rd March, 1981

Ref. No. P. R. 1344/Acq.-23-1/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 855/2 situated at Vajalpur, District Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-8-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Ugriben Hathiji Chelaji; Village Mohmadpura, Makarba, Distt, Ahmedabad.

(Transferor)

- 1. Shri Laxmanbhai Nandulal Dalal; Beside Manali Apartments, Nr. Atira, Ahmedabad.
 - Shri Nitin Shantilal Parikh, Beside Sir L. A. Shah Law Collego, Law Garden, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 3-A-33G, bearing S. No. Vejalpur, District Ahmedabad duly registered by **Registering** Officer, vide sale-deed No. 11980/30-8-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge-I, Ahmedabad

Date: 23-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 23rd March, 1981

Ref. P. R. No. 1345/Acq./23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 494, Paiki situated at Village Vejalpur, District Aluncdabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 11-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

 Shri Somaji Maganji Thakore, Near Sainath Society, Vejalpur, Ahmedabad-51.

(Transferor)

- (2) 1. Madhur Laxmi Coop. Housing Society Ltd., through: Chairman Shri Shanabhai C. Rathod, Sabarmati, Ramnagar, Ahmedabad.
 - Shri Navinchandra Shivlal Jaiswal;
 Vibhavri Society No. 1,
 Bungalow No. 17,
 Jivraj Park,
 Vejalpur Road,
 Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 19416 sq. yds. bearing S. No. 494—situated at Vejalpur, District Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 11072/11-8-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-4-1981

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 23rd March, 1981

Ref. Nol P. R. 1346/Acq./23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No.-situated at Station Plot, Dhoraji

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhoraji on 14-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bai Shivkunvar Gordhandas; wife of Shah Chunilal Hansraj; through P. A. Holder; Vinodchandra Chunilal Shah; 17-Tarachand Street, Calcut a.

(Transferor)

 Dr. Ramniklal Karasanbhai Dhaliya; Bhakubhaji Para, Dhoraji.

(Transferce)

(3) Shri Ratilal Dahyabhai; Station Plot, Dhoraji.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building standing on land admeasuring 420 sq. yds. situated at Station Plot, Dhoraji and as fully described in the sale-deed registered vide Registration No. 646 dated 14-8-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-3-1981

Seal:

23 ~3531/81

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 23rd March, 1981

Rcf. No. P. R. No. 1347/Acq./23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 59, situated at Bage Firdosh, Village Amraiwadi, District Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by move than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Shardaben Chimanlal Atmaram; 1237, Near Ranchhodji's Temple, Saraspur Char Rasta, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Ami Akhand Anand Coop. Housing Society Ltd. through: Shri Mangaldas Jugaldas Patel; Lahta Colony, Near Bhaduvat Nagar, Vatva Road, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 29503 sq. yds, paiki bearing S. No. 59, situated at Amraiwadi alias Bage Firdosh, Distt. Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 11106/7-8-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Date: 23-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 23rd March, 1981

Ref. No. P. R. No. 1348/Acq./23-I/80-81,---Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 607, paiki situated at Isanpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ahn, thussain Jafarhussain and others. Village Vatva, District Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Vrajesh Coop. Housing Society Ltd., 'Chairman P. I. Patel of Isanpur; C/o Raksha Builders, 4th Floor, R. B. Commercial Centre, Near Dinbai Tower Road, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 20145 sq. mtrs. with plinth bearing S. No. 607, paiki, situated at Isanpur, Distt. Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 11514/22-8-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 23-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 16th March 1981

Ref. No. P. R. No. 1096/Acq.-23-II/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 210/A, Tika No. 8, Bhaysarvad, Choksi Bazar, Nadiad Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registeirng Officer at at Nadjad on 29-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Ravjibhai Bhalabhai Desai himself and on behalf of
 - (i) Harivadan Ravjibhai Desal;
 - (ii) Sureshchandra Ravjibhai Desai;
 - (iii) Hemantkumar Ravjibhai Desai;
 - Gunvant Ravjibhai Desai;
 Maninagar, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Prakashchandra Vadilal Shah,
 - Shri Mukeshchandra Vadilal Shah, Amrakunj Society, Mota Mahadev Road, Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor portion of the building situated at Bhavsarvad area of Nadjad Town bearing Survey No. 210/A Tika No. 8, and as fully described as per sale deed bearing registration No. 4728 registered in the office of Sub-Registrar, Nadjad on 29-8-80.

MANGI LAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 16-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 31st March, 1981

Ref. No. P. R. No. 1099/Acq.-23-II/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 124 situated at Fulpada, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 1-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Harshadlal Nathalal Raval;
 Villago Fulpada^c
 Taluka : Choryasi,
 Distt. Surat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Bhimjibhai Kalyanbhai Patel;

2. Shri Babubhai Dudhabhai Patel;

C/o Dharmanagar Coop. Housing Society Ltd., Ashwinikumar, Surat. (Tranfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land bearing S. No. 124 situated at Fulpada, Surat Registration Nos. 4624 and 4631 and 4633 rto 4637 duly registered at Surat.

MANGI LAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 31-3-1981

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 31st March 1981

Ref. No. P. R. No. 1100/Acq./23-II/80-81.---Whereas, 1 MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C. S. No. 2572 paiki land situated at Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 8-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Puspaben Rasiklal Shah;
 9-Chopati Road,
 Bombay-7.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Vipin Gunvatrai Desai--President;
 - Shri Nitin Ratilal Patel—Mantri;
 C/o Chetali Coop. Housing Society;
 301' Sita Apartment,
 Nanpura,
 Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE

The property at C. S. No. 2579, Surat Dumas Road, Athwa duly registered on 8-8-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dato: 31-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 6th April 1981

Ref. No. P. R. No. 1349/Acq.-23-I/81-82.—Whereas, I MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 43 of Survey No. 449, situated at Shakti Colony Street No. 1; Behind A. G. Office, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajkot on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Jivrambhai Narbherambhai Padya;
 P. A. Holder of:
 Smt. Ichhaben Labhshankar Vyas;
 Bodaka, Taluka Jodia,
 Distt. Jamnagar.

(Transferor)

 Vasantray Hemrajbhai Sejpal; Shakti Colony, Sheri No. 1, Raikot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 192-6-54 sq. yds. bearing S. No. 449, paiki Plot No. 43, sub-plot No. 1, situated at Street No. 1, Shakti Colony, Behind A. G. Office, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 4813 dated August, 1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 6-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 4th April 1981

Ref. No. P. R. No. 1350/Acq./23-I/81-82.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House property at Mahalaxmi Road, , situated at Mahalaxmi Road, Dhoraji

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhoraji on 20-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excerds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amichand Kalidas Sheth; Mahalaxmi Road, Dhoraji.

(Transferor)

(2) Shri Rameshchandra Vrajlal Vora; Mahalaxmi Road, Dhoraji.

(Transferce)

- (4) 1. Lalji Khetasi Hemani;
 - 2. Bai Indumati M.
 - 3. Vora Ibrahim Ismail;
 - 4. Valand Nathabhai Dahyabhai
 - 5. Daraji Bhikhalal Bhanaji and
 - 6. Soni Vrajlal Jagjivan

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 3 storeyed building standing on land admeasuring 409 sq. yards. situated on Mahalaxmi Road, Dhorail and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 694 dated 16-4-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 4-4-1981 :Seal

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD Ahmedabad-380009,, the 2nd April, 1981

Ref. No. P. R. No. 1351 Acq. 23-1/80-81. -Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 125 5 of Navgadh Road, situated at Masjid Road, Navagadha Jetpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Jetpur on 20-8 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24—86GI/81

 Shri Trikamlal Hiralibhai Patel: Panchashil Society, Jetpur.

(Transferor)

- (2) 1 Shri Vasudev Motiram;Guardian of Minor Yogeshkumar Vasudev;
 - Shri Daulatram Motiram;
 Guardian of minor Tulsiram Daulatram;
 125/*, at Masjid Road, Navagadh,
 Jetpur.

((Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A property known as Jay Nand Kishore Textile Printing standing on land admeasuring 966. 66 sq. yds., bearing Plot No. 125/5, situated at Masjid Road, Navagadh Jetpur and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 694 dated 20-8-1980.

MANGI LAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 2-4-1981

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th April 1981

Ref. No. Amritsar 81-82.—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property Kot Karnail Singh situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1422 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sardari Lal s/o Sukhdial r/o Sultanwind Gate Kot Karnail Singh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Harnam Kaur wd/o S. Gopal Singh r/o Katra Mit Singh Amritsar.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other,

[Pesson(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in house No. 10600/16-40 (Plot No. 13) situated in Kot Karnail Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1704/I dated 29-8-80 of the registering a thority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 8-4-1981

Seal t

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th April 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/8.--Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. One property situated a Kot Karnail Singh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer a S.R. Amritsar in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sm. Santosh Kumari d/o Dharam Dev r/o Abadi Kot Karnail Singh Sultanwind Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sm. Harnam Kaur w/o Gopal Singh r/o Katra Mit Singh Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.(Persons in occupation of the property)
- (4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property near be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in House No. 10600 16-40 (plot No. 13) situated in Kot Karnail Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1538/I dated 14-8-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 8-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th April, 1981

Ref. No. Amritsar 81/82-9.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot situated at Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsr in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income unising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Prem Kumari d/o Harbans Lal r/o Jullundur Abadi Nela Mahal now Kothi No. 17, Maqbul Road, Amritsar. (Chowk Rattan Singh)

(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Kumari w/o Shri Dev Raj, Dev Raj s/o Salag Ram r/o Bazar Keserian, Kucha Faquirkhana House No. 473 Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 47 khasra No. 2927 situated in Krishna Square Amritsar within the municipal limit of Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1643_{1} I dated 26-8-1980 of the Registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 8-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th April, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/10.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Amritsar in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagdish Singh s/o Dhian Singh r/o Katra Mit Singh now Kothi No. 17, Maqbul Road, (Rattan Singh Road), Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Sulekh Rani w/o Shri M. S. Jamwal r/o 30, Ram Nagar, Kangra Colony, Amritsar,

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 47 khasra No. 2027 situated in Krishan Square within Municipal Corporation Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1642/I dated 26-8-1980 of the registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 8-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th April, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/11.—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Bahmni District Gurdaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Gurdaspur in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Piara Lal Sardari Lal Kishori Lal ss/o Nathu Ram r/o Village Behrampur, Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Shri Sulakhan Singh,
 Gurdial Singh
 Jasbir Singh
 ss/o Fauja Singh
 Village Basserpur,
 H. No. 126, Teh. Batala, District Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 76 K. 2 Marlas situated in village Bahmni, Teh. Batala, District Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 4038 dated 29-8-1980 of the registering authority Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th April, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/12.—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Pir Di Sen (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S.R. Gurdaspur in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dayal Singh s/o Shri Ajit Singh Village Pir Di Sen Teh. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Surinder Singh Kultar Singh s/o Lal Singh r/o Model Town, Dhariwal, Diett, Gurdaspur.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underesigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 29 Kanal 6 Marlas in village Pir Di Sen, District Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 3845 dated 14-8-1980 of the registering authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th April, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/13.---Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Pathankot in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—56GI/81

 Miss Rupa d/o Shri Mehar Chand Mahajan through D. K. Mahajan, General Attorney, Pathankot.

(Transferor)

(2) Shri Vinodh Kumar s/o Ved Brat Mahajan, r/o Dhangu Road, near Sehgal Hospital, Pathankot,

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Kanal 4 marlas situated in Pathankot as mentioned in the sale deed No. 1502/dated 6-8-1980 of the registering authority, Pathankot.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th April, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/14.—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land in Village Rakh Dinewal situated at Distt. Amritsar

(and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Taran Taran in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—25—86 GI/81

 Smt. Pushpa Devi d/o Munshi Ram s/o Nihal Chand r/o Village Rakh Dinewal Sub-Tehsil Khadur Sahib, District Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Sawaran Kaur d/o Deva Singh s/o Isher Singh r/o Village Dhararh Teh. Taran Taran, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 74 Kanal 9 Marlas Nehri situated in Village Rakh Dinewal Teh. Taran Taran District Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1055/dated 25-8-1980 of the registering athority Taran Taran.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th April, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/15.—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Vairowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khadur Sahib in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jagir Singh
s/o Atma Singh
s/o Bhagat Singh
r/o Village Vairurval,
sub-tehsil Khadur Sahib
Distt, Amritsar,

(Transferor)

(2) Shri Jamit Singh Gurdip Singh Sukhjit Singh Amarjit Singh Manjit Singh ss/o Pritam Singh s/o Ujagar Singh r/o Khadur Sahib, District Amritsar.

(Transferor)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menaing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 55 Kanal 1/2 Marla situated in village Valrowal Teh. Khadur Sahib as mentioned in the sale deed No. 995/dated 4-8-1980 of the registering authority Khadur Sahib.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-4-1981

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th April 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/16.—Whereas I,; ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One shop situated at Guru Bazar, Amritsar and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prem Parkash Kapur s/o Balak Ram Kapur r/o 197-Bharti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Tilak Raj and Yudhvir s/o Shri Ram Lubhaya, Guru Bazar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other,

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property consisting of shop No. 64/4-I situated in Guru Bazar Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1693/I dated 29-8-1980 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-4-1981

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th April, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/17.—Whereas, J, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land in Village Nagokey situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Khadur Sahib in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chuhar Singh s/o Chanan Singh r/o Village Nagoke sub-tehsil Khadur Sahib, District Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Paramjit Singh, Joginder Singh Narinder Singh ss/o Tara Singh r/o Village Nagoke, Sub-Tehsil Khadur Sahib, District Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any, [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 42 Kanal 8 Marlas Nehri at Village Nagoke, Teh. Khadur Sahib, Distt. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1017/dated 11-8-80 of the registering authority, Khadur Sahib.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR
Amritsar, the 15th April, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/18.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land in Jhita Kalan situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Sadhu Singh s/o Isher Singh r/o Village Ram Pur Teh, & Distt, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. Amar Laboratory
Model Town
Amritsar
through Shri Amar Kumar, Partner.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person(s) in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Kanals 19-2/3 Marlas situated at Jhita Kalan, Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4534/dated 12-8-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritaar.

Date: 15-4-1981

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th April, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/19.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at Amritwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 Smt. Narinder Kaur w/o Gurpal Singh
 G. T. Road, Amritsar through Gurbax Singh s/o Gurpal Singh
 H. No. 1790-1795, G. T. Road, Amritsar. (General Attorney)

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Wati Kapur w/o Harnarayan Kapur r/o H. No. 1920/Katra Ahluwalia, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 780 sq. mtrs. situated on G. T. Road, Amritsar near Partap Nagar, Sultanwind Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1530/I dated 4-8-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACOUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th April, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/20.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Amritsar in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shr i Gurbax Singh s/o Gurpal Singh H. No. 1790-1795 G. T. Road. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sunila Kapur w/o Raman Kapur r/o H. No. 1920 Katra Ahluwal, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Any other,

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE

One lot of land measuring 780 sq, mtrs, situated in G. T. Road, Near Partap Nagar, Sultanwind, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1533/I/dated 14-8-1980 of the registering authority, Amritsar.

> ANAND SINGH, IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar,

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th April, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/21.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one plot of land situated at Amritsar

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 S. Sahib Singh s/o Gopal Singh alias Gurpal Singh r/o Nimak Mandi, Amritsar Gurban Singh General Attorney of S. Gurpal Singh r/o G. T. Road, H. No. 1790-1795, Amritsar.

(Transferor)

 M/s. Kapoor Sons Trading Company O/s. Ram Bagh Gate, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any, (Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any other.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot (area 780 sq. mtrs.) situated on G. T. Road, near Partap Nagar, Sultanwind, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1529/I dated 14-8-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th April, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/22,—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Amiritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
26—86G/81

 Shri Jabarjang Singh s/o Arjan Singh r/o Dhab Wasti Ram, Amritsar,

(Transferor)

(2) Joginder Singh s/o Kartar Singh r/o Kanak Mandi, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in property No. 652-53/VII-4 situated in Dhab Wasti Ram, Bazar Harnami Shah, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2201/I dated 17-10-1930 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar

Date: 8-4-1981

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th April 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/23.—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No, one property situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of upusfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Joginder Singh s/o Shri Arjan Singh r/o Dhab Wasti Ram, Amritsar.

(Transferor)

Surinder Kaur
 w/o Joginder Singh
 s/o Kartar Singh
 r/o Dhab Wasti Ram Amritsar.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person(s) whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in property No. 652-53/VII-4 situated in Dhabwasti Ram Bazar Harnami Shah, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2203/I dated 17-10-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH

IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amiritsar.

Date: 8-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th April 1981

Ref. Amritsar/81-82/24,—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot situated at Basant Avenue, Amritsar (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Amritsar Improvement Trust, Amritsar.

(Transferor)

(2) Kashmiri Lai Arora
 s/o Shri Hari Chand Arora,
 r/o Allahabad Bank,
 Allahabad.
 Now 162-Basant Avenue, Amritsar,

(Transferee)

- (3) As at Sr. No.2 and tenant(s) if any, (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 162 (area 372.36 sq. yards) situated in Basant Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 17318/I dated 1-8-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amrits ar.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th April, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/25.-- Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot of Land situated at Basant Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer

at Amritsar in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) The Chairman, Amritsar Improvement Trust, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Singh Bhalla, Plot No. 53, Basant Avenue, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land, bearing No. 53, measuring 764.2 sq. Yds., situated in Basant Avenue as mentioned in registered sale deed No. 1405/1 dated 4-8-1980 of the Registering Authority, Amrit-

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsor, the 15th April, 1981

Ref. No. Amritsur/81-82/26.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land in village Nangli situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Janak Raj, Raj Kumar, Shiv Parkash, Dharam Pal Romesh Kumar, Naresh Kumar, ss/o L. Banarsi Dass r/o Maqbul Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Surinder Singh, Shawinder Singh Sandhu, Navdeep Sandhu, Shabir Fakhrudin r/o 501, Green Avenue, Amritsar.

(Transferce)

[Person(s) in occupation of the property]

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
- (4) Any other.

[Person(s) whom the unedersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hite service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Kanals situated in village Nangli Tehsil dated 19-8-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th April, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/27.---Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Land in village Nangli situated at Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Amritsar in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Janak Raj, Raj Kumar, Shiv Kumar, Dharam Pal, Romesh Kumar Seth, Naresh Kumar Seth ss/o L. Banarsi Dass r/o Maqbul Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Singh Sandhu, Dr. Shawinder, Navdeep Sandhu Shabir Fakhruldin r/o 501, Green Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 kanals situated at Village Nangli Teh. & District Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4680, dated 19-8-1980 of the registering authority, Annual ar-

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay,
Acquisition Range, Aurolan,

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th April 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/28,—Whereas I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at Village Nangli situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at S.R. Amritsar in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(I) S/Shri Janak Raj, Dharam Pal, Shiv Parkash, Raj Kumar, Romesh Kumar, Naresh Kumar, ss/o L. Banarsi Dass r/o Maqbul Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Surinder Singh, Shawinder Singh, Navdeep, Shabir, Jojar, Yusuf ss/o Fakhrudin r/o 501, Green Avenue, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 6 kanals situated in village Nangli Teh. & District Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4767/dated 22-8-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th April 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/29.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land at Village Nangli situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Amritsar in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Janak Raj Dharam Pal, Shiv Parkash, Raj Kumar, Romesh Kumar, Naresh Kumar ss/o L. Banarsi Dass r/o Maqbul Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shrl Surinder Singh, Shawinder Singh, Shabir, Zozan, Yusaf ss/o Fakhrudin r/o 501, Green Avenue, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Any other.

(Porson(s) whom the unedersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 kanals situated in Village Nangli, teh. & Distt. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4766 dated 22-8-1980 of the registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-4-1981

Scal

FORM J.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th April, 1981

Ref. No. ASR/81-82/30.--Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land at Village Nangli situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27—86GI/81

(1) S/Shri Janak Raj Dharam Pal, Shiv Parkash, Ramesh Kumar, Naresh Kumar ss/o L. Banarsi Dass r/o Maqbul Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Singh, Shalinder Singh, Navdeep, Shabir, Yayur and Yusuf ss/o Fakhrudin r/o 501, Green Avenue, Amritan.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 6 kanals 4 marlas situated in Village Nangli Teh. & Distt. Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 4787/dated 25-8-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th April, 1981

Ref. No. Amritsar/81-81/31.—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. Land in Village Nangli situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) Has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Amritsar in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Janak Raj,
Dharam Pal,
Raj Kumar,
Shiv Parkash,
Romesh Kumar,
Naresh Kumar
ss/o L. Banarsi Dass
r/o Maqbul Road,
Amritsar
through Janak Raj and
Kamla Vati.

(Transferor)

(2) S/Shri Navinder Pal Singh, Shabir, Fakhruddin, Navdeep Singh, Gurbans Singh r/o 501/Green Avenue, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if)any.

 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Porson(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereia as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 5 kanals 12 marlas situated in Village Nangli Teh. & Distt. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4786 dated 25-8-1980 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th April 1981

Ref. No. A. P. No. 2587.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Village Hadiabad, Teh. Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Shakuntla Wati Wd/o Shri Ram Rashpaul, R/o Village Hadiabad, Teh. Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal S/o Shri Santokh Ram, R/o Village Riana, District Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person)interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1311 of August, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRIDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 9-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th April 1981

Ref. No. A. P. No. 2588.—Whereas, I, R. GIRIDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/rand bearing No.

As per Schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Phagwara on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bharpur Singh S/o Shri Pritam Singh, G. T. Road, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Kulwant Singh S/o Shri Pritam Singh, Near Ram Garhia Public School, Phagwara.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1355 of August, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRIDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 9-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th April, 1981

Ref. No. A. P. No. 2589.—Whereas, I, R. GIRIDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on August, 1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Bharpur Singh S/o Shri Pritam Singh R/o G. T. Road, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shrimati Ravinder Kaur W/o Shri Didar Singh, Near Ram Garbia School, Phagwara.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1362 of Aug. 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRIDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 9-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th April, 1981

Ref. No. A. P. No. 2590.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Gurdev Kaur R/o Banga Road, Phagwara, Near Octroi Post.

(Transferor)

 Shri Ugagar Singh S/o Shri Nand Singh R/o Ghumar Mandi, Ludhiana.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1370 of August, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 9-4-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th April, 1981

Ref. No. A. P. No. 2600.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. As per Schedule situated at Mandi Abohar (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

(1) Shri Sahib Ram
S/o Shri Chima Ram
Smt. Tulsi Devi
Wd/o Shri Chima Ram,
Smt. Gudi Devi,
Smt. Saroj
Ds/o Shri Chima Ram,
R/o Village Sardar Pura
Tch. Fazilka.

(Transferor)

(2) Shrimati Shanti Devi W/o Shri Surja Ram, Shri Het Ram S/o Shri Sohan Lal, R/o Village Sardarpura, Teh. Fazilka.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1552 of August, 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 16-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 16th April, 1981

Rcf. No. A. P. No. 2601.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Abohar on January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-exceeds the apparent consideration therefor by more than than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shrimati Lila
 D/o Shri Chima Ram,
 Shri Babu Ram
 S/o Shri Chima Ram
 R/o Village Sardarpura
 Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Shrimati Shanti Devi W/o Surja Ram, Shri Het Ram S/o Sohan Lal, R/o Village Sardarpura, Teh. Fazilka.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3001 of January, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 16-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th April, 1981

Ref. No. A. P. No. 2602.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Abohar on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri Om Parkash, Ved Parkash, Ss/o Shri Mohri Lal R/o Bharoo Gate, Gidarbaha.

(Transferor)

(2) Shrimati Sita Devi W/o Shri Bansi Dhar H. No. 826, Gali No. 1, Mandi Abohar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1553 of August, 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur,

Date: 16-4-1981

Seal:

28-86GI/81

.... v. v.: ... <u>=</u>

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 16th April, 1981

Ref. No. A. P. No. 2603.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Prem Nagar, Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Hari Chand
 S/o Shri Munshi Ram
 R/o H. No. 7959, Sukhera Basti,
 Prem Nagar,
 Abohar.

(Transferor)

 Shrimati Sarabwati Devi W/o Shri Hari Ram R/o Prem Nagar, Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1678 of August, 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 16-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th April, 1981

Ref. No. A. P. No. 2604. -Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Mandi Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on August, 1980!

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Banwari Lal, Sagon Lal
 Ss/o Shri Nona Mal
 R/o H. No. 1769, Gali No. 14-15,
 Mandi Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Kewal Krishan S/o Ram Lubhay House No. 1769, Gali No. 14-15, Mandi Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1636 of August, 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 16-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th April, 1981

Ref. No. A. P. No. 2591.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Dada Colony, Jullundur (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Capt. Attar Chand S/o Jwala Ram, R/o Kothi No. 98, Master Tara Singh Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh S/o Kartar Singh R/o 229, Dada Colony, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3186 dated 5-8-1980 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Juliundur

Date: 15-4-1981

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th April, 1981

Ref. No. A. P. No. 2592.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated Riazpur Mohalla Jallandur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfererd under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullandur on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Sheela Devi Wd/o Shri Ram Nath, Smt. Kanwal Kanta D/o Ram Nath, R/o Mohalla Shri Raj Garh, H. No. E. K. 26, Jullundur City.

(Transferor)

(2) Sohan Lal s/o Shri Banka Ram and Shri Raj Kumar, Shashi Kumar Ss/o Shri Sohan Lal Khanna, R/o 30, Shivaji Park, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above and Shri Raj Kumar Jain r/o property No. BVII-949, Mohalla Riazpura, Milap Road, Jullundur City.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3493 dated 20-8-1980 of the Registering Authority Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th April 1981

Ref. No. A. P. No. 2593.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Mohalla Purian, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Jullundur on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Vishwa Nath Pathak and
Mool Shanker Pathak
S/o Shri Mathra Dass
R/o Mohalla Purian,
Jullundur and
General Attorney of Shri Krishan Kant Pathak,
Smt. Amrawati Pathak
W/o Dr. Pran Nath Pathak,
Smt. Anita Gulati
W/o Shri P. C. Gulati and
Smt. Anuradha Vias
W/o Shri Ajit Vias.

(Transferor)

(2) Shrl Vidya Wati Wd/o Shri Sahej Singh, Shri Raghvir Singh, Balbir Singh and Jaglr Singh Ss/o Shri Sahej Singh and Smt. Usha W/o Shri Raghvir Singh, Smt. Nirupma W/o Shri Balbir Singh R/o EE-193, Post Office Street, New Rly. Road, Jullundur City.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3291 dated August, 1980 of the Registering Authority, Juliandur.

R. GIRDHAR

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-4-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th April 1981

Ref. No. A. P. No. 2594.—Whereas, I, R. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

(1) Shri Surjit Kaur Wd/o Shri Wazir Singh Satinder Kaur, Rajni Ds/o Shri Wazir Singh and S/Shri Surrinder Singh, Narinder Singh Ss/o Shri Joginder Singh C/o Neta Metal Works, Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s. S. Nihal Metal Industries, Dada Colony, Jullundur, Shri Dayal Singh S/o Shri Gainda Singh, Dada Colony, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3205 of dated August, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th April 1981

Ref. No. A. P. No. 2595.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Kailash Chander
 S/o Tek Chund
 r/o E. F. 10, Mandi Fanton Ganj,
 Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Kumar, Vivek Kumar Ss/o Anant Ram and Shri Sandeep Kumar, Rajiv Kumar Ss/o Shri Roshan Lal, Mandi Road, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(3) As per S. No. 2 above. and Shri Krishan Lal S/o Sansari Mal, Mohalla Kalanwali, Jullundur City.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3142 of dated August, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-4-1981

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th April 1981

Ref. No. A. P. No. 2596.—Whereas I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at V. Gakhala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

29-86GI/81

Shr Surinder Singh
 S/o Darshan Singh
 General Attorney of Shri Ishar Singh
 s/o Thakar Singh
 r/o V. & P. O. Gakhala,
 Teh. & Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Kaur W/o Shri Surinder Singh V. & P. O. Gakhala, Teh. & District Jullundur.

(Transferee

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knews to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3613 of dated August, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th April 1981

Ref. No. A. P. No. 2597.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on August, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sat Pai
 S/o Muni Lal,
 House No. N. K. 221,
 Charanjit Pura,
 Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Brij Kishore S/o Kundan Lal S-141, Kishore Industries, Manufacturers of Nuts-Bolts, Sodal Chowk, Jullundur.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3617 of dated August, 1980 of the Registering Authority Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th April 1981

Ref. No. A. P. No. 2598.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Adarsh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amar Nath, Munshi Ram
 Sa/o Shri Udho Ram
 R/o 8, Adarsh Nagar, Julundur.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Sachdeva W/o Shrl T. R. Sachdeva, R/o 266, Adarsh Nagar, Jullundur.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3228 of dated August, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th April 1981

Ref. No. A. P. No. 2599.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Adarsh Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur, on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Amar Nath, Shri Munshi Ram
 Ss/o Shri Udho Ram
 R/o 8, Adarsh Nagar,
 Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Sachdeva. W/o Shri T. R. Sachdeva, R/o 266, Adarsh Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3356 of dated August, 1980 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-4-1981

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th April, 1981

Ref. No. A. P. No. 2606.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Faridkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kehar Singh S/o Wazir Singh R/o Harinder Nagar, Faridkot.

(Transferor)

(2) Dr. Romesh Kumar Anand S/o Shri Madan Lal and Smt. Kusum Anand W/o Dr. Romesh Kumar Anand r/o Faridkot.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2266 of September, 1980 of the Registering Authority, Faridkof.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th April 1981

Ref. No. A. P. No. 2607.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Faridkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Faridkot on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kehar Singh S/o Wazir Singh R/o Harinder Nagar, Faridkot.

(Transferor)

(2) Dr. Surrinder Mohan Gulati S/o Ram Narain Gulati and Smt. Saroj Kumari W/o Dr. Surrinder Mohan Gulati R/o Faridkot.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property) •

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale dead No. 2267 of September, 1980 of the Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 15th April 1981

Ref. No. A. P. No. 2608.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Faridkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Suraj Kaur W/o Pritam Singh r/o Harinder Nagar, Faridkot.

(Transferor)

(2) Shrl Harbax Singh S/o Shrl Sajjan Singh, Shrl Jagdeep and Shrl Gurmit Singh Ss/o Shrl Pritam Singh and Shrl Harmail Singh and Parmjit Singh Ss/o Shrl Harpal Singh R/o Village Dago Romana, Teh. & Distt. Farldkot.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1934 of 8/80 of the Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR Jullundur, the 15th April 1981

Ref. No. A. P. No. 2609.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. as per schedule situated at Rampura Phul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampura Phul on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrl Durga Dass
 S/o Shrl Ralla Ram
 C/o M/s. Punjab Machlnery Store, Barnala.

(Transferor)

(2) Shrl Bhagwan Singh, Bhajan Singh Ss/o Shri Inder Singh C/o Shrl Inder Singh Goldsmith, Phul Bazar, Rampura Phul, District Bhatinda.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interestd in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 2343 dated August, 1980 of the Registering Authority, Rampura Phul.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th April 1981

Ref. No. A. P. No. 2610.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Rampura Phul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampura Phul on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaind property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
30—86GI/81

Shri Durga Dass
 S/o Shri Ralla Ram
 C/o M/s. Punjab Machinery Store,
 Barnala.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwan Singh S/o Shri Inder Singh C/o Inder Singh Goldsmith, Bazar Phul, Rampura Phul, District Bhatinda.

(Transferee)

(3) at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 2429 dated August, 1980 of the Registering Authority, Rampura Phul.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th April, 1981 Ref. No. A. P. No. 2611.—Whereas, I, R. Girdhar,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Rampura Phul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampura Phul on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S ri Durga Dass
 S/o Shri Ralla Ram
 C/o M/s, Punjab Machinery Store, Barnala.

(Transferor)

(2) Shri Bhajan Singh, Shri Krishan Singh Ss/o Shri Inder Singh C/o Shri Inder Singh Goldsmith, Phul Bazar, Rampura Phul, Distt. Bhatinda.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 2430 dated Au7ust, 1980 of the Registering Authority Juliandur.

R. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 22nd April, 1981

Ref. No. A. P. No. 2612.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Model Town, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Phagwara on August, 1980

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Didar Singh S/o Shri Prem Singh R/o Hadjabad, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Ravinder Singh S/o Shri Harbans Lal R/o 24-E, Model Town, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interewted in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1401 of August, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R, GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 22-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd April, 1981

Ref. Do. A. P. 2613.—Whereas, I, R. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

per schedule situated at Vill. Poonian,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Shakhot on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hazara Singh S/o Mathura R/o V. Poonian, Tehsil Nakodar, District Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Pritam Singh S/o Labh Singh R/o Village Poonian, Tehsil Nakodar, District Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1134 of August, 1980 of the Registering Authority, Shahkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 23-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th April, 1981

Ref. No. A. P. No. 2614.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Gidherbah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gidherbah on August, 1930

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pritam Singh S/o Ram Saran Dass, R/o Gidherbah

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar S/o Birbal Dass, R/o Gidherbah.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registeration sale, deed No. 739 of August, 1980 of the Registering Authority Gidherbah.

R, GIRDHAR Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 25-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR
Jullundur, the 25th April 1981

Ref. No. A. P. No. 2615.—Whereas, J. R. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No as per schedule situated at Gidherbah

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gidherbah on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Surinder Kumar S/o Pritam Singh R/o Gidherbah

(2) Shri Darshana Devi W/o Rakesh Kumar and Sanjeev Kumar S/o Kashmiri Lal R/o Gidherbah, (Transferor)

(Transferee)

(3) As. S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 740 of August, 1980 of the Registering Authority, Gidherbah.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 25-4-1981

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandar, the 25th April, 1981

Ref. No. A. P. No. 2616.—Whereas, f, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. as per schedule situated at Gidherbah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gidherbah on August, 1980

for on apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sudershan Kumar s/o Shri Pritam Singh R/o Gidherbah,

(Transferor)

(2) Shrimati Darshana Devi W/o Rakesh Kumar Sanjeev Kumar S/o Kashmiri Lal R/o Gidherbah,

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 741 of August, 1980 of the Registering Authority, Gidherbah.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Rang, Jullundur

Date: 25-4-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th April, 1981

Ref. No. A. P. No. 2617.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. as per schedule situated at Gidherbah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

a Gidherbah on Augus, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Harbans Kaur
 W/o Shri Pritam Singh,
 R/o Gidherbah.

(Transferor)

2) Shri Birbal Dass S/o Shri Ram Narain, r/o Gidherbah.

(Transferee)

3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of he property)

4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 742 of August, 1980 of the Registering Authority, Gidherbah.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 25-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, he 25th April, 1981

Ref. No. A. P. No. 2618.— Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

as per schedule situated a Gidherbah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gidherbah on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sham Sunder S/o Pritam Singh, r/o Gidherbah.

(Transferor)

Shri Kiran Kumar
 S/o Shri Birbal Dass,
 r/o Gidherbah.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 743 of August, 1980 of the Registering Authority, Gidherbah.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 25-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, he 25th April, 1981

Ref. No. A. P. No. 2619.—Whereas, I., R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Gidherbah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gidherbah on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shiv Raj S/o Shri Pritam Singh, R/o Gidherbah

(Transferor)

(2) Shri Darshana Devi w/o Shri Rakosh Kumar and Sanjeev Kumar s/o Kashmiri Lal R/o Gidherbah.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registeration sale Deed No. 744 of August, 1980 of the Registering Authority, Gidherbah.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 25-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandar, the 27th April, 1981

Ref. No. A. P. No. 2605.—Whereas, I. R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-

and bearing No.

No. as per Schedule situated at Kapurthala

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Inder Mohan
 S/o Shri K. L. Sakhuja
 S/o Dr. Moti Ram Managing Director and Chairman
 M/s Jagatjit Fasteners Pvt. Ltd.,
 Kapurthala.
- (2) M/s. Jagatjit Fasteners Pvt. Ltd., Kapurthala through Shri M. K. Abrol S/o Shri)Devi Dayal Managing Director of M/s. Jagatji Fasteners Pvt. Ltd., Kapurthala

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any o her person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed)No. 1669 of August, 1980 of the Registering Authority, Kapurthala.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 27-4-1981

FORM I.T.N.S.——

(1) Bijoy Kumar Agarwala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Anita Ghosh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 23th April, 1981

Ref. No. A C.-14/R.-IV/Cal./81-82.—Whereas I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Khatian No. 320 situated at Mouja Nadira, Barasat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barasat on 6-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 acre situated at Khatian No. 320, Dag. 234/271 at Mouja Nadira, Barasat more particularly described as per Deed No. 1526 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rafi Ahmed Kidwai Road,
(2nd flore) Calcutta-700016

Date: 23-4-1981

:leS

PUBLISHED BY THE DIRECTOR, PUBLICATIONS DIVISION, NEW DELHI-110001, AND PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD